सूर्योदय दि. 28-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

हरनाज कौर संधू ने बताया कैसे...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 269 नई दिल्ली, मंगलवार 28 दिसंबर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

मोदी ने हिमाचल में 11 हजार करोड़ की पनबिजली परियोजनाओं का उद्घाटन किया

परियोजनाओं में 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आने की संभावना है

मंडी (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां हिमाचल प्रदेश वैश्विक निवेशक सम्मेलन (हिमाचल प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट) के दूसरे भूमिपूजन समारोह में भाग लिया और एक औद्योगिक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इन परियोजनाओं में 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आने की संभावना है। उन्होंने छोटी काशी के नाम से विख्यात मंडी में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले से रिमोट कंट्रोल के जरिए 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की जलविद्युत परियोजनाओं का औपचारिक रूप से उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

इन परियोजनाओं में रेणुकाजी बांध परियोजना, लुहरी चरण 1 जल विद्युत परियोजना और धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना का शिलान्यस शामिल है। सावरा-कुड्डू जलविद्युत परियोजना का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश में औगिक विकास की संभावनाओं, खास कर प्राकृतिक खेती के उत्पादों के प्रसंस्करण की संभावनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने फार्मा उद्योग में राज्य के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस यात्रा में निवेश सम्मेलन में भाग लेने का अवसर मिला। इस सम्मेलन के साथ जिन औद्योगिक परियोजनाओं की शुरुआत हो रही है उनमें 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश राज्य में आएगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लोगों के लिए जीवन की सुगमता उनकी सरकार सबसे प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है और इसमें बिजली बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की इन नयी जल-विद्युत परियोजनाएं पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, गिरी नदी पर बन रही श्री रेणुकाजी बांध परियोजना जब पूरी हो जाएगी तो एक बड़े क्षेत्र को इससे सीधा लाभ होगा। इस प्रोजेक्ट से जो भी आय होगी उसका भी एक बड़ा हिस्सा यहीं के विकास पर खर्च होगा। श्री मोदी ने भारत की बदली हुई कार्यशैली को दोहराया और कहा, भारत ने 2016 में लक्ष्य रखा था कि देश साल 2030 तक, अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 40 प्रतिशत, गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्त्रोतों से पूरा करेगा। .... भारत ने अपना ये लक्ष्य, इस साल नवंबर में ही प्राप्त कर लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत प्रकार से पर्यावरण को बचाते हुए विकास को गति दे रहा है, उसकी विश्वभर में प्रशंसा हो रही है।

श्री मोदी ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उन्मूलन के विषय पर कहा कि पहाड़ों को प्लास्टिक की वजह से जो नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल को स्वच्छ रखने में, प्लास्टिक और अन्य कचरे से मुक्त रखने में पर्यटकों का भी दायित्व बहुत बड़ा है। प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में दवा क्षेत्र के विकास की सराहना करते हुए कहा, यदि भारत को आज दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है, तो इसके पीछे हिमाचल की बहुत बड़ी ताकत है।

कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान हिमाचल प्रदेश ने ना सिर्फ दूसरे राज्यों, बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की है। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर सरकार के आज चार वर्ष पूरे हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री मोदी को हिमाचली टोपी और शाल पहना कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री को इस अवसर पर बड़े आकार का एक त्रिशूल भी भेंट किया गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइंस, किशोरों को लगेगा कोवैक्सीन का टीका

कोविन पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण एक जनवरी से शुरू हो जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)

तीन जनवरी से शुरू होने जा रहे 15 से 18 साल की आयु के किशोरों के कोरोना टीकाकरण के लिए एक जनवरी से पंजीकरण शुरू हो जाएगा। इसके लिए कोविन एप पर स्कूल आइडी कार्ड से पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों के साथ-साथ हेल्थ केयर व फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी से ग्रस्त 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए शतर्कता डोज देने की गाइडलाइंस भी जारी कर दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी गाइडलाइंस के अनुसार किशोरों के टीकाकरण के लिए कोविन पोर्टल पर आनलाइन या वैक्सीनेशन सेंटर पर आफलाइन दोनों तरह से पंजीकरण कराने की सुविधा होगी। कोविन पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण एक जनवरी से शुरू हो जाएगा। पंजीकरण के लिए वे अपने माता, पिता या अभिभावक के कोविन प्लेटफार्म पहले से मौजूद लागिन आइडी से किया जा सकता है या फिर नए मोबाइल से ओटीपी से भी लागिन किया जा सकता है। वैसे स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइंस में किशोरों के लिए सिर्फ कोवैक्सीन लगाये जाने की बात कही गई है क्योंकि ड्रग कंट्रोल जनरल आफ इंडिया ने 15 से 18 साल के किशोरों में केवल इसके इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत दी है। जबकि डीसीजीआइ जायडस कैडिला की वैक्सीन जायकोवी-डी को भी इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत दे चुका है, जिसका ट्रायल 12 से अधिक उम्र के बच्चों के लिए भी किया गया था।

60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को अपनी बीमारी के लिए डाक्टर से सर्टिफिकेट देने होगा। जबकि हेल्थ केयर वर्कर्स और फ्रंट लाइन वर्कर्स को नौ महीना पूरा होने के बाद खुद ही प्रीकाशन डोज लेने का एसएमएस आ जाएगा। वैसे ये कोविन पोर्टल पर अपने पुराने लागिन आइडी से टीके के लिए पहले से समय और स्थान बुक कर सकते हैं।

इस संबंध में पूछे जाने पर स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जायकोवी-डी को टीकाकरण अभियान में शामिल किया जा रहा है कि लेकिन इसकी सीमित आपूर्ति और लगाने की अलग विधि के कारण समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन के अलावा कई वैक्सीन का विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों पर ट्रायल अंतिम चरम में है और डीसीजीआइ से हरी झंडी मिलने पर उन्हें भी किशोरों के टीकाकरण में इस्तेमाल किया जा सकता है। गाइडलाइंस के अनुसार 10 जनवरी से शुरू होने जा रहे हेल्थकेयर वर्कर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी से ग्रस्त 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को वैक्सीन के दूसरी डोज के नौ महीने पूरा होने के बाद ही प्रीकाशन डोज दिया जाएगा।

एक नज़र

कोविंद, मोदी ने महेंद्र प्रसाद के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी) राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता दल (यूनाइटेड) के राज्य सभा सदस्य महेंद्र प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री कोविंद ने ट्वीट किया, राज्य सभा सदस्य डॉ. महेंद्र प्रसाद के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके पास लगभग चार दशकों का संसदीय अनुभव था और वह फार्मास्युटिकल उद्योग की उन्नति करने वाले अगुवा लोगों में शामिल थे। उनके शोक संतप्त परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

श्री मोदी ने ट्वीट किया, मैं राज्य सभा सदस्य डॉ. महेंद्र प्रसाद जी के निधन से दुखी हूँ। उन्होंने कई वर्षों तक संसद में अपनी सेवाएं दीं और वह कई सामुदायिक सेवा कार्यों में आगे रहे। उन्होंने हमेशा बिहार और उसके लोगों के कल्याण की बात की। मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति। जनता दल (यूनाइटेड) से राज्यसभा के सदस्य और उद्योगपति महेंद्र प्रसाद का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से की मध्य प्रदेश निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण का आदेश वापस लेने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मध्य प्रदेश में निकाय चुनाव में ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों पर चुनाव रोक कर उन्हें सामान्य वर्ग के लिए नये सिरे से अधिसूचित करने का 17 दिसंबर का आदेश वापस लेने की मांग की है। केंद्र सरकार ने इस बारे में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कोर्ट से आदेश को वापस लेने या संशोधित करने का आग्रह किया है। सरकार ने यह भी कहा है कि कोर्ट फिलहाल चार महीने के लिए मध्य प्रदेश में निकाय चुनाव टाल दे और राज्य सरकार को आदेश दे कि वह तब तक ओबीसी के बारे में आयोग की रिपोर्ट लाए। सरकार ने मध्य प्रदेश निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण लागू करने की पैरवी करते हुए कहा है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग का उत्थान सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए स्थानीय निकाय में पिछड़ा वर्ग का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व होने से ग्रास रूट स्तर पर सत्ता के विकेन्द्रीकरण के उद्देश्य और मंशा को धक्का लगेगा। यह भी कहा है कि पिछड़ा वर्ग का अपर्यप्त प्रतिनिधित्व या प्रतिनिधित्व न होने से दो स्तरों पर प्रतिकूल असर होगा।

ब्राह्मण मतदाताओं को साधने की रणनीति के तहत भाजपा ने एक समिति का गठन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ब्राह्मण मतदाताओं को साधने की रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक समिति का गठन किया है जिसमें पार्टी के वरिष्ठ ब्राह्मण नेता शामिल हैं।

सोमवार को भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली ब्राह्मण नेताओं के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में उत्तर प्रदेश भाजपा के चुनाव प्रभारी धमेंद्र प्रधान, पार्टी के सांसद शिव प्रताप शुक्ला, सांसद डॉ. महेश शर्मा, रीता बहुगुणा जोशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ब्रजेश पाठक, श्रीकांत शर्मा, आनंद स्वरूप शुक्ला, सतीश द्विवेदी, सत्यदेव पचौरी, रमापति राम त्रिपाठी, जितिन प्रसाद, उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी और अनिल शर्मा जैसे नेता शामिल हुए। श्री शुक्ला के नेतृत्व में गठित भाजपा की इस समिति में शामिल नेता अपने-अपने इलाकों में ब्राह्मण समाज के लोगों से मुलाकात कर सरकार की ओर से उनके लिए किए गए कार्यों की जानकारी देंगे।

इसके पीछे भाजपा का मकसद उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों की नाराजगी को दूर करना है। दरअसल बीते कुछ वर्षों में राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल के दौरान ब्राह्मणों की उपेक्षा के आरोप विपक्षी दलों की ओर से लगते रहे हैं।

बैठक के बारे में जानकारी देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, प्रदेश में दोबारा से भाजपा सरकार बनने जा रही है और उसे अधिक मजबूती देने पर बैठक में चर्चा हुई। सभी 403 विधानसभा सीटों को लेकर रणनीति तैयार की जा रही है जिसे लेकर वृहद योजना बन रही है , जिसे धरातल पर लाया जाएगा।

कानपुर : पीयूष जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

कानपुर (एजेंसी)

कर अवपंचना के मामले में उत्तर प्रदेश के कानपुर में त्रिमूर्ति फ्रेगरेंस प्राइवेट लिमिटेड के मालिक पीयूष जैन को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सूत्रों के मुताबिक वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) सतर्कता महानिदेशालय की टीम ने जैन के कानपुर और कन्नौज स्थित ठिकानो से करीब 280 करोड़ रूपये से अधिक की नगदी और आभूषणों की बरामदगी की थी। जांच में पता चला कि कारोबारी ने टैक्स चोरी कर यह रकम जमा की थी जिसके बाद उसे रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया था।

जूही के आनंदपुरी क्षेत्र के निवासी इत्र कारोबारी को रविवार रात गिरफ्तार करने के बाद काकादेव थाने के लाकअप में रखा गया था। आज सुबह उसका मेडिकल लाला लाजपत राय अस्पताल में कराया गया जिसके बाद रिमांड मजिस्ट्रेट योगिता सिंह की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सूत्रों ने बताया कि कारोबारी के कन्नौज और कानपुर स्थित ठिकानों पर फिलहाल छापेमारी की प्रक्रिया को विराम दिया गया है। इस बीच कर अवपंचना के मामले में कारोबारी के एक अन्य सहयोगी की भूमिका भी उजागर हुयी है जिसकी जांच की जा रही है। उन्होने बताया कि पुलिस को कानपुर और कन्नौज स्थित कारोबारी के ठिकानो से अब तक 280 करोड़ रूपये से अधिक की नगदी और जेवरात मिल चुके है। जीएसटी इंटेलीजेंस टीम को कारोबारी के कन्नौज स्थित पैतृक आवास पर तहखाने में 250 किलो चांदी और 25 किलो की सोने की सिल्लियां बरामद हुई हैं।

साथ ही नोटों से भरे आठ से नौ बोरे भी मिले हैं. जिनमें 103 करोड़ रुपये होने की बात कही जा रही है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुयी है। इससे पहले इत्र कारोबारी पीयूष जैन के कानपुर में जूही क्षेत्र स्थित आवास पर जीएसटी की विजलेंस टीम को 185 पर करोड़ों रुपये नकदी बरामद हुयी थी जिसके बाद जांच टीम कन्नौज के छिपट्टी मोहल्ला स्थित पीयूष जैन के पैतृक आवास पहुंची थी, जहां बीते तीन दिन से जीएसटी विजलेंस टीम इत्र कारोबारी के मकान के अलग-अलग हिस्सों, दफ्तर व कारखाने में छानबीन करने में जुटी है।

ड्रग के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की तैयारी

जिला से लेकर केंद्र स्तर तक तैयार होगा एंटी नारकोटिक्स तंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत केंद्र से लेकर जिला स्तर पर एंटी नारकोटिक्स तंत्र विकसित करने, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए पोर्टल बनाने, आम जनता से मदद लेने के लिए हेल्पलाइन नंबर शुरु करने, बंदरगाहों पर हर कंटेनर को स्कैन करने और राज्यों में विशेष प्रशिक्षित कुत्तों का स्वाड तैयार करने जैसे कई कदम उठाये जा सकते हैं। नारको समन्वय केंद्र (एनकोर्ड) की तीसरी बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ड्रग को देश की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बनाया। एनकोर्ड की बैठक में अमित शाह ने कहा कि सभी राज्यों को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के अधीन एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाने को कहा। उनके अनुसार ड्रग को पकड़ने में विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्तों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर नार्को कैनाइन पूल विकसित किया जाएगा। एनएसजी और एनसीबी इन्हें प्रशिक्षित करने की विशेष रूप से व्यवस्था करेगा और इससे सभी राज्यों में प्रशिक्षित कुत्तों का स्वायड बनाया जाएगा। देश में लगभग 60-70 फीसद ड्रग की तस्करी समुद्र के रास्ते होती है। इसे रोकने के लिए अमित शाह ने समुद्र के किनारे वाले राज्यों में विशेष कदम उठाने को कहा। उनके अनुसार इन राज्यों में एंटी नारकोटिक्स की बैठकों में कोस्टगार्ड, नौसेना और पोर्ट अथारिटी के अधिकारियों को भी शामिल करने की जरूरत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी निजी और सरकारी बंदरगाहों पर आने वाले कंटेनरों की स्कैनिंग के लिए विशेष स्कैनर लगाने के लिए जहाजरानी मंत्रालय से बातचीत चल रही है।

चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी की जीत, पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत: केजरीवाल

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। चंड़ीगढ़ नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने आज ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आम आदमी पार्टी पहली बार चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में उतरी थी और भाजपा के गढ़ रहे चंडीगढ़ नगर निगम की 14 वार्डों में जीत दर्ज की।

भाजपा के गढ़ रहे चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी की ऐतिहासिक जीत, पहली बार चुनाव में उतरी थी 'आप'

चंडीगढ़ के लोगों ने आज भ्रष्ट राजनीति को नकारते हुए 'आप' की ईमानदार राजनीति को चुना है : अरविंद केजरीवाल

यह जीत संकेत है कि अगर विकल्प हो, तो लोग 'ईमानदारी और काम करने वाली राजनीति' को मौका देना चाहते हैं : मनीष सिसोदिया

राष्ट्रीय स्तर पर भी अब एक विकल्प बन कर उभरी आम आदमी पार्टी

इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सभी विजयी उत्मीदवारों और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी की यह जीत पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत है। चंडीगढ़ के लोगों ने आज भ्रष्ट राजनीति को नकारते हुए 'आप' की ईमानदार राजनीति को चुना है। वहीं, दिल्ली के डिप्टी सीएम एवं 'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह जीत संकेत है कि अगर विकल्प हो, तो लोग 'ईमानदारी और काम करने वाली राजनीति' को मौका देना चाहते हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय स्तर पर भी एक विकल्प बन कर उभरी है। दूसरी तरफ, सोशल मीडिया पर चर्चा है कि चंडीगढ़ के बाद दिल्ली एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी का परचम लहराएगा। 'आप' के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि चंडीगढ़ नगर निगम से चली जीत की यह लहर दिल्ली नगर निगम तक पहुंचेगी। भारतीय जनता पार्टी के गढ़ रहे चंडीगढ़ नगर निगम के कुल 35 वार्डों में बीते 24 दिसंबर को मतदान हुआ था। वर्तमान में चंडीगढ़ नगर निगम में भाजपा की ही सरकार थी। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी पहली बार मैदान में उतरी थी। आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के लिए दिन-रात मेहनत की। गत 19 दिसंबर को 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में एक जनसभा को संबोधित कर वहां की जनता से आम आदमी पार्टी की ईमानदार राजनीति को एक मौका देने का आह्वान किए थे। चंडीगढ़ की जनता ने 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी ईमानदार राजनीति पर मुहर लगाने का निर्णय लिया और चंड़ीगढ़ नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी को 14 वार्डों में ऐतिहासिक जीत दिला दी। भाजपा के भ्रष्टाचार से परेशान जनता ने उसके मेयर तक को हरा दिया। चंडीगढ़ नगर निगम में इस जीत से साफ है कि इस बार पंजाब बदलाव चाहता है। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर खुशी व्यक्त की है। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ''चंडीगढ़ नगर निगम में आम आदमी पार्टी की यह जीत पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत है। चंडीगढ़ के लोगों ने आज भ्रष्ट राजनीति को नकारते हुए 'आप' की ईमानदार राजनीति को चुना है। 'आप' के सभी विजयी उम्मीदवारों एवं सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। इस बार पंजाब बदलाव के लिए तैयार है।'' वहीं, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा, ''चंडीगढ़ के लोगों ने आज अरविंद केजरीवाल जी की राजनीति में और उनके नेतृत्व में भरोसा जताया है। इसके लिए चंडीगढ़ के एक-एक वोटर का तहेदिल से शुक्रिया। यह जीत संकेत है कि अगर विकल्प हो, तो लोग 'ईमानदारी और काम करने वाली राजनीति' को मौका देना चाहते हैं।''

'आप' संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति से पूरे देश के लोग प्रभावित हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और महिला सुरक्षा समेत सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, जिसकी चर्चा अपने देश के अलावा विदेशों में भी हो रही है। परिणाम स्वरूप देश भर में आम आदमी पार्टी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी है। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गोवा में भी स्थानीय निकाय व पंचायत चुनाव लड़ा और पार्टी को सभी जगहों पर जनता का खूब प्यार मिला। उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जिला पंचायत सदस्य की 83 से अधिक सीटें जीती, जबकि ग्राम पंचायत की 300 और क्षेत्र पंचायत सदस्य की 232 से अधिक जगहों पर जीत दर्ज की।

बूस्टर डोज का भ्रम दूर होना जरूरी : चिदम्बरम

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदमबरम ने कहा है कि हमारे यहां कोरोना महामारी से निपटने के लिए बूस्टर डोज कौन सा होगा इस संबंध में जारी असमंजस की स्थिति को दूर करना आवश्यक है। श्री चिदम्बरम का यह बयान देश में बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन जनवरी से देश के वरिष्ठ नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिए बूस्टर डोज लगाने के एलान के बाद आया है। उन्होंने कहा कि यह भ्रम टूटना चाहिए कि कोविशील्ड का यह टीका अगला टीका होगा या बूस्टर डोज होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा बूस्टर डोज का प्रस्ताव असमंजस में है। कोविशील्ड का कौन सा टीका बूस्टर डोज होगा। उम्मीद है कि यह कोविशील्ड की एक और खुराक नहीं होगी।

एक नज़र

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई : मनिन्दर जीत सिंह बिट्टा

मथुरा (एजेंसी) अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिन्दर जीत सिंह बिट्टा ने यहां कहा कि पिछले छह साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। शहीद जवानों के परिवारों के सम्मान में सामाजिक संस्था संस्कार भारती द्वारा शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने यहां आए बिट्टा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच-छह वर्षों में आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी आई है, जबकि इससे पहले स्थिति अत्यधिक भयावह थी।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से तो जैसे आतंकवादियों की रीढ़ टूटने लगी है। इससे पूर्व उन्होंने मसानी क्षेत्र स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पिछले दिनों शहीद हुए सेना के तीन जवानों नेम सिंह, प्रथम सिंह और विशाल सिंह के परिजनों को सम्मानित किया।

मथुरा में सेना मेडल से सम्मानित शहीद के बेटे का जन्मदिन मनाने पहुंची पुलिस

मथुरा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में जाट रेजिमेंट के शहीद जवान बबलू सिंह के 12 वर्षीय पुत्र द्रोण चौधरी का जन्मदिन खास मनाने के लिए पुलिसकर्मी रविवार को अचानक उसके घर केक, गुब्बारे एवं अनेक उपहार लेकर पहुंचे। जिले के हाईवे थाना क्षेत्र की बालाजीपुरम कॉलोनी निवासी शहीद जवान के परिवार और पड़ोसियों ने पुलिसकर्मियों को जब कार एवं मोटरसाइकिल से एवं पैदल आते देखा, तो शुरुआत में उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन जब पुलिस कर्मियों ने द्रोण के लिए केक, गुब्बारे और उपहार दिए, तो सभी पुलिस के इस प्रयास से अभिभूत हो गए।

शहीद जवान के परिजन समेत मोहल्ला वासियों ने भी पुलिस का आभार जताया। शहीद के भाई सतीश सिंह ने कहा कि वह पूरे पुलिस विभाग के प्रति आभार प्रकट करते हैं। गौरतलब है कि जाट रेजिमेंट की 18वीं बटालियन की अल्फा कंपनी के बबलू सिंह 30 जुलाई, 2016 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के नौगांव सेक्टर में सीमा पर दुश्मन से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। उनके शौर्य एवं वीरता को देखते हुए उन्हें भारत सरकार ने मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया था।

उत्तर प्रदेश में चार आइपीएस अफसरों का तबादला, अपर्णा गौतम बनीं पुलिस उपायुक्त लखनऊ

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार सुबह चार आइपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। शासन के गृह विभाग ने सुबह चार आइपीएस अधिकारियों के तबादला की सूची जारी की है। इन चार तबादलों में किसी भी जिले का एसपी या एसएसपी नहीं बदला गया है।

गृह विभाग ने जो सूची जारी है उसके अनुसार रुचिता चौधरी को लखनऊ में पुलिस अधीक्षक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के पद पर तैनात किया गया है। इससे पहले रुचिता चौधरी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात थीं। रुचिता चौधरी के स्थान पर अपर्णा गौतम को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। अपर्णा गौतम इससे पहले पुलिस महानिदेशक कार्यालय में एसपी मुख्यालय के पद पर तैनात थीं।

मोहम्मद नेजाम हसन को अपर्णा गौतम के स्थान पर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक कार्यालय के पद पर तैनाती मिली है। मोहम्मद नेजाम हसन लखनऊ में पुलिस अधीक्षक/उप निदेशक के पद पर तैनात थे। आइपीएस अधिकारी अष्टभुजा प्रसाद सिंह को पुलिस अधीक्षक/ उप निदेशक यातायात लखनऊ के पद पर तैनात किया गया है। वह इससे पहले पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, पुलिस महानिदेशक कार्यालय में तैनात थे।

अत्याचार, अधर्म के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए साहिबजादा दिवस सदैव प्रेरणा देता रहेगा : योगी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्य।मंत्री योगी आदित्य नाथ ने सोमवार को लखनऊ में साहिबजादा दिवस में हिस्सा लिया और गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका। योगी ने गुरु गोविंद सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि अत्याचार और अधर्म के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए साहिबजादा दिवस सदैव प्रेरणा देता रहेगा। सोमवार को मुख्यमंत्री के पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास में गुरु गोविंद सिंह के चार पुत्रों एवं माता गुजरी की शहादत को समर्पित साहिबजादा दिवस का आयोजन किया गया।

सिख समाज के धर्म गुरुओं के साथ मुख्य मंत्री योगी आदित्यानाथ इस आयोजन में शामिल हुए। राज्य के मंत्री बलदेव सिंह औलख ने मुख्येमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि योगी जी से पहले किसी मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास में कभी कीर्तन और लंगर का आयोजन नहीं किया। इससे पहले योगी ने गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेका। योगी ने सोमवार को ट्वीट किया, देश, धर्म और मानवता के लिए बलिदान देने वाले साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों एवं माता गुजरी जी के बलिदान को समर्पित साहिबजादा दिवस पर उन्हें कोटिशः नमन।

अत्याचार और अधर्म के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए साहिबजादा दिवस सदैव प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्याक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश सिंह समेत कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

व्यक्तिगत हमले भाजपा की हताशा को दर्शाते हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के शीर्ष नेताओं का व्यक्तिगत हमले करना उनकी संकीर्ण मानसिकता और हताशा को दर्शाता है। वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई भी अब राम मंदिर निर्माण को नहीं रोक पाएगा।

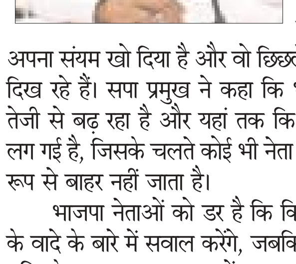

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टिप्पणी की थी, बबुआ महामारी में लोगों की मदद करने के बजाय अपने स्मार्टफोन के साथ खेल रहे थे। अखिलेश ने कहा, भाजपा के पास अपनी उपलब्धि दिखाने के लिए कुछ भी नहीं बचा है और इसलिए उसने निराधार व्यक्तिगत हमले किए हैं। उन्होंने कहा, भाजपा के बड़े नेताओं ने अपना संयम खो दिया है और वो छिछले बयानों से अपनी संकीर्ण मनसिकता दिख रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा के खिलाफ लोगों में आक्रोश तेजी से बढ़ रहा है और यहां तक कि सत्ताधारी पार्टी को भी इसकी भनक लग गई है, जिसके चलते कोई भी नेता बिना सरकारी तामझाम के सार्वजनिक रूप से बाहर नहीं जाता है।

भाजपा नेताओं को डर है कि किसान उनसे अपनी आय दोगुनी करने के वादे के बारे में सवाल करेंगे, जबकि महंगे उर्वरकों, डीजल की कीमतों में वृद्धि के कारण यह वास्तव में आधा हो गया है। उन्हें डर है कि युवा उनसे नौकरियों के बारे में सवाल करेंगे। भाजपा सरकार पर राज्य की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए, सपा अध्यक्ष ने कहा कि भगवा पार्टी को केंद्र की सरकार द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करनी चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा ने अब तक केवल खोखले वादे और बयानबाजी की है और इन वादों को पूरा करने के लिए कुछ नहीं किया है।

सीएम आवास में गूंजी गुरुबाणी, योगी आदित्यनाथ बोले- सिख परंपरा भारत की भक्ति तथा शक्ति का अद्भुत संगम

लखनऊ (एजेंसी)

साहिबजादा दिवस पर सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर गुरबाणी गूंजी। साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज जी के चार साहिबजादों एवं माता गुजरी जी की शहादत को समर्पित साहिबजादा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुबाणी कीर्तन में सम्मिलित हुए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इससे पहले अपने सरकारी आवास पर श्री गुरु ग्रंथ साहब की अगवानी की। इससे पहले भी सीएम के आवास पर श्री गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सीएम के सरकारी आवास पर आज के कार्यक्रम में डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह तथा लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया भी मौजूद थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे इस मुख्यमंत्री आवास पर श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर निकली कीर्तन यात्रा का पाठ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे लिए सौभाग्य का अवसर है कि देश व धर्म के लिए अपना बलिदान देने वाले गुरु गोबिंद सिंह महाराज के उन चार साहिबजादों की शहादत में आज साहिबजादा दिवस पर हम लोग मुख्यमंत्री आवास में गुरुबाणी कीर्तन करके यहां उनकी स्मृति को नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख परंपरा भारत की भक्ति व शक्ति का एक अद्भुत संगम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और दुनिया में सिख कौम अपनी पुरुषार्थ के लिए जाना जाता है, लेकिन भारत को गुलाम बनाने की मंशा और भारत को इस्लाम में बदलने की मंशा से जो आए थे, आज उनका नाम और निशान मिट गया है। भारत की गुरू परंपरा सामान्य परंपरा नहीं एक दिव्य परंपरा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश का इतिहास है कि एक तरफ औरंगजेब बाबा काशी विश्वनाथ का मंदिर तोड़ता है तो दूसरी

तरफ राजा रणजीत सिंह ने विश्वनाथ मंदिर को स्वर्ण मंडित किया। हमें सोचना है कि हमें औरंगजेब का सम्मान करना है या राजा रणजीत सिंह जी का। कौन नहीं जानता कि जब आक्रांता औरंगजेब के सिपहसालार ने गुरु गोविंद सिंह जी के साहेबजादों को लालच देने का प्रयास किया था। साहेबजादों ने दीवार में चुनना पसंद किया और धर्म व देश की रक्षा के लिए बलिदान होना स्वीकार किया। जब बाबर के हमले भारत में हो रहे थे, आताताइयों ने पूरे धर्म को इस्लाम में बदलने और भारत को गुलाम बनाने की उनकी मंशा को सिख गुरुओं ने पूरा नहीं होने दिया। उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने इस अवसर पर मेरा पहला चुनाव था और मैं बहुत हताश और परेशान था। मैंने चुनाव में पैसा नहीं खर्च नहीं किया था और विपक्ष करोड़ों रुपये खर्च कर रहा था। चुनाव से पहले मैं गुरुद्वारे पहुंचा और माथा टेका, जिससे मुझे नई ऊर्जा मिली और चुनाव भी जीता। योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य में सबका साथ सबका विकास के संकल्प और भाव के साथ ही धार्मिक सद्भाव की ओर भी लगातार कदम बढ़ा रही है। इसी के तहत सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में साहिबजादा दिवस मनाया गया। साहेबजादा दिवस मनाने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य बन गया है। इस मौके पर सीएम आवास पर गुरबानी भी गूंजी। मुख्यमंत्री आवास पर होने वाले गुरबानी कीर्तन में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ उनकी सरकार के अन्य मंत्री और गणमान्यजन शामिल थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को सत्ता के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का स्पष्ट संदेश दिया। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास में अल्पसंख्यक सिख समुदाय की आस्था के पर्व और दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस गुरु गोविंद सिंह जी के चार पुत्रों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत की याद में मनाया जाता है। साहिबजादा दिवस की तरह ही इससे पहले गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशोत्सव पर मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवाणी कीर्तन व लंगर का आयोजन किया गया था। तब सिख समुदाय के 200 से 250 लोगों ने लंगर व प्रसाद ग्रहण किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर बीते वर्ष भी मुख्यमंत्री आवास पर साहिबजादा दिवस का आयोजन हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख समुदाय के इस आयोजन की शुरुआत कर सिख समुदाय को सम्मान दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जय शंकर गुरुद्वारा गोरखपुर को एक करोड़ रुपए, गुरुद्वारा मोहदीपुर को एक करोड़ 94 लाख, गुरुद्वारा चरण पादुका साहिब निजामाबाद (आजमगढ़) को 49 लाख 22 हजार करोड़ रुपए की धनराशि दी है। इसके अतिरिक्त सरकार ने लखनऊ में श्री गोविंद सिंह द्वार, गुरू तेज बहादुर, गुरु नानक देव तिराहा का निर्माण कराया।

विश्वविद्यालय संकट में है, चाहिए आपका हाथ, आइए हमारे साथ- अब जनसंपर्क पर उतरे प्रो. कमलेश

पहले से घोषित कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने टाउनहाल, नगर निगम, जिला अस्पताल, घोष कंपनी चौक पर जनसंपर्क किया।

उन्होंने लोगों को पहले अपना परिचय दिया और कहा कि विश्वविद्यालय इन दिनों संकट के दौर से गुजर रहा है। ऐसा विवि के कुलपति के मनमाना रवैये की वजह से हो रहा है। इसके विरोध में वह सत्याग्रह कर रहे हैं।

गोरखपुर (एजेंसी)

कुलपति के खिलाफ आंदोलन छेड़ने वाले दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के निलंबित आचार्य प्रो. कमलेश गुप्त ने अपने सत्याग्रह के पक्ष में जन समर्थन जुटाया। पहले से घोषित कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने टाउनहाल, नगर निगम, जिला अस्पताल, घोष कंपनी चौक पर जनसंपर्क किया।

इस दौरान उन्होंने लोगों को पहले अपना परिचय दिया और कहा कि विश्वविद्यालय इन दिनों संकट के दौर से गुजर रहा है। ऐसा विवि के कुलपति के मनमाना रवैये की वजह से हो रहा है। इसके विरोध में वह सत्याग्रह कर रहे हैं। इस सत्याग्रह में उन्हें जनता का हाथ चाहिए, उनका साथ

चाहिए। प्रो. कमलेश ने जनसंपर्क की शुरुआत टाउनहाल तिराहे पर मौजूद गांधी प्रतिमा के चरणों में प्रणाम अर्पित करके की। उनका साथ देने के लिए प्रो. अजेय गुप्त और प्रो.चंद्रभूषण अंकुर भी मौजूद थे। प्रो. कमलेश व प्रो. अजेय सड़क पर चलते लोगों को रोक रहे थे और उन्हें विश्वविद्यालय की समस्या से अवगत कराते हुए अपने सत्याग्रह की जानकारी दे रहे थे।

जो लोग उनकी बात सुनने में रुचि दिखा रहे थे, उन्हें वह पूरा प्रकरण बता रहे थे। वह लोगों को बता रहे थे कि कुलपति जिस मिड टर्म एवं एंड टर्म परीक्षा की बात कर रहे हैं, वह पाठ्यक्रम समिति, संकाय परिषद और विद्या परिषद से प्रस्तावित, स्वीकृत और संस्तुत नहीं है। अभी कुछ दिन पहले ही स्नातक और परास्नातक की पढ़ाई शुरू हुई है और कुलपति परीक्षा कराने की बात कह रहे हैं। दरअसल यह कुलपति द्वारा थोपी हुई व्यवस्था है। जनसंपर्क के बाद प्रो. कमलेश ने बताया कि जबतक विश्वविद्यालय में शीतकालीन अवकाश है, वह अलग-अलग स्थानों पर अपने सत्याग्रह के समर्थन में जनसंपर्क करते रहेंगे। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों और मित्रों से अपील की कि वह जहां भी हों, अपने आसपास के लोगों को विश्वविद्यालय की समस्या बताते रहें। इसके लिए वह इंटरनेट मीडिया का भी इस्तेमाल करें।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को प्रधानाचार्यों ने दूसरे टर्म की परीक्षा से पहले प्रायोगिक परीक्षा पूरी कराने की राय दी है, ताकि समय से परिणाम घोषित हो सके। गोरखपुर सहोदय स्कूल एसोसिएशन की बैठक में सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने बोर्ड को सुझाव देते हुए कहा है कि पहले टर्म के 25 प्रतिशत व शेष का मूल्यांकन 75 प्रतिशत के आधार पर करके ही परिणाम घोषित किया जाए। जरूरत पड़ने पर प्रथम टर्म के पाठ्यक्रम के कुछ अंश से प्रश्न दूसरे टर्म की परीक्षा में भी पूछे जाएं। इससे विद्यार्थी अच्छे अंक हासिल कर सकेंगे। जिला समन्वयक अजीत दीक्षित ने बताया कि बैठक में प्रधानाचार्यों से मिले फीडबैक को बोर्ड को भेजा जाएगा। यह बैठक बोर्ड के निर्देश पर आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बैठक में जिले के 27 स्कूलों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

प्रयागराज में पशु तस्करों का पुलिस टीम पर हमला, एसआइ जख्मी, गोकशी की सूचना पर गई थी पुलिस

प्रयागराज (एजेंसी)

प्रयागराज में पशु तस्करों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब वाहन पर पशु लाद रहे तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस गई थी। इस दौरान पशु तस्करों ने पुलिस टीम से हाथापाई की। पशु तस्करों ने मारपीट भी की, जिसमें एक एसआइ जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला गंगापार के सरायइनायत थाना क्षेत्र का है।

पुलिस टीम ने एक वाहन व उसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अंधेरे का लाभ उठाकर पशु तस्कर फरार हो गए। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सोनी गांव में रविवार की रात पुलिस को पशु तस्करी की सूचना मिली। इस पर पुलिस की टीम ने सोनी गांव पहुंचकर छापेमारी की। वहां कुछ लोग पिकअप वाहन में पशुओं को लाद रहे थे। अचानक पुलिस को देख पशु तस्करों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पुलिस टीम में शामिल हनुमानगंज के चौकी प्रभारी धीरेंद्र सिंह से पशु तस्करों ने हाथापाई की। इसी दौरान किसी ने उनके ऊपर डंडे से प्रहार कर दिया। इससे चौकी प्रभारी जख्मी हो गए। अचानक हमले से पुलिस टीम अवाक रह गई। हालांकि फौरन ही

पशु तस्करों को पकड़ने का प्रयास किया। वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचते हुए पशु तस्कर फरार हो गए। मौके पर मौजूद पिकअप वाहन और उसके मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उधर घायल चौकी प्रभारी को शहर के एक निजी स्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में सरायइनायत के थानाध्यक्ष सुशील कुमार दुबे ने बताया कि रविवार की रात में गो तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम सोनी गांव पहुंची थी।

साइकिल से चलने वाले के पास आया 1.51 लाख रुपये रोड टैक्स अदा करने का नोटिस

औरैया (एजेंसी)

कार चालक को हेलमेट का चालान, बाइक सवार को बिना सीट बेल्ट का चालान के कई मामले अबतक सामने आ चुके हैं, लेकिन औरैया जनपद में ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी को हैरत में डाल दिया है। यहां पर एक साइकिल से चलने वाले युवक के पास आरटीओ ने रोड टैक्स का 1.51 लाख रुपये अदा करने का नोटिस भेज दिया है। यह तब है कि नोटिस रिसीव करने वाले के पिता चौकीदार हैं और वह साइकिल से ही चलता है। इस नोटिस के बारे में पता चलने के बाद लोग भी चौंक रहे हैं। दिबियापुर थानाक्षेत्र के सेहुद गांव निवासी सुधीर के पिता सुरेश चंद्र एक धर्मशाले में चौकीदारी करते हैं। वह परिवार के साथ एक साधारण घर में रहता है और माता-पिता के आश्रित है। वह और उसके पिता साइकिल से चलते हैं, उसके घर में न तो किसी के पास कार है और न ही बाइक। सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) ने उसे 1,51,140 रुपये रोड टैक्स अदायगी का नोटिस भेज दिया है। इससे पीड़ित के स्वजन में खलबली मच गई है और जानकारी के बाद लोग भी आश्चर्य जता रहे हैं। नोटिस में जून 2014 से सितंबर 2021 तक का मोटर व्हीकल टैक्स अदा करने की बात कही गई है। एआरटीओ औरैया की ओर से 16 सितंबर को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जारी किया गया नोटिस दो दिन पहले डाक के जरिए सुरेश चंद्र को मिला। अंग्रेजी से अनभिज्ञ सुरेश ने जब पड़ोसियों से नोटिस पढ़वाया तो कार का टैक्स जमा न करने को लेकर उनके 16 वर्षीय बेटे सुधीर पर जुर्माना लगने की बात पता चली। इससे हर कोई दंग रह गया। सुरेश ने बताया कि उनके पास सिर्फ साइकिल है, बेटे के पास वो भी नहीं।

फर्रुखाबाद में कासगंज से आ रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, चलती ट्रेन से कूदे यात्री

फर्रुखाबाद (एजेंसी)

कासगंज से फर्रुखाबाद आ रही पैसेंजर ट्रेन में देर रात आग लगने से खलबली मच गई। पैसेंजर ट्रेन में इंजन के बाद की तीसरी बोगी में आग लगने से घबराए कुछ यात्री चलती ट्रेन से कूदने लगे। ट्रेन की दो बोगियों में धुंआ भरने के कारण आग की जानकारी हुई।

फर्रुखाबाद में फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान कोई भी यात्री चोटिल नहीं हुआ। कासगंज से रविवार देर रात करीब तीन बजे फर्रुखाबाद आ रही पैसेंजर ट्रेन में फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन से चार किलोमीटर पहले हथियापुर गांव के पास कासगंज-फर्रुखाबाद पैसेंजर ट्रेन में आग लग गई। यात्रियों के शोर मचाने पर लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाकर गांव के पास क्रासिंग से पहले ही ट्रेन रोकी। आग आगे न बढ़े इसके लिए लोको पायलट ने ग्रामीणों और यात्रियों की मदद से

लपटों से घिरी बोगी को अलग कराया और कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद दमकल की दो गाडियों ने पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। एसपी अशोक कुमार मीणा के मुताबिक कोई हताहत नहीं हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दूसरी बोगियों से कुछ यात्री कूदे थे। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। कासगंज से फर्रुखाबाद के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन 05389 रात में 09:15 बजे चलती है और 11:40 बजे फर्रुखाबाद पहुंचती है। ट्रेन में सवार यात्री सुशील कुमार ने बताया कि ट्रेन काफी देरी से चल रही थी। शमसाबाद से निकलने के बाद ट्रेन की बोगियों में धुआं आना शुरू हो गया था। पहले तो कुछ समझ में न आने से नजरंदाज करते रहे। जब सांस लेने में परेशानी होने लगी तो खिड़की और दरवाजे खोलकर देखा। इंजन के पीछे तीसरी बोगी से आग की लपटें निकल रही थीं। इस पर सवारियों ने शोर मचाना शुरू किया। इधर बर्निंग ट्रेन बनकर ट्रैक पर दौड़ रही ट्रेन देख लिए ग्रामीण भी निकल आए। लोको पायलट ने भीड़ दौड़ती देखकर गाड़ी रोकी तो उन्हें आग की लपटें नजर आई। जिस पर उन्होंने ट्रेन रोकने के बाद ग्रामीणों की मदद से फर्रुखाबाद की ओर इंजन और दो बोगियों को काटा गया। वहीं पीछे की नौ बोगियों को भी काट कर अलग किया गया। जिस पर ट्रेन में सवार यात्री जान बचाने के लिए खड्डु में कूदने लगे। लोको पायलट की सूचना पर मऊ दरवाजा थाना का फोर्स, आरपीएफ इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार, जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, एसपी फर्रुखाबाद अशोक कुमार मीणा घटनास्थल पहुंचे। दमकल की दो गाड़ियों ने पहुंचकर आग बुझाई। एसपी ने बताया कि फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है।

अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने दिया भाजपा की परेशानी बढ़ाने वाला बयान

नोएडा (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में खासकर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी गठबंधन पर जोर द रहे हैं। इस बीच भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने भाजपा की चिंता बढ़ाने वाला बयान दिया है।

नोएडा सेक्टर-24 स्थित फुटवेयर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इस्टीट्यूट में दीक्षांत में शामिल होने के बाद सोमवार सुबह दैनिक जागरण के पत्रकार से विशेष बातचीत में अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के साथ हमारी खींचतान चल रही है। इसके साथ ही उन्होंने इशारों में यह भी संकेत दिया है कि भाजपा के साथ हमारी सीटों को खींचतान है और उसके बाद ही गठबंधन का भविष्य तय होगा। पिछले दिनों अनुप्रिया पटेल ने यह भी कहा था कि भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे पर वह अभी कोई संख्या नहीं बता सकतीं, लेकिन दोनों दल एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं और बातचीत जारी है।

अनुराधा काफी समय से कुर्मी ओबीसी जाति से आने वालीं पटेल जाति आधारित जनगणना की पक्षधर रही हैं। यहां पर बता दें कि पिछले दिनों अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने यूपी में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए और राजनीतिक

प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए कहा था कि राजनीतिक इतिहास साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में जिस पार्टी या गठबंधन को ओबीसी का समर्थन मिलता है, वही सत्ता में आता है। बता दें कि बातचीत में अनुप्रिया पटेल भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ भी कर चुकी हैं।

उन्होंने कहा है कि अमित शाह ने जिस जातिगत समीकरण को आकार दिया, उसने एनडीए को एक के बाद एक तीन चुनावों में भारी जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी ने सभी जातियों खासतौर से ओबीसी को उचित स्थान देकर जातियों का एक गुलदस्ता बनाकर उत्तर प्रदेश में बहुत खूबसूरती से काम किया। पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के बीच एनडीए की अच्छी स्थिति है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएंगे। बता दें कि अपना दल (एस) पिछले कई सालों से भाजपा का अहम सहयोगी रहा है। अपना दल (एस) ने 2017 के विधानसभा चुनाव में 9 सीट जीती थीं। मिर्जापुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल आगामी विधानसभा चुनाव में पिछड़े समुदाय का समर्थन हासिल करने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को लेकर हमेशा संवेदनशील रहे हैं तथा यह तब दिखाई दिया जब उन्होंने नीट परीक्षा की अखिल भारतीय श्रेणी में ओबीसी कोटा दिया।

एक नज़र

पंचायत प्रतिनिधि के हत्यारों पर सीसीए एक्ट लगेगा : सम्राट चौधरी

स्पीडी ट्रायल कराने एवं पांच लाख का चेक पीड़ित परिवार को किया सुपुर्द पंचायती राज मंत्री

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। रामपुर फरीदपुर पंचायत के नवनिर्वाचित मुखिया नीरज कुमार और वार्ड सदस्य संजय वर्मा की हत्या अपराधियों द्वारा किए जाने के उपरांत आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बिहार के पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने भाग लिया एवं उनके तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसी क्रम में वे पीड़ित परिवार के सदस्यों से मिले और उनके निधन से हुई असहनीय पीड़ा सहन करने की शक्ति इन्हें ईश्वर दे, इस हेतु ईश्वर से प्रार्थना किए। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, हुलास मांझी, संतोष मेहता, रजनीश कुमार सिन्हा, संजय कुशवाहा, हरिओम कुशवाहा, कुमार राघवेंद्र उर्फ पिंटू, नंदकिशोर कुशवाहा, उमेश प्रसाद सिंह आदि उपस्थित थे।

वहीं, अपराधियों द्वारा मारे गए त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के पीड़ित परिवार को पांच-पांच लाख रुपया सांत्वना के तौर पर देने की घोषणा की। मृतक नीरज कुमार की विधवा रूपा कुमारी जी को 5,00,000 एवं वार्ड सदस्य संजय वर्मा लोदीपुर के परिवार को भी 5,00,000 का चेक प्रदान किया। पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों की हो रही हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि पंचायती राज विभाग ने इस सम्बन्ध में सख्त कार्रवाई करने के लिए डीजी को पत्र प्रेषित किया है, जिसमें पुलिस प्रशासन द्वारा 13 बिंदुओं पर अपनी सहमति प्रदान की गई है। इसमें मुख्य रुप से जो भी हत्यारे होंगे, उन पर सीसीए एक्ट लगाया जाएगा और 3 महीना के अंदर चार्ज सीट दाखिल किया जाएगा और स्पीडी ट्रायल कराकर 6 माह के अंदर उसको सजा दिलाई जाएगी।

गला रेतकर कर दी गई किशोर की हत्या, पुलिस ने आरोपित नाबालिग को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र में एक किशोर की गला रेतकर हत्या कर दी गई। किशोर की पहचान कन्हैया उर्फ लक्की (17) के रूप में हुई है। पुलिस को पता चला है कि कन्हैया नशे का लती था और अंतिम बार एक नाबालिग के साथ देखा गया था। पुलिस ने आरोपित नाबालिग को दबोच लिया है। पूछताछ में पता चला है कि वारदात से पहले दोनों में लड़ाई हुई थी। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त ईशा पांडेय ने बताया कि कन्हैया उर्फ लक्की अपने परिवार के साथ जेजे कालोनी मदनपुर खादर में रहते थे।

परिवार में माता-पिता और भाई हैं। रविवार सुबह पुलिस को जानकारी मिली थी कि डीडीए के खाली दफ्तर में कूड़े के ढेर में एक शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच में पाया कि किशोर का गला रेता गया है। मौके पर पुलिस को कन्हैया के भाई दिनेश कुमार मिले जिन्होंने उसकी पहचान की थी। मौके से पुलिस को चाकू भी मिला है। दिनेश के बयान पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि कन्हैया आखिरी बार एक किशोर के साथ देखा गया था। वह भी नशे का लती है।

पुलिस आरोपित किशोर के घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। हालांकि, थोड़ी देर बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मृतक के कपड़े और अन्य सामान जसोला के जंगल से बरामद कर लिया। आरोपित दसवीं तक पढ़ा है। उसके पिता मजदूरी करते हैं, जबकि मां एक निजी स्कूल में सफाई का काम करती है।

दिल्ली में बीते एक सप्ताह में डेंगू के 131 नए मरीजों की पुष्टि, छह की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी) राजधानी में डेंगू के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इस साल डेंगू से अब तक कुल 23 लोगों की मौत हो चुकी है। जो सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 6 साल में सबसे ज्यादा है। साल 2021 में राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के कुल 9,545 मामले दर्ज किए गए। बीते एक सप्ताह में ही छह लोगों की मृत्यु डेंगू से हो चुकी है। दिल्ली नगर निगम डेंगू के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए काम कर रही है।

उधर दिल्ली सरकार ने भी सभी निगमों को ये निर्देश दे रखे हैं कि वो डेंगू के मामलों पर रोक लगाने के लिए हर कदम उठाएं। इन दिनों कोरोना और ओमिक्रोन के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सरकार ने इस पर रोक के लिए अब रात्रिकालीन कर्फ्यू भी लागू कर दिया है। जिससे रोक के लिए कुछ कदम उठा सके। बीते एक सप्ताह में डेंगू के सर्वाधिक मरीज उत्तरी निगम क्षेत्र से आए हैं। इसमें 72 नए मरीजों की पुष्टि हुई है।

इसके बाद दक्षिणी निगम क्षेत्र में 71 तो पूर्वी नगर निगम क्षेत्र से 42 मरीजों की पुष्टि हुई है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) इलाके से एक, दिल्ली कैंट इलाके से चार तो रेलवे इलाके से दो मरीज सामने आए हैं। वहीं, 93 मरीज ऐसे हैं जिनके पते की पुष्टि नहीं हुई। राजधानी में डेंगू के बढ़ते मामलों के पीछे एक बड़ा कारण लोगों की लापरवाही भी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लोग घर में पौधों और ऐसे स्थानों का पानी नहीं बदल रहे हैं जो कि पांच से छह दिन अधिक हो गया है। ठंड होने पर अक्सर मच्छरों की उत्पत्ति कम हो जाती है।

वातावरण में तापमान तो कम हो रहा है, लेकिन घरों में उपयोग होने वाले हीटर से मच्छरों की उत्पत्ति के अनुकुल माहौल मिल रहा है। ऐसे में सजगता की जरुरत हैं और ऐसे स्थानों की पहचान करने की आवश्यकता है जहां पर पानी चार दिनों से अधिक बिना ढके रखा हो।

ओमिक्रान के मामलों ने बढ़ाई चिंता, क्या दिल्ली में बंद हो सकते हैं स्कूल-कालेज? भाजपा ने उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) ओमिक्रोन के साथ डेल्टा वैरिएंट के बढ़ते मामलों के चलते दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार पूरी तरह से अलर्ट हो गई है। इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार ने सोमवार रात से दिल्ली में नाइट कर्फ्यू लगाने का ऐलान कर दिया है। इसके मुताबिक, नाइट कर्फ्यू सोमवार रात 11 बजे से शुरू होगा और सुबह 5 बजे तक जारी रहेगी। इस दौरान अनावश्यक लोगों को घरों से बाहर निकलने की छूट नहीं होगी, लेकिन जरूरी सेवाएं नाइट कर्फ्यू के दौरान जारी रहेंगीं।

इस बीच कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने शिक्षण संस्थानों को बंद करने की मांग की है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि बीते एक सप्ताह में ओमिक्रोन के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए मेरी दिल्ली सरकार से मांग है कि वह शिक्षण संस्थानों को बंद करे। साथ ही राजधानी को कोरोना से बचाने के लिए रोडमैप बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। गौरतलब है कि ओमिक्रोन के नए वैरिएंट के खतरे के चलते दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहले ही राज्य में कई तरह के प्रतिबंध लगा चुका है। नए साल के जश्न के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रमों और पार्टी समारोहों पर रोक लगाई जा चुकी है।

ऐसे में स्कूलों और कालेजों को बंद करने का ऐलान करने की भी संभावना बन रही है। बता दें कि वायु प्रदूषण की स्थिति दिल्ली-एनसीआर में फिलहाल खतरनाक जोन में है, ऊपर से कोरोना के मामलों में तेज वृद्धि हो रही है। ऐसे में दिल्ली सरकार दोनों ही समस्याओं को देखते हुए स्कूलों और कालेजों को अगले आदेश तक बंद करना का ऐलान जल्द ही कर सकती है।

केजरीवाल सरकार पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज में करा रही है पालतू पशुओं के लिए पशु चिकित्सालय का पुनर्निर्माण

पशु चिकित्सालय का यह भवन होगा चार मंजिला; मुहल्ला क्लिनिक, ओपीडी,लैब और सर्जिकल रुम के अलावा इस चिकित्सालय की उपरी मंजिल पर होगी लाइब्रेरी और हॉल

पशु चिकित्सालय से पटपड़गंज विधानसभा के साथ लक्ष्मी नगर, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी और कोंडली को लोगों को अपने पालतू पशुओं को उचित चिकित्सा दिलाने में मिलेगी सहायता : मनीष सिसोदिया

चिकित्सालय की उपरी मंजिल में बन रहे लाइब्रेरी से स्थानीय छात्रों को मिलेगी पढ़ाई के लिए सूकून भरी जगह, हॉल में आस पास के बुजुर्ग बैठकर कर सकेंगे आपस में चर्चा : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज में पालतू पशुओं के लिए पशु चिकित्सालय का पुनर्निर्माण करा रही है। पशु चिकित्सालय का यह भवन चार मंजिला होगा। इस भवन में मुहल्ला क्लिनिक, ओपीडी, लैब और सर्जिकल रुम के अलावा इस चिकित्सालय की उपरी मंजिल पर लाइब्रेरी और एक हॉल बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को इस पशु चिकित्सालय का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस पशु चिकिसालय से पटपड़गंज विधानसभा के साथ लक्ष्मी नगर, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी और कोंडली को लोगों को अपने पालतू पशुओं को उचित चिकित्सा दिलाने में सहायता मिलेगी।

साथ ही इस भवन की उपरी मंजिल में बन रहे लाइब्रेरी से स्थानीय छात्रों को सूकून से पढने के लिए जगह भी मिलेगी। यह एक चार मंजिला सेमी परमानेंट भवन होगा। जिसमें प्रथम तल पर चिकित्सक का कमरा, सर्जिकल रूम, ओपीडी एवं बड़े एवं छोटे पशुओं की चिकित्सा के लिए स्थान होगा। दूसरे तल पर भी चिकित्सक के लिए एक कमरा, लैब एवं स्टाफ के लिए कमरा होगा। तीसरे तल पर अस्पताल के स्टाफ के लिए दो फ्लैट का प्रावधान है एवं चौथे तल पर एक लाइब्रेरी एवं हॉल होगा।

इस भवन के पुनर्निर्माण के बाद पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्र जैसे कि लक्ष्मी नगर, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली आदि की आम जनता को अपने पालतू पशुओं को उचित चिकित्सा दिलाने में बहुत सहायता होगी। साथ ही लाइब्रेरी एवं हॉल की उपलब्धता से भी स्थान निवासियो के लाभ होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के पास जगह की कमी है इसलिए सरकार छोटी जगहों का भी अधिकतम उपयोग करती है। चिकित्सालय के इस भवन में मुहल्ला क्लिनिक भी बनेगा।

मुहल्ला क्लिनिक से आस पास के लोगों को छोटी मोटी बिमारियों के लिए अस्पताल जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी. साथ ही 212 तरह की जांच भी मुफ्त हो सकेगी। साथ ही लाइब्रेरी के बनने से आस पास के छात्रों को एक ऐसी जगह मिल सकेगी जहां वे सुकून से बैठ कर पढ़ाई कर सकें।

इस भवन के उपरी मंजिल में हॉल के बनने से आस पास के बुजुर्ग को बैठने की एक शानदार जगह मिल जाएगी जहां वे बैठकर आपस में चर्चा परिचर्चा कर पाएंगे। इस भवन की कुल स्वीकृत राशि रु 2 करोड़ है और यह भवन अगले सात माह में बन कर तैयार हो जाएगा।

दिल्ली में खेलों के महाकुंभ में दिखा युवाओं का उत्साह

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। लक्ष्मी नगर में युवाओं के लिए यंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें खिलाड़ियों के लिए एथलेटिक्स, योगा, कबड्डी, वॉलीबॉल जैसे खेल को शामिल किया गया। दिल्ली के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा,

राजस्थान और आस-पास के राज्यों के खिलाड़ियों ने शिरकत की। दिल्ली से दिव्यांश ने एथलेटिक्स में दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा गाज़ियाबाद की कबड्डी महिला और पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। वॉलीबाल में हरियाणा यमुनानगर की टीम ने स्वर्ण पदक जीता। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे स्थानीय विधायक अभय वर्मा और एथलीट अर्जुन अवार्डी संदीप सिंह मान, विपिन कसाना, नवीन गुप्ता ने खिलाड़ियों को पदक व प्रमाणपत्र देते हुए सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के तौर पर हरिदत्त शर्मा, नितिन त्यागी, सुरेंद्र कुमार, अनिता पीपली, विनोद निगम, जानवी, कुश, सुरेन्द सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में फाइट अगेंस्ट करप्शन, गूंज वेलफेयर सोसाइटी ने अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के उपाध्यक्ष वंदना साहू व सचिव गजेंद्र सिंह ने किया। गजेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना काल के बाद यह दूसरा राष्ट्रीय खेल का आयोजन था, जिसमें तीन सौ से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस खेल के माध्यम से पर्यावरण बचाने व युवाओं की प्रतिभा निखारने का मुख्य उद्देश्य था। वंदना ने कहा कि समय-समय पर ऐसे खेलों का आयोजन संस्था द्वारा किया जाता रहेगा। इस मौके पर संजना रावत, रजत कुमार, मुरारी बेनीवाल, हर्षिता प्रजापति, संगीता, भावना, विक्रम, शैलेन्द्र, दिव्यांशी, आदित्या, आफताब, भारत, एक्लव्य, प्रमोद, मुनीस, विजेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

ऑनलाइन सेवाओं के उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए.....

एनडीएमसी ने आईटी आधारित सिंगल-साइन-ऑन समाधान लागू किया

9 सिंगल साइन ऑन समाधान को नागरिकों और कर्मचारियों के लिए एकल लॉगिन के माध्यम से ही ई-सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उपलब्ध कराया गया

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। कोविड19 महामारी के कठिन समय में, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) अपने नागरिकों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से 49 नागरिक सेवाओं का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान कर रही है।

भारत में शहरीकरण की गति और विकास ने शहरी सुशासन के लिए भारी चुनौतियां पेश की हैं, उसी दिशा में ये प्रयास पालिका परिषद द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से लोगों की सुविधा के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध करा कर सेवाओं को बेहतर ढंग से प्रदान किये जाने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसी क्रम में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपनी नागरिक सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने और नागरिकों,कर्मचारियों पेंशनभोगियों और अन्य लोगों (जब और तब जिन्हें आवश्यक हो) की ऑनलाइन सुरक्षा बढ़ाने के लिए सिंगल साइन ऑन (एसएसओ) समाधान को पहचान पहुंच प्रबंधन के अंतर्गत लागू किया है, जो इंटरनेट और इंट्रानेट के माध्यम से एप्लिकेशन एक्सेस करने में मदद करेगा । स्स्ह एक ऐसी डिजिटल पहचान है, जिसका उपयोग सभी नागरिक सेवाओं से संबंधित ऑनलाइन अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है। इस सिंगल-साइन-ऑन समाधान में 49 नागरिक सेवाओं और 3 परिषद कर्मचारी सेवाओं को पंजीकरण करने के बाद एकल लॉगिन के माध्यम से सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उपलब्ध कराया गया है, इससे नई दिल्ली नगरपालिका परिषद पहली ऐसी नगरपालिका है, जिसने अपने क्षेत्र के नागरिकों के साथ-साथ उनके कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए सिंगल- साइन- ऑन (एसएसओ) सेवाओं को लागू किया है। इससे अब नागरिक और कर्मचारी- यूआरएल https: //www. sso. ndmc. qov.in पर जाकर इसका लाभ उठा सकते हैं। कोविड से उत्पन्न स्थिति में लॉकडाउन अवधि के दौरान पालिका परिषद ने नागरिकों के साथ-साथ अपने कर्मचारियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन सेवाओं की संख्या में वृद्धि करने के ऐसे प्रयास प्रारम्भ किये ,जिससे उनके लिए शारीरिक रूप से परिषद कार्यालयों में आने की आवश्यकता कम से कम हुई या समाप्त हो गई। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने नागरिकों को समान, गैर-विवेकाधीन और पारदर्शी तरीके से नागरिक सेवाएं प्रदान करने में दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार के लिए ई-गवर्नेंस और एम-गवर्नेंस को लागू करने में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से कई आईटी आधारित पहल की हैं, जिससे इनकी पहुंच में सुधार और मजबूती आयी है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अनेक बाधाओं की सीमाओं को पार करते हुए वेबसाइट ही नही अपितु मोबाइल प्लेटफॉर्म पर नागरिकों के साथ उनकी सेवाओं और आदान - प्रदान को अधिक से अधिक मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इसी अनुसरण में पालिका परिषद ने नागरिकों की सुविधा के लिए अपनी वेबसाइट पर 49 ऑनलाइन सेवाएं शुरू की हैं।

साहित्य संगम संस्थान दिल्ली की साहित्यिक संगोष्ठी संपन्न

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। साहित्य संगम संस्थान दिल्ली इकाई की दूसरी ऑफलाइन काव्य गोष्ठी शालीमार बाग दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें दिल्ली और दिल्ली के बाहर से आए साहित्यकारों ने काव्य पाठ कर गोष्ठी में समा बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन आ.सुधा बसोर जी ने बहुत ही सुव्यवस्थित ढंग से किया और शुरुआत संध्या जी द्वारा सरस्वती वंदना से हुई जो कि बहुत ही मधुर एवम भावपूर्ण थी।

दिल्ली इकाई अध्यक्ष कुसुम लता कुसुम जी ने नव वर्ष अभिनंदन गीतिका प्रार्थना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में साहित्य संगम संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.कुमार रोहित रोज, दिल्ली इकाई की अध्यक्षा आ.कुसुम लता कुसुम जी परामर्श दाता डॉ.अशोक कुमार मयंक,आ.प्रदीप कुमार मिश्र अजनबी, आ.दिनेश आनंद, आ.सुधा बसोर, आ.संध्या सेठ, आ.कर्मेश सिन्हा, आ.हंसराज हंस, आ.संदीप ढींगरा, आ.राम निवास इंडिया ने अपनी पावन उपस्थिति से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

संयोगवश कार्यक्रम के संयोजक डॉ.अशोक कुमार मयंक जी का जन्मदिन उत्सव भी आज मनाया गया। देश के वरिष्ठ गीतकार आ. दिनेश आनंद जी ने डॉ साहब को पुष्प गुच्छ भेंट किया। साहित्य संगम संस्थान की ओर से कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.कुमार रोहित रोज ने दुशाला,पेन ,डायरी उपहार स्वरूप देकर उनके स्वस्थ एवम उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी कविगणों ने बहुत ही श्रेष्ठ साहित्य पढ़ा। बाल कवयित्री सुहानी ने प्रथम बार ही उत्कृष्ट काव्य पाठ से अमिट छाप छोड़ी।

अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन और काव्य पाठ ने गोष्ठी को अंतिम रूप दिया तत्पश्चात इकाई अध्यक्ष कुसुम लता कुसुम ने धन्यवाद ज्ञापन किया और गोष्ठी का विधिवत समापन किया।

बच्चों के टीकाकरण के फैसले पर एम्स के डा. संजय राय ने ट्वीट कर जताई निराशा

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के नामी डाक्टर संजय राय ने बच्चों के टीकाकरण के फैसले पर नाखुशी जताई है। एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा. संजय राय ने ट्वीट कर बच्चों के टीकाकरण के फैसले पर निराशा जताई है और इसे अवैज्ञानिक फैसला बताया है। उन्होंने अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को भी टैग किया है। गौरतलब है कि एम्स के डा. संजय राय कोवैक्सीन के ट्रायल में भी शामिल रहे हैं।

एम्स में उनके नेतृत्व में ही 18 साल से अधिक उम्र के लोगों और फिर दो से 18 साल की उम्र के बच्चों पर इस टीके का ट्रायल हुआ। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा है कि वह सही समय पर उचित फैसला लेने व राष्ट्र के निस्वार्थ सेवा के लिए प्रधानमंत्री के बड़े समर्थक हैं, लेकिन बच्चों का टीकाकरण शुरू करने के अवैज्ञानिक फैसले पर

बहुत निराश हैं। उन्होंने तर्क दिया है कि एक बार संक्रमित हो चुका व्यक्ति कोरोना से अभी सबसे ज्यादा सुरक्षित है।

साक्ष्य यह बताते हैं कि प्राकृतिक संक्रमण दो डोज टीके की तुलना में 1300 प्रतिशत अधिक बचाव करता है।

अर्जुन अवॉर्ड पुरस्कृत राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी दिनेश कुमार और कांग्रेस से लताफल अली आम आदमी पार्टी में शामिल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने सभी का पार्टी में स्वागत किया

सीलमपुर विधानसभा से 'आप' विधायक अब्दुल रहमान और नरेला विधानसभा से 'आप' विधायक शरद चौहान ने टोपी और पटका पहनाकर सभी को पार्टी में शामिल किया

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार द्वारा स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सड़क और वाईफाई समेत तमाम क्षेत्रों में किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर लगातार लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने आज अर्जुन अवॉर्ड पुरस्कृत राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी दिनेश कुमार और कांग्रेस से लताफल अली के साथ अन्य कई साथियों का आम आदमी पार्टी में स्वागत किया। सीलमपुर विधानसभा से 'आप' विधायक अब्दुल रहमान और नरेला विधानसभा से 'आप' विधायक शरद चौहान ने टोपी और पटका पहनाकर सभी को पार्टी में शामिल किया।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि सबसे पहले मैं, चंडीगढ़ नगर निगम में 'आप' की भारी जीत के लिए चंडीगढ़ के निवासियों और आम आदमी पार्टी को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। अरविंद केजरीवाल जी की आम आदमी पार्टी को दिल्ली से बाहर भी लोगों ने पसंद करना शुरू कर दिया है। लोगों ने विश्वास करना शुरू कर दिया है और अब सभी ने मन बनाना शुरू कर दिया है कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को एक मौका जरूर मिलना चाहिए। यह बहुत ही खुशी की बात है। दूसरी खुशी की बात यह है कि एक बार फिर आम आदमी पार्टी का परिवार बड़ा हो रहा है। केजरीवाल सरकार की नीतियों और दिल्ली विकास मॉडल से प्रभावित होकर हर क्षेत्र से भारी संख्या में लोग 'आप' परिवार में शामिल हो रहे हैं। उसी श्रृंखला में आज दो बेहद ही प्रमुख व्यक्ति पार्टी से जुड़ रहे हैं। सबसे पहले 'आप' विधायक शरद चौहान जी की नरेला विधानसभा से दिनेश कुमार जी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। दिनेश जी राष्ट्रपति द्वारा अर्जुन अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह पार्टी के लिए गर्व की बात है कि हमें ऐसे व्यक्ति को शामिल करने का मौका मिल रहा है।

उन्होंने एशियन गेम्स में दो बार भारतीय कबड्डी टीम की कप्तानी की और दो बार बार गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। अभी भी वह कबड्डी से जुड़े हुए हैं और आईपीएल की श्रृखलाओं में उनकी भागीदारी होती है। वह बंगाल वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। खेल से जुड़े हुए ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति का पार्टी में शामिल होना बहुत ही गर्व की बात है। वहीं पार्टी में शामिल हो रहे दूसरे व्यक्ति लताफल अली जी हैं। लताफल जी 'आप' विधायक अब्दुल रहमान जी की शीलमपुर विधानसभा के निवासी हैं। उनका ट्रांसपोर्ट का काम है और लगभग 150 बसें चलती हैं। कोरोना के दौरान उन्होंने दिल्ली की जनता की, दिल्ली सरकार का बढ़चढ़ मदद की। उनका राजनीति से भी संबंध है। वह कई सालों तक कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। आज वह शीलमपुर से अपने कई साथियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

उनके साथियों में जिला बाबरपुर कांग्रेस अध्यक्ष शाहिद अख्तर उर्फ गुड्डू, जिला बाबरपुर कांग्रेस उपाध्यक्ष शाहवेज खान, जिला महासचिव ताज मोहम्मद, वरिष्ठ नेता कांग्रेस अजिज अहमद, अनस खान और अनिल आदि शामिल हैं। मैं सभी का आम आदमी पार्टी में हार्दिक स्वागत करता हूं।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

पंजाब में ब्लास्ट

चुनाव के मुहाने पर खड़े पंजाब में कुछ अप्रत्याशित सा होने लगा है। पिछले सप्ताह अचानक बेदअबी के दो मामले सामने आ गए। इससे पहले कि प्रदेश में बवाल मचता, सरकार ने इस मामले को किसी तरह से संभाल लिया। हालांकि अभी वह चिंगारी बुझी नहीं है और आज वीरवार को लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो गया, जिसमें दो लोग मारे गए। कुछ लोग घायल भी हुए हैं। चुनाव के मुहाने पर पंजाब में ब्लास्ट अच्छा संकेत नहीं है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में खालिस्तान को लेकर जनरल बाजवा का प्लान बहुत खतरनाक है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, चुनाव की दहलीज पर खालिस्तान को दोबारा से जीवित करने में लगे हैं।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को लगातार इस तरह के इनपुट मिल रहे हैं कि राज्य में खालिस्तान आंदोलन को बड़े स्तर पर हवा दी जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों की बयानबाजी और सीटों को लेकर हो रही मारामारी जनरल बाजवा को मौका दे सकती है। केंद्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान की सेना के जनरल बाजवा और आईएसआई चीफनदीम अंजुम, खालिस्तान के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं। मौजूदा दौर में पंजाब का चुनाव, जिस तरह के संकेत दे रहा है, उससे भारतीय खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ी है। बेअदबी की दो घटनाएं, ये सामान्य मामला नहीं है।

> भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को लगातार इस तरह के इनपुट मिल रहे हैं कि राज्य में खालिस्तान आंदोलन को बड़े स्तर पर हवा दी जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों की बयानबाजी और सीटों को लेकर हो रही मारामारी जनरल बाजवा को मौका दे सकती है। केंद्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान की सेना के जनरल बाजवा और आईएसआई चीफनदीम अंजुम, खालिस्तान के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं।

इन मामलों को लेकर प्रदेश के सियासतदान एक दूसरे पर हमलावर हैं, उसका फायदा पड़ोसी मुल्क उठा रहा है। अब लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो जाता है। एनआईए जैसी जांच एजेंसियां, आईएसआई और खालिस्तान के नेटवर्क को तोडने में लगी हैं। विदेशों में बैठकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे खालिस्तानी आंदोलन के समर्थकों को कानूनी दायरे में लेने के लिए एनआईए की टीम कनाडा गई थी। सिख फॉर जस्टिस, जैसे खालिस्तानी संगठन द्वारा पंजाब के युवाओं को गलत मंशा से आर्थिक मदद दी जा रही है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान टाइगर फोर्स और खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स जैसे कई दूसरे संगठन भी सक्रिय हैं। ये सभी संगठन विदेशों में रह कर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पिछले दिनों कनाडा के रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के खिलाफ भारत में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के चलते आरोप पत्र दायर किया है। निज्जर, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सदस्य रहा है। एमटीएसएस सेवाओं और हवाला चौनलों के जरिए वह भारत में अपने गुर्गों को पैसा भेजता था।

उसने पाकिस्तान में अपने सहयोगियों से हथियारों और गोला-बारूद प्राप्त करने की कोशिश की थी। पंजाब में जिस तरह से राजनीतिक दल आपस में उलझे हैं, उससे आईएसआई और खालिस्तान समर्थकों की राह आसान हो गई है। ये दोनों संगठन, पंजाब चुनाव में बड़ा बवाल करा सकते हैं। इसमें दो समुदायों के बीच हिंसा कराना भी शामिल है। बेअदबी की घटना को इसी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में ड्रग्स केस के आरोपी अकाली नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह मामला भी सामान्य नहीं है। इसके पीछे की कहानी लंबी है। खैर, अभी बिक्रम मजीठिया की गिर तारी बाकी है। संभव है कि जब पुलिस के हाथ उसके गिरेबान तक पहुंचें तो प्रदेश में तोडफोड़ हो जाए। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय एजेंसियों को जो अलर्ट मिले हैं, उसमें विस्फोट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और नेताओं पर हमला, आदि शामिल हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तानी आईएसआई इन सब घटनाओं को अंजाम देने के लिए अपने आतंकी संगठनों का इस्तेमाल नहीं कर रही है।

आईएसआई, खालिस्तानी संगठनों में नए युवाओं की भर्ती कर अपने मंसूबों को अंजाम देने की तैयारी में है। इसके लिए उसे चुनाव की मारामारी से बेहतर कुछ नजर नहीं आता। चुनावी माहौल में किसी भी वारदात को अंजाम देकर आईएसआई, साफबच निकल सकती है। उसके पास दो बातें रहेंगी। एक, पाकिस्तान की जमीन पर मौजूद आतंकी संगठनों का इससे कोई लेना देना नहीं है। बिल्कुल उसी तरह, जैसे कश्मीर में पुराने आतंकी संगठनों के नए नाम से छोटे छोटे संगठन खड़े किए गए हैं। दूसरा, पाकिस्तान यह कह सकता है कि पंजाब के लोग खालिस्तान आंदोलन को चला रहे हैं। ये उनका आंदोलन है। इसमें दूसरे देश का कोई हस्तक्षेप नहीं है।

प्रवासियों से सहयोग का नया अध्याय

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में विश्व बैंक के द्वारा जारी 'माइग्रेशन एंड डेवलमपेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2021 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन (रेमिटेंस) भेजने के मामले में इस वर्ष 2021 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 में प्रवासी भारतीयों ने 87 अरब डॉलर की धन राशि स्वदेश भेजी है। यह धन राशि पिछले वर्ष की तुलना में 4.6 फीसदी अधिक है। इसमें सबसे अधिक 20 फीसदी धन राशि अमेरिका से प्रवासी भारतीयों के द्वारा भेजी गई है।

पिछले 6-7 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रवासी भारतीयों के लिए किए गए विशेष प्रयासों से प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग और स्नेह लगातार बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के प्रवासियों के द्वारा 2021 में कुल 589 अरब डॉलर की राशि अपने-अपने देशों में भेजी गई है, जबकि 2020 में उनके द्वारा भेजी गई धनराशि 540 अरब डॉलर थी। प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले क्रम का देश बना हुआ है। प्रवासियों से धन प्राप्त करने में भारत के बाद चीन, मैक्सिको, फिलीपींस और मिस्त्र के क्रम हैं। जहां पिछले वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, वहीं दुनिया के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में धीमापन आने के कारण भारतीय प्रवासियों की आमदनी में बड़ी कमी आई थी। फिर भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा पिछले वर्ष भेजी गई 83 अरब डॉलर की बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। अब इस वर्ष 2021 में प्रवासियों के द्वारा भेजी गई 87 अरब डॉलर की धनराशि अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के मद्देनजर बड़ी अहम रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि कोरोना संक्रमण की पहली लहर के समय जब विदेशों में जो जहां था, उसे वहीं लॉक कर दिया गया था, उड़ानें रुक गई थी। इससे विदेशी ज़मीन पर लाखों भारतीय उद्यमी, कारोबारी तथा पर्यटक फंस गए थे। ऐसे में चिंता और अनिश्चितता के दौर में फंसे भारतीयों को प्रवासी भारतीयों का हर तरह से साथ मिला था। वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान कोरोना संक्रमण की दूसरी दर्दनाक लहर के बीच भारतीय प्रवासियों ने भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को

अधिक मजबूत करने के लिए जहां पीएम केयर्स में भरपूर योगदान दिया, वहीं देश के कोने-कोने में कोरोना पीड़ित परिवारों को मदद पहुंचाने में प्रवासी भारतीयों के द्वारा बेमिसाल सहयोग व स्नेह के नए अध्याय लिखे गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीयों के साथ भारत के संबंधों को फिर से ऊर्जाशील बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अहम भूमिका निभाई है। उन्हीं के प्रयासों से 2003 से प्रवासी भारतीय दिवस समारोह शुरू हुआ और इससे प्रवासी भारतीय भारत के लगातार निकट आते गए हैं । यह कोई छोटी बात नहीं है कि प्रवासी भारतीयों द्वारा स्वदेश धन भेजने से जिस तरह बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत आती है, वह राशि सालाना प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की राशि से भी अधिक होती है। यह एक ऐसा बड़ा कारण भी है जिससे कोरोना काल में भारत का विदेशी मुद्रा कोष लगातार बढ़ते हुए दिखाई दिया है। रिजर्व बैंक के द्वारा 10 दिसंबर 2021 को जारी आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा कोष 637 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि दुनिया के करीब 210 देशों में रह रहे प्रवासी भारतीय भारत की महान पूंजी हैं। प्रवासी भारतीय विश्व के समक्ष भारत का चमकता हुआ चेहरा हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं। दुनियाभर में प्रवासी भारतीयों की ऊंची सफलताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में गीता गोपीनाथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) में दूसरी शीर्ष अधिकारी बनी हैं। पराग अग्रवाल कम उम्र में ही ट्विटर के नए सीईओ बन गए हैं। नीली बेंडापुरी अमेरिका के एक अग्रणी विश्वविद्यालय की अध्यक्ष बनी हैं। साथ ही अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के द्वारा कई उच्च प्रशासनिक पदों पर प्रवासी भारतीयों को ऊंची जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिस तरह प्रवासी भारतीय राजनेताओं और प्रवासी भारतीय उद्यमियों ने भारत के साथ सहयोग के सूत्र आगे बढ़ाए हैं, उससे भी प्रवासी भारतीयों के द्वारा स्वदेश की ओर धन प्रेषण और स्वदेश के साथ स्नेह व मैत्री में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे प्रभावी राजनेताओं में अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ, राजकेश्वर पुरयाग, अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीनचंद्र राम गुलाम, गुयाना में भरत जगदेव, डोनाल्ड रविंद्र नाथ रामोतार, सूरीनाम में चंद्रिका प्रसाद संतोखी, दक्षिण अफ्रीका में अहमद कथराडा, सिंगापुर में प्रो. एस. जयकुमार, न्यूजीलैंड में प्रियंका राधाकृष्णन, डा. आनंद सत्यानंद, त्रिनिडाड एवं टोबैगो में कमला प्रसाद बिसेसर, कुराकाओ में यूजीन रघुनाथ, ब्रिटेन में ऋषि सूनाक आदि नाम उभरकर दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में दुनिया में ऊंचाइयों पर दिखाई दे रहे प्रवासी भारतीय सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, संजय मेहरोत्रा, शांतनु नारायण, दिनेश पालीवाल, अजय बंगा आदि ने भारत के साथ सहयोग व स्नेह के सूत्र मजबूत बनाए हैं। यदि हम चाहते हैं कि प्रवासी भारतीय भारत को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता और अधिक बढ़ाएं, तो हमें भी प्रवासियों के दुख-दर्द में अधिक सहभागी बनना पड़ेगा। उनके साथ सांस्कृतिक सहयोग और स्नेह बढ़ाना होगा। उल्लेखनीय है कि जिस तरह से पिछले वर्ष 2020 में कोविड-19 की चुनौतियों से परेशान प्रवासियों की घर वापसी के लिए सरकार ने वंदे भारत मिशन चलाया और 45 लाख प्रवासी भारतीयों को भारत वापस लाया गया, उससे प्रवासी भारतीयों के मन में भारत के लिए और अधिक आत्मीयता बढ़ी है। लेकिन अभी भी हमें प्रवासियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण में अहम भूमिका निभानी होगी। वस्तुतः दुनिया के सारे प्रवासी भारतीय बहुत धनी नहीं हैं।

अधिकांश देशों में इनकी आर्थिक हालत बहुत अच्छी नहीं है। खासतौर से विभिन्न खाड़ी देशों में लाखों कुशल-अकुशल भारतीय श्रमिक इस बात से त्रस्त हैं कि वहां पर उन्हें न्यूनतम वेतन और जीवन के लिए जरूरी उपयुक्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जहां भारत के द्वारा विभिन्न विकसित और विकासशील देशों में प्रवासियों की वीजा संबंधी मुश्किलों को कम करने में भी मदद करनी होगी, वहीं विदेशों में रोजगार की प्रक्रियाओं के सरल व पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जाना होगा ताकि भारतीय कामगारों को बेईमान बिचौलियों और शोषक रोजगारदाताओं से बचाया जा सके। हम उम्मीद करें कि जिस तरह प्रवासी भारतीयों ने इस वर्ष 2021 में 87 अरब डॉलर भारत भेजकर भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है, उसी तरह भविष्य में भी प्रवासी भारतीय भारत के लिए आर्थिक सहयोग के साथ-साथ विविध जरूरतों के लिए और स्नेहिल सहभागी बने रहेंगे।

ओमिक्रॉन का खतरा

सिद्धार्थ शंकर

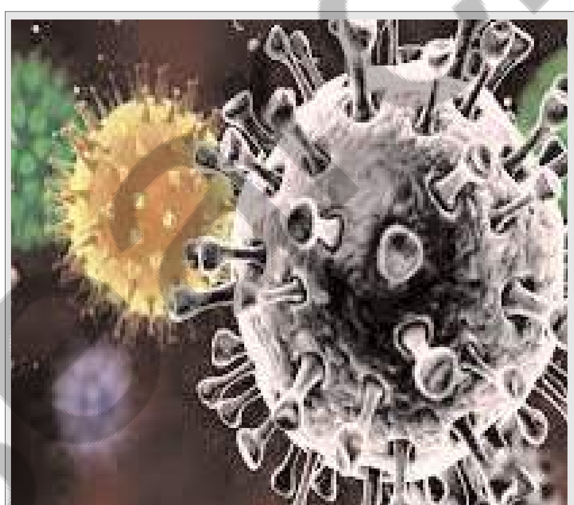

> *जब एक वायरस की वजह से पूरे विश्व में हाहाकार मच गया, सरकार की गाइडलाइन्स में तब कोविड प्रोटोकॉल जैसा शब्द शामिल किया गया। इस महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया। केंद्र और राज्य सरकारों ने इस संक्रमण की कड़ी को तोडऩे के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। वहीं कुछ महीनों बाद ही 2021 में फिर से कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने फिर से कहर बरपा दिया। अब 2021 के अंत में एक बार फिर हमें सतर्कता बरतनी पड़ रही है*

कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रॉन को लेकर दुनिया ही नहीं, भारत में भी चिंता बढ़ गई है। साल 2020 में एक वैश्विक वायरस ने पूरे देश को झंझोड़ कर रख दिया था। इंसान से इंसान में फैलने वाले इस वायरस ने धीरे-धीरे पूरी दुनिया में पैर पसार लिए। इसके पश्चात इस वायरस को विश्व स्वस्थ्य संगठन द्वारा महामारी के रूप में घोषित किया गया। इस एक महामारी ने हमें न सिर्फ एक कमरे में कैद होकर रहने के लिए मजबूर किया, बल्कि स्वास्थ्य सम्बंधित भ्रांतियों को भी दूर किया।

जब एक वायरस की वजह से पूरे विश्व में हाहाकार मच गया, सरकार की गाइडलाइन्स में तब कोविड प्रोटोकॉल जैसा शब्द शामिल किया गया। इस महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया। केंद्र और राज्य सरकारों ने इस संक्रमण की कड़ी को तोडऩे के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। वहीं कुछ महीनों बाद ही 2021 में फिर से कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने फिर से कहर बरपा दिया। अब 2021 के अंत में एक बार फिर हमें सतर्कता बरतनी पड़ रही है, जब कोरोना वायरस के एक और नए वेरिएंट ओमिक्रोन' ने दुनिया में चिंता की स्थिति पैदा कर दी है। जिस तीसरी लहर की संभावना पहले सितंबर में जताई गई थी, वह अब दिसंबर माह में हमारे सामने फिर एक बड़ी चुनौती बन कर तैयार खड़ी है। कोरोना के इस बदलते स्वरूप ने एक बार फिर हम सब को सतर्क कर दिया है। इस प्रतिकूल परिस्थिति में केंद्र और राज्य सरकारें भी अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। इस महामारी से जनता को सुरक्षित करने के लिए सरकार तत्परता से हर संभव प्रयास कर रही है। जनता में ओमिक्रॉन को लेकर जिस तरह से डर पैदा हो रहा है और घबराहट की स्थिति बन रही है, उसे दूर करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे आना पड़ा और समझाना पड़ा कि सरकार की तैयारी पूरी है, किसी को डरने की जरूरत नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार देर रात ऐलान किया कि गंभीर बीमारियों से ग्रसित और हेल्थ वर्करों को कोरोना वैक्सीन की जिस प्रिकॉशनरी डोज लगाई जाएगी। अब खबर यह है कि यह प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो सकती है, जिसकी दोनों डोज लाभार्थी पहले ही ले चुके हैं।

दरअसल, देश के कोविड टीकाकरण पर बने शीर्ष टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप में इस बात को लेकर सहमति है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग होनी चाहिए, जिसकी दोनों डोज पहले ली जा चुकी है। वैक्सीन की तीसरी खुराक को बूस्टर की बजाय प्रिकॉशनरी डोज कहे जाने के पीछे एक वजह यह भी है कि सभी विकल्प खुले रहें और तीसरी खुराक किसी और वैक्सीन की भी दी जा सके। खबर के मुताबिक, इसकी प्रबल संभावना है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो जिसकी दोनों डोज पहले ली गई हों।

अगले कुछ महीनों में भारत के पास वैक्सीन के कई विकल्प होंगे। इस दौड़ में सबसे आगे हैदराबाद के बायोलॉजिकल ई की बनाई कोरबावैक्स है, जो प्रोटीन सब-यूनिट कोविड-19 वैक्सीन है। केंद्र सरकार ने कोरबावैक्स की 30 करोड़ खुराकें रिजर्व रखने के लिए पहले ही 1500 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। सूत्रों की मानें तो अगले दो हफ्तों के अंदर कोरबावैक्स को आपात स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है। पीएम मोदी ने शनिवार को बताया कि देश में 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक की उम्र वाले करीब 8 करोड़ बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके अलावा 10 जनवरी से हेल्थ वर्कर्स सहित करीब 3 करोड़ फ्रंट लाइन वर्कर्स को प्रिकॉशन डोज दी जाएगी।

वहीं, 60 से अधिक आयु वाले को मॉरबिटी यानी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को भी उनके डॉक्टर की सलाह पर वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज का विकल्प दिया जाएगा। इसकी शुरुआत भी 10 जनवरी से ही होगी। विशेषज्ञों ने चेताया है कि अब हमें गंभीरता से हॉस्पिटलाइजेशन की तैयारियां करनी शुरू कर देनी चाहिए। उनका यह भी कहना है कि राजनीतिक रैलियां, धार्मिक उत्सव और भीड़-भाड़ ओमिक्रॉन संक्रमण के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट कितनी तेजी से फैलता है, आप इस बात का अंदाजा सिर्फ इसी से लगा सकते हैं कि मार्च 2020 में कोविड संक्रमण ने जब भारत में दस्तक दी थी, तो शुरुआती 25 दिनों में कोविड के सिर्फ 62 केस ही आए थे, लेकिन ओमिक्रॉन के इतने ही वक्त में करीब 450 केस आ चुके हैं।

शर्म आपको आती पता नहीं, लेकिन हमें आप पर तो आती है...

सोनम लववंशी

महिलाओं के प्रति की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों के लिए भारतीय लोकतंत्र बदनाम है। ऐसे में यूं कहें कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का मंदिर अमर्यादित भाषा के वायरस से कलंकित हो रहा है। फ़िर यह अतिश्योक्ति नहीं। आज के दौर में हम विकसित होने का ढोंग भले रच लें, लेकिन सोच और समझ हमारी रसातल में जा पहुँची है। देश के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से लेकर निचले स्तर तक के लोग महिलाओं के खिलाफ बदजुबानी में पीछे नहीं रहते।

ऐसे में सवाल कई उठते, लेकिन जब लोकराज ही बिना लोकलाज के चलने लगें। फिर उन सवालों का ज़्यादा औचित्य नहीं? भारत के संविधान में विधायिका को अनुच्छेद-109 (संसद) और अनुच्छेद-194 यानी विधानसभा के तहत विशेषाधिकार प्राप्त हैं और ये विशेषाधिकार इसलिए जरूरी हैं ताकि विधायिका नागरिकों के मुद्दे उठाने और क़ानून बनाने के दौरान हुए वार्तालाप को लेकर स्वतंत्र महसूस कर सके। लेकिन जब हम अतीत को देखते हैं फ़िर वर्ष 2003 में तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष ने %द हिन्दू% के चार पत्रकारों और एक प्रकाशक के विरुद्ध एक अरेस्ट वारंट सिर्फ इसलिए जारी कर दिया था, क्योंकि उस अख़बार में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय जयललिता के खिलाफ कुछ ऐसा लिख दिया गया था जो अध्यक्ष महोदय को पसंद नहीं। लेकिन बीते दिनों जो कर्नाटक के विधानसभा में हुआ उसका क्या? सवाल ऐसे में यही बनता है। बीते दिनों जो कर्नाटक विधानसभा में हुआ। उसे दुनिया ने देखा। अब ऐसे में सवाल यही क्या हम एक ऐसे आधुनिक भारत के निर्माण की तरफ़ बढ़ रहे, जहां मानसिक रूप से अक्षम नागरिकों की फ़ौज बढ़ रही बस? हर वर्ष 16 दिसंबर को निर्भया बलात्कार की घटना की बरसी होती है और उसके एक दिन बाद ही यानी 17 दिसंबर को कर्नाटक विधानसभा में वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एक फूहड़ संवाद हुआ। संवाद भी ऐसा जिससे मानव जाति अपमानित हो जाएं, लेकिन सियासतदां कहाँ आते मानव जाति में? उनकी तो एक अलग श्रेणी होती है। ऐसे में कांग्रेस नेता व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार ने एक कहावत का हवाला देते हुए व %चेयर% को संबोधित करते हुए कहा कि, जब रेप होना ही है तो लेट जाओ और मजे लो। यह बयान विधानसभा अध्यक्ष का जितना घिनौना था उससे कहीं अधिक घिनौनी वह सोच है जो ऐसे नेताओं को सदन में प्रतिभाग लेने का अवसर उपलब्ध कराती हैं। पर अफ़सोस की इस शर्मसार कर देने वाली घटना को भी हमारे देश के राजनेता पक्ष विपक्ष की राजनीति के तराजू पर तोल रहे है। ऐसे में शायद वो यह भूल गए हैं कि जिस संविधान ने उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी दी है उसी लोकतंत्र के मंदिर में महिलाओं को अपशब्द कहें जा रहे है। हमारे राजनेताओं को सत्ता के सुख की ऐसी लत लगी है कि वह अपनी मर्यादा तक को ताक पर रख बैठे है। वह भूल गए है कि जिस देश में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और राजा हरिश्चंद्र जैसे प्रतापी राजाओं ने जन्म लिया है। जिन्होंने राजधर्म के नये कीर्तिमान गढ़े हो उस देश के राजनेता सत्ता सुख में मर्यादा विहीन हो चले है। इतना ही नहीं हमारे राजनेता यह तक भूल बैठे है कि जिस संविधान ने उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी दी है। उसी लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने से वे बाज़ नहीं आ रहे है। एक मशहूर शायर फैज अहमद फैज हुए हैं जिनका लिखा एक गीत है। जिनकी चंद लाइनें याद आती है कि, बोल के लव आज़ाद है तेरे...! वैसे उन्होंने जब ये लाइनें लिखी होगी तब शायद ही यह सोचा हो कि एक दिन अभिव्यक्ति की आज़ादी का निहितार्थ सियासतदानों द्वारा इस संदर्भ में निकाला जाएगा। वैसे सोचने वाली बात यह है कि हमारे देश में जब-जब राजनेताओं के सुर बिगड़े है तब-तब ही महिलाओं के चरित्र का चीरहरण किया गया है। महिलाओं के दामन पर उंगली उठाना तो जैसे अब राजधर्म बन गया है। कुर्सी का खेल मुग़लई दौर का होता जा रहा है। अंतर सिर्फ इतना है कि तब तलवार का बोलबाला था आज संवैधानिक लोकतंत्र में अलोकतांत्रिक बदज़ुबानी का। जिस संसद में एक तरफ़ महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने के लिए उनकी शादी की उम्र को 18 साल से बढ़कर 21 साल किए जाने का विधेयक लाया जा रहा। वहीं दूसरी तरफ़ कर्नाटक के विधानसभा में एक विधायक महिलाओं के रेप को एंजॉय करने की बात कह रहे है। इतना ही नहीं अफ़सोस की ये सारी बाते विधायक महोदय विधानसभा में किसान मुद्दे पर चर्चा की मांग पर बहस करने की बात को लेकर कह रहे थे। देश का दुर्भाग्य देखिए कि इस शर्मनाक टिप्पणी पर विधानसभा में उपस्थित अन्य विधायक भी ठहाके लगाने से बाज नहीं आएं। विधानसभा अध्यक्ष भी ऐसे इन बातों का चटकारा ले रहे थे, जैसे वो भूल गए हो कि उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त हैं, लेकिन आधी आबादी के प्रति ऐसी घिनौनी सोच भी कहीं न कहीं विशेषाधिकार पर सवालिया निशान उठाती है, लेकिन इन बातों का फ़र्क कहाँ पड़ता इन नेताओं को? ज़्यादा हुआ तो मांग लेंगे माफ़ी और हो जाएगी खानापूर्ति। वैसे महाभारत काल में भी द्रौपदी के चीरहरण पर पूरी सभा धृतराष्ट्र बनकर तमाशा देखती रही और उसी इतिहास को एक बार फिर दोहराने की कोशिश कर्नाटक के विधानसभा में की गई और आज फिर पूरा देश इस घटना को अपना मौन समर्थन दे रहा है। दे भी कैसे नहीं क्योंकि यह पहली दफ़ा नहीं जब किसी पार्टी के नेता ने महिलाओं के ख़िलाफ़ अनर्गल बयानबाजी की हो। हमारे राजनेता तो जैसे महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने में महारथ हासिल करके बैठे हो। उन्हें कहाँ फर्क पढ़ने वाला है? उनकी रगों में तो पितृसत्तात्मक सोच का वायरस भर गया है। वैसे भी औरत के अस्तित्व को हमारा समाज स्वीकार ही कहाँ करता है? औरत के पैदा होते ही उसके अस्तित्व का ठेका उसके पिता के हाथों में होता है, शादी के बाद पति और मां बनने के बाद खुद ही अपने बच्चों के हाथ मे सौंप देती है। औरत खुद क्या करती है? त्याग अपने सपनों का अपने अस्तित्व का? लेकिन अफ़सोस की इस त्याग, इस बलिदान का कोई सम्मान तक नहीं करता है, क्योंकि समाज औरत के त्याग को उसका फर्ज मान लेता है और वहीं औरत उसे अपना कर्म मानकर चुपचाप सहन करती चली जाती है।

अपने वजूद तक को मिटा देती है। औरत के त्याग को समाज ने उसकी कमज़ोरी जो मान लिया है। वैसे यह पहली बार नही है जब कर्नाटक के विधायक रमेश कुमार ने महिलाओं ख़िलाफ़ अमर्यादित बयान दिए है। इससे पहले 2019 में विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल के समय वह अपनी तुलना रेप पीड़िता से कर चुके है। उनके लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि जुबान फिसलना कोई बड़ी बात नहीं है। क्या हुआ जो महिलाओं के लिए अभद्र बोल दिया बाद में माफ़ी भी मांग लेते है। कौन सा उनके ख़िलाफ़ कार्रवाई होना है। कुछ दिन हंगामा होगा फिर सब खामोश हो जाएंगे और यह सिलसिला जारी रहेगा। वैसे उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पार्टी महिलाओं को चुनाव लड़ने के लिए 40 प्रतिशत आरक्षण की बात कह रही है, और उन्ही की पार्टी के नेता महिलाओं के लिए अपमानजनक बात कह रहे है, कितनी अजीब विडंबना है हमारे देश की। जहां रमेश कुमार के बयान का विवाद थमा भी नहीं था कि समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने भी लड़कियों को लेकर अनर्गल बात कर दी है। उनका मानना है कि लड़कियों की शादी की उम्र को कम कर देना चाहिए, शादी में देर होगी तो वह पोनोग्राफी वाले वीडियो देखेगी।

समाजवादी पार्टी के ही सांसद शफीक उर रहमान वर्क ने भी महिलाओ के उम्र बढ़ाने का विरोध किया है उनका मानना है कि अगर ऐसा होगा तो लड़कियां आवारा हो जाएगी। प्रख्यात समाजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया ने कहा था कि लोकराज, लोकलाज से ही चलता है। आज ऐसे प्रखर समाजवादी नेता के विचारों को उन्हीं की पार्टी के नेता डुबाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है। महिलाएं आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही है। देश दुनिया में अपनी बुलंदी का परचम लहरा रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे न गाड़े हो। पर आज भी हमारा समाज पितृसत्तात्मक सोच से ग्रसित है। जहां औरतों को कमज़ोर माना जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

भाजपा शासित राज्यों के लिए सुशासन का माडल पेश कर रहा हरियाणा, पीएम मोदी कर चुके तारीफ

चंडीगढ़ (एजेंसी) हरियाणा की भाजपा सरकार ने सात साल के भीतर सुशासन की तरफ बड़ी तेजी के साथ कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने लोगों की जरूरत और परेशानी को समझते हुए करीब दो दर्जन ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जिनका उन्हें त्वरित और घर बैठे लाभ मिल रहा है। सुशासन की इन योजनाओं को न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल खोलकर सराहा, बल्कि भाजपा शासित राज्यों को सुशासन के हरियाणा माडल को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। हरियाणा के सुशासन माडल की वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष भी चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को अवगत कराया कि किस तरह प्रदेश धीरे-धीरे प्रगति की राह पर अग्रसर हुआ है। मुख्यमंत्री अंत्योदय उत्थान योजना और मेरा परिवार-मेरी पहचान योजना को सभी राज्यों ने सराहा है। मुख्यमंत्री अंत्योदय उत्थान योजना के तहत एक लाख बेहद गरीब परिवारों की आय बढ़ाकर एक लाख 80 हजार रुपये वार्षिक तक करने के कार्यक्रम लागू किए गए हैं। प्रदेश सरकार राज्य में परिवार पहचान पत्र बना रही है। अब तक 68 लाख 55 हजार 562 लोगों के परिवार पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं, जिनके साथ 100 सरकारी योजनाओं के लाभ को जोड़ा गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने लाल डोरा मुक्त गांवों की योजना शुरू की थी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना के नाम से हरियाणा के इस माडल को पूरे देश में लागू किया। अभी तक 279 गांव लाल डोरा मुक्त हो चुके हैं। मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत लोगों को धान की खेती छोड़कर दलहन व तिलहन फसलों की पैदावार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। करीब दो लाख एकड़ जमीन में धान की खेती छोड़ने की योजना है। मुख्यमंत्री परिवार

समृद्धि योजना के तहत गरीब परिवारों को छह हजार रुपये वार्षिक का लाभ मिल रहा है। मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर फसलों का पंजीकरण होता है, ताकि किसी तरह की गड़बड़ न हो सके। सरकारी नौकरियों के लिए एकल पंजीकरण पोर्टल (सीइटी) की व्यवस्था की गई है। बाक्स एचसीएस व आइएएस बनने में खत्म हुआ भ्रष्टाचार एचसीएस व आइएएस बनने की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार तथा राजनीतिक हस्तक्षेप करने के लिए सरकार ने लिखित परीक्षा की व्यवस्था की है। कालेज जाने वाले सभी विद्यार्थियों के पासपोर्ट सरकार निशुल्क बना रही है। आपरेशन शुद्धि के तहत परिवहन विभाग में जिला यातायात अधिकारी के पद सृजित किए गए हैं, जिनमें एचपीएस अधिकारियों की नियुक्तियां की गई। जमीनों की रजिस्ट्री के लिए किसी भी तरह की एनओसी लेने को ई-पंजीकरण प्रणाली शुरू की गई तथा जमीनों का सीएलयू लेने के लिए आनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। जमीनों की रिमांड प्रथा भी सरकार ने खत्म कर दी है। अंत्योदय सरल पोर्टल के तहत 550 सरकारी सेवाओं के लाभ का इंतजाम किया गया है, जबकि डीबीटी के तहत कोरोना काल में जरूरतमंद लोगों को 610 करोड़ रुपये सहायता राशि प्रदान की गई है। हरियाणा ने सुशासन सूचकांक-2021 में नागरिक केंद्रित सुशासन में पहला स्थान हासिल किया है। सिटीजन सेंट्रिक गवर्नेंस और 4 संकेतकों में 0.914 का सामूहिक स्कोर लेकर हरियाणा ग्रुप ए श्रेणी में शीर्ष पर है हरियाणा को सुशासन माडल बनाने में ई-भूमि वेब पोर्टल, आनलाइन शिक्षक तबादला नीति, खनन ठेकों की ई नीमामी, म्हारा गांव जगमग गांव, सुपर 100 कार्यक्रम, सक्षम युवा रोजगार योजना, विवादों का समाधान योजना, डिजिटल राजस्व रिकार्ड और हरहित स्टोर योजना प्रमुख रही हैं। सीएम के अतिरिक्त प्रधान सचिव डा. अमित अग्रवाल का कहना है कि अगले सालों में न केवल इन योजनाओं का विस्तार होगा, बल्कि नई योजनाओं की भी शुरूआत मुख्यमंत्री मनोहर लाल करने वाले हैं। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2022 को सुशासन अंत्योदय उत्थान वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इस कड़ी में गुरुग्राम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में अटल पार्क एवं स्मृति केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यह दोनों घोषणाएं करते हुए कहा कि जनसाधारण की जिंदगी को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए हरियाणा सरकार ई-गवर्नेंस से गुड गवर्नेंस की ओर तेजी से बढ़ रही है। यह रास्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिखाया है। उनकी सोच के अनुरूप आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रदेश सरकार जन कल्याण के फैसले ले रही है।

एक नज़र

विदेश भेजने के नाम पर ठगी, पढ़ाई के लिए भेजना था कनाडा, 8 लाख की कर गए धोखाधड़ी

कुरुक्षेत्र (एजेंसी) कुरुक्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर ठगी हुई। थाना शहर पुलिस ने पढाई के लिए कनाडा भेजने के नाम पर आठ लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में चंडीगढ के एक एजुकेशन सेंटर की संचालक महिला आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने सेंटर संचालिका से उसके आधार कार्ड सहित 10वीं व 12वीं के मूल प्रमाणपत्र भी वापस दिलवाए जाने की मांग की है।

थाना शहर थानेसर पुलिस को दी शिकायत में वशिष्ठ कालोनी निवासी राजवीर कौर ने बताया कि वह पढ़ाई के लिए कनाडा जाना चाहती थी। उसने इंटरनेट मीडिया पर चंडीगढ के सेक्टर 42सी स्थित एक एजुकेशन सेंटर की ऐड देखी तो उसने सेंटर की प्रबंध निदेशक पूजा महाजन से मोबाइल पर बातचीत की। मोबाइल बातचीत में आरोपित महिला ने उसे पढ़ाई के लिए कनाडा की अच्छी यूनिवर्सिटी या कालेज में दाखिला दिलाने का आश्वासन दिया है। इसके साथ उसे बातचीत के लिए सेंटर पर बुलाया।

आरोपित के कहने पर चार मार्च और 15 मार्च को उसने दो बैंक खातों में सात लाख सात हजार 859 रुपये डलवाए। इसके अलावा फाइल खर्च और अन्य के लिए 50 हजार नकद दिए। इसके चार माह बाद भी जब उसे वीजा नहीं मिला तो उसने आरोपित के मोबाइल पर फोन किया। आरोपित ने उन्हें कुछ दिन बाद काम होने का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने मोबाइल फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद वह उनके सेंटर पर गए तो उन्होंने जल्द काम होने का आश्वासन दिया। इसके बाद मोबाइल पर फोन करने के बाद फोन ही उठाना बंद कर दिया। आरोपित ने प्रमाणपत्र और रुपये वापस मांगने पर उन्हें धमकी दी। आरोपितों ने धोखाधड़ी और बदनीयती से उनसे रुपये ऐंठ लिए हैं।

लुधियाना में बाइक सवार 3 बदमाशों ने हथियारों के बल पर 2 लोगों के मोबाइल व नगदी लूटी

लुधियाना (एजेंसी) गांव भूखड़ी कलां इलाके में मोटरसाइकिल सवार 3 बदमाशों ने स्कूटर पर जा रहे दो लोगों को घेर लिया। आरोपितों ने तेजधार हथियार के बल पर उनके मोबाइल व नगदी लूटी और फरार हो गए। अब थाना जमालपुर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एएसआइ जगपाल सिंह ने बताया कि उक्त केस गांव भामियां कलां के गुरु नानक नगर निवासी राम बचन चौहान की शिकायत पर दर्ज किया गया। अपने बयान में उसने बताया कि शनिवार वो अपने दोस्त विजय कुमार के साथ स्कूटर पर सवार होकर अपने घर लौट रहा था।

रात 8 बजे जब वह लोग गांव भूखड़ी स्थित 100 फुटी रोड के निकट पहुंचे। उसी समय पीछे से मोटरसाइकिल पर आए तीन बदमाशों ने उन्हें जबरदस्ती रोक कर घेर लिया। आरोपितों ने उसका पर्स व वीवो कंपनी का मोबाइल लूट लिया। पर्स में 1500 रुपये की नगदी व जरूरी दस्तावेज थे। विजय का मोबाइल फोन और 500 रुपये की नगदी भी लूट ली और धमकियां देते फरार हो गए। जगपाल सिंह ने कहा कि आरोपितों का सुराग लगाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। मोटरसाइकिल पर सवार होकर नशीली दवाओं की डिलीवरी देने के लिए जा रहे तस्कर को थाना कूमकलां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से नशीली गोलियों के 4 पत्ते बरामद हुए।

आरोपित पर केस दर्ज करके सोमवार अदालत में पेश किया गया। जहां से एक दिन का रिमांड हासिल करने के बाद कड़ी पूछताछ की जा रही है। एएसआइ दिलबाग राय ने बताया कि उसकी पहचान गांव चौंता निवासी लखवीर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस की टीम रविवार दोपहर बाद गांव रतनगढ़ से गांव चौंता की और जा रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर जा रहे आरोपित को शक के आधार पर रोक कर उसकी तलाशी ली गई।

जिस दौरान उसके कब्जे से नशीली गोलियां बरामद हुई। दिलबाग राय ने कहा कि आरोपित का पुराना रिकार्ड चेक किया जा रहा है। उससे की जा रही पूछताछ में पता लगाया जाएगा कि वह कहां से नशीली दवाएं लाया करता और आगे किसे बेचता था।

लुधियाना में मकान के दिनदहाड़े ताले तोड़ लाखों का माल उड़ाया, सीसीटीवी फुटेज ने पकड़वाया चोर

लुधियाना (एजेंसी) गांव दाद में एक मकान के ताले तोड़ कर घुसे चोरों ने दिनदहाड़े लाखों की चोरी कर डाली। मगर सीसीटीवी कैमरों ने उनकी करतूत को कैद कर लिया। जिसके आधार पर पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 30 हजार रुपये की नगदी बरामद की। उसके दूसरे साथी की तलाश में पुलिस की टीम छापामारी कर रही है। हवलदार तलविंदर सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित गांव सुनेत के निकट न्यू शाम नगर का रहने वाला शेर सिंह है।

जबकि फरार हुआ आरोपित रोहित है। पुलिस ने गांव दाद निवासी राजवंत सिंह की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया। अपने बयान में उसने बताया कि 24 दिसंबर की दोपहर 2.20 बजे वो अपनी पत्नी समेत घर में ताला लगा कर अपने बेटे रवतेजप्रीत सिंह को स्कूल से लेने के लिए गया था। करीब 3 बजे जब वो लोग वापस घर लौटे तो सभी ताले टूटे हुए थे। घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में पड़ी सोने की अंगूठी, सोने के अन्य जेवरात तथा पर्स में पड़ी 50 हजार रुपये की नगदी चोरी हो चुकी थी।

जिस पर उसने पुलिस को फोन करके चोरी की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की तो उसमें दोनों आरोपित चोरी करते नजर आ गए। जिसके आधार पर शेर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे सोमवार अदालत में पेश किया गया। जहां से एक दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि शहर में चोरी और लूटपाट की वारदातें लगातार बढ़ रही है।

हरियाणा में बड़ा हादसा, दिल्ली चंडीगढ़ हाईवे पर अंबाला में 3 टूरिस्ट बसें टकराई, 5 की मौत, कई घायल

अंबाला (एजेंसी) हरियाणा के अंबाला में बड़ा हादसा हो गया। दिल्ली चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर तीन टूरिस्ट बसें टकरा गई। हादसा अंबाला के हीलिंग टच अस्पताल के पास हुआ है। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। चार एक बस में और एक दूसरी बस मे यात्री सवार था। वहीं, हादसे में करीब

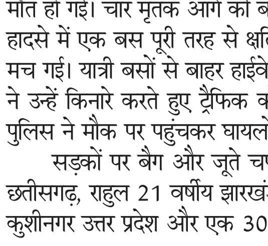

10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा करीब सुबह तीन बजे का बताया जा रहा है। एक बस डिवाइडर में चढ़ गई।

तीनों बसें कटरा से दिल्ली जा रही थीं। दिल्ली चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर सुबह करीब तीन बजे तीनों बसे एक साथ चल रही थीं। तभी एक बस अचानक रुक गई। इससे पीछे आ रहीं दोनों बसें एक के बाद एक टकरा गई। प्रत्क्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। यात्री खिड़की से बाहर की तरफ कूदकर बाहर निकले। बस के अंदर की पांच लोगों की मौत हो गई। चार मृतक आगे की बस में और एक पीछे की बस मे सवार थे। हादसे में एक बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। यात्री बसों से बाहर हाईवे पर गए। वहां से गुजर रहे वाहन चालकों ने उन्हें किनारे करते हुए ट्रैफिक को रोका। वहीं पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौक पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सड़कों पर बैग और जूते चप्पल पड़े हुए थे। हादसे में मीना देवी 44 छतीसगढ़, राहुल 21 वर्षीय झारखंड, रोहित 53 वर्षीय छतीसगढ़, प्रदीप 22 कुशीनगर उत्तर प्रदेश और एक 30 वर्षीय एक अज्ञात की मौत हो गई।

पंजाब चुनाव के लिए महिला कांग्रेस ने लगाई 23 जिलों में कोआर्डिनेटर, भाजपा ने भी किए चुनाव प्रभारी नियुक्त

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पंजाब प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष बलवीर रानी सोढ़ी ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महिला कांग्रेस के चुनाव अभियान को तेज करने के लिए 23 जिला के कार्डिनेटर की सूची जारी की है।

वहीं, भाजपा ने भी 13 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। पंजाब प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष बलवीर रानी सोढ़ी ने कहा कि जिला स्तर पर की गई इन नियुक्तियों से 'धी पंजाब दी हक अपने जानदी ' अभियान को मजबूती मिलेगी और नवनियुक्त महिला कोआर्डिनेटर इसे पंजाब के लोगों तक लेकर जाएंगी।

उन्होंने कहा कि पंजाब की महिलाएं आगामी विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगी। जारी की गई सूची के मुताबिक अमृतसर से शिवानी शर्मा , गुरदासपुर से तृप्ता ठाकुर, मंजीत संधू पठानकोट, भूपिंदर कौर कोरजीवाला को पटियाला से, सुनीता धीर कपूरथला, इंदु थापर लुधियाना, नरदीप शर्मा बरनाला, सुषमा रानी मोना नवांशहर, राजिंदर

कौर संगरूर नरेश शर्मा, मलकीत कौर बठिंडा, परमजीत कौर संधू फरीदकोट, माहिक राजपूत तरनतारन, कविता रानी मुक्तसर, सुमन कौशिक मोगा, डा. वरेनिका फाजिल्का, गुरप्रीत संधू जालंधर, जसविंदर कौर भुल्लर फतेहगढ़ साहिब, वंदना सैनी रूपनगर, रविंदर कौर को फिरोजपुर, नीरू शर्मा होशियारपुर, अलका मल्होत्रा मोहाली और प्रीतपाल कौर को मलेरकोटला से कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने 13 लोकसभा क्षेत्रों में संगठन के चुनावी कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनाव प्रभारी लगाए है।

यह जानकारी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने दी। अमृतसर लोकसभा के प्रभारी के पद पर अविनाश राय खन्ना, लुधियाना लोकसभा के प्रभारी के पद पर राजिंदर मोहन सिंह छीना, होशियारपुर लोकसभा के प्रभारी के पद पर केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, गुरदासपुर लोकसभा के प्रभारी के पद पर प्रो. राजिंदर भंडारी होंगे।

इसी प्रकार जालंधर लोकसभा के प्रभारी के पद पर नरेंदर परमार, फिरोजपुर लोकसभा के प्रभारी के पद पर मोहन लाल गर्ग, फरीदकोट लोकसभा के प्रभारी के पद पर डीपी चंदन, खडूर साहिब लोकसभा के प्रभारी के पद पर केवल कुमार, फतेहगढ़ साहिब लोकसभा के प्रभारी के पद पर शिवबीर सिंह राजन, संगरूर लोकसभा के प्रभारी के पद पर बिक्रमजीत सिंह चीमा, पटियाला लोकसभा के प्रभारी के पद पर संजीव भारद्वाज, श्री आनंदपुर साहिब लोकसभा के प्रभारी के पद पर नरेश शर्मा व बठिंडा लोकसभा के प्रभारी के पद पर डॉ. सुभाष वर्मा को नियुक्त किया गया है।

भाजपा के महासचिव डॉ. सुभाष शर्मा ने कहा कि उपरोक्त सभी नेता भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और संगठन के कार्यों व विचारधारा से भली-भांति परिचित हैं। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा द्वारा संगठन के प्रति इन सभी की सेवाओं को देखते हुए यह जिम्मेवारी सौंपी गई है।

राहुल गांधी नववर्ष पर मोगा से फूकेंगे पंजाब में चुनावी बिगुल, सिद्धू-चन्नी को एक साथ लाना बड़ी चुनौती

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस के प्रदेश प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू लगातार चुनावी रैलियां कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी की तरफ से अधिकारिक चुनावी शंखनाद करने के लिए राहुल गांधी नव वर्ष पर पंजाब आएंगे।

मोगा में रैली करके राहुल गांधी चुनावी बिगुल फूंक देंगे। राहुल की रैली को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी है। हालांकि रैली की तारीख को अंतिम रूप अभी नहीं दिया गया है, क्योंकि राहुल के दफ्तर से समय अभी नहीं मिला है। राहुल की रैली को लेकर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने बैठकें करनी शुरू कर दी है। राहुल गांधी 15 महीने के बाद पंजाब आ रहे हैं।

इससे पहले वह अक्टूबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ ट्रैक्टर मार्च की अगुवाई करने के लिए मोगा आए थे। अब 2022 में वह मोगा में ही कांग्रेस की चुनावी रैली में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं। हालांकि 2020 और 2022 के चुनावी दौरे के बीच में बहुत कुछ बदल गया हो, लेकिन स्थिति कमोबेश वैसे की वैसे ही है। 2020 में मोगा के बधनीकलां की स्टेज पर कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू धुर विरोधी के रूप में मौजूद थे। तो 2022 में कैप्टन की जगह भले ही चरणजीत सिंह चन्नी ने संभाल ली हो, लेकिन सिद्धू अभी भी मुख्यमंत्री के विरोधी बनकर स्टेज पर मौजूद रहेंगे। राहुल के सामने एक बार फिर मुख्यमंत्री और सिद्धू के बीच में संतुलन बनाने की जिम्मेदारी होगी। हालांकि 2020 में सिद्धू के पास कोई पावर नहीं थी, लेकिन 2022 में सिद्धू कांग्रेस के प्रदेश प्रधान हैं।

दोनों ही नेता चुनाव प्रचार में अपने-अपने चेहरे को आगे कर रहे हैं। चन्नी और सिद्धू की खींचतान का असर कांग्रेस की रणनीति पर भी साफ देखने को मिल रहा है, क्योंकि भले ही पार्टी का कंपेन प्लान अभी तैयार न हुआ हो, लेकिन दोनों नेता अपना-अपना कंपेन चला रहे हैं।

जालंधर में प्रवीण कुमार ने कांग्रेस छोड़ शिवसेना समाजवादी का दामन थामा, पार्टी में मिली पंजाब स्पोर्ट्स सेल की जिम्मेदारी

जालंधर (एजेंसी) जालंधर में कांग्रेस से जुड़े प्रवीण कुमार सम्राट ने पार्टी को अलविदा कह कर शिवसेना समाजवादी का दामन थाम लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय चेयरमैन एडवोकेट रूबी भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश चेयरमैन नरेंद्र थापर मुख्य अतिथि के

रूप में शामिल हुए। इसी तरह पार्टी के युवा चेयरमैन जरनैल सिंह, प्रदेश सचिव अश्वनी बंटी, सुनील कुमार, सुनीता अरोड़ा, स्वीटी तथा सुनील अहीर विशेष रूप से शामिल हुए।

इस दौरान नरेंद्र थापर ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश भारद्वाज के नेतृत्व में राज्य भर में पार्टी का विस्तार किया जा रहा है। जिसके तहत जिला, शहरी तथा ब्लॉक स्तर पर कमेटियों का गठन करके संगठन को मजबूत किया जा रहा है। शिवसेना समाजवादी का दामन थामने के बाद प्रवीण कुमार सम्राट को प्रदेश स्पोर्ट्स सेल की जिम्मेदारी दी गई। इस पर प्रवीण सम्राट ने पार्टी के साथ समर्पित भाव से कार्य करने का विश्वास दिलाया। इस मौके पर राजेंद्र सिंह राजू, जस्सा अलीपुरिया, विजय कनौजिया, विनोद कुमार, रोबिन गिल, चंद्र प्रधान, मंगा मॉडल हाउस, अखिलेश कुमार, राजेश कुमार, राजन कुमार, महिला विंग की प्रदेश प्रधान रेनू, इलू देवी, जसविंदर, प्रीति, सुमन व परमजीत कौर मौजूद थे।

इसके साथ ही उन्हें क्लब की नई टीम तैयार करने का अधिकार भी दिया है। क्लब के मौजूदा अध्यक्ष डा. अंबूज सूद की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह घोषणाएं की गई। क्लब के चेयरमैन अमृतपाल सिंह लूथरा ने कहा कि कोरोना काल के दौरान क्लब की तरफ से मानवता की सेवा के लिए कई प्रयास किए गए। इस मौके क्लब सचिव रोटेरियन जतिन दत्ता, हरप्रीत सिंह सूरी, हरदीप सिंह सिडाना, सौरभ नरूला, अनिल सलवान, बब्बू सिडाना व गुरिंदर भाटिया मौजूद रहे।

किसान संगठनों की राजनीति में एंट्री, पंजाब चुनाव में बनेगा पांचवां कोण किस दल पर क्या पड़ेगा असर

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब की सियासी रणभूमि में अब तक कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल-भाजपा गठजोड़ आमने-सामने की लड़ाई का लुत्फ लेते रहे। मतदाताओं ने पिछले चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के रूप में लड़ाई का तीसरा कोण भी देखा था। इस बार शिअद और भाजपा के रिश्ते में आई दरार और कैप्टन अमरिंदर सिंह के अपनी पार्टी बनाकर भाजपा के साथ जाने के बाद लड़ाई समकोणीय हो गई थी, लेकिन 25 किसान संगठनों ने शनिवार को संयुक्त समाज मोर्चा बनाकर पांचवां कोण बनने की कोशिश की है।

निश्चित रूप से तीन कृषि कानूनों को लेकर चले आंदोलन में सभी किसान संगठन एक प्लेटफार्म पर आए हैं और लोगों की सहानुभूति उनके साथ रही है, लेकिन राजनीतिक रूप से विभिन्न विचारधाराओं में बंटे किसान संगठन क्या चुनावी राजनीति में भी लोगों की वही सहानुभूति प्राप्त कर पाएंगे या उनका हाल भी मनप्रीत बादल की पंजाब पीपल्स पार्टी (पीपीपी) जैसा होगा। इस सवाल का उत्तर अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन एक बात तो निश्चित है कि किसानों के चुनावी मैदान में आने से कई समीकरण बदल जाएंगे। ज्यादा नुकसान नहीं भारतीय जनता पार्टी का तो पहले से ही ग्रामीण वर्ग में कोई आधार नहीं है, इसलिए उसका ज्यादा नुकसान नहीं होगा। भाजपा का पहले ही किसान बेल्ट में विरोध है। उसका मुख्य वोट बैंक शहरों में ही है। वोट बैंक में बड़ी सेंध जट्ट सिख किसानी वोट बैंक में सबसे बड़ा आधार शिरोमणि अकाली दल का है, लेकिन उनके ये वोटर पंथक तौर पर भी पार्टी से जुड़े हैं। उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होने वाला है कि वह पंथक पार्टी के पास जाएं या किसानी मोर्चे की ओर। अकाली नेताओं ने किसानों के चुनाव लड़ने के इरादों को पहले ही भांप कर अपनी लड़ाई पंथक बना ली है।

यदि वह इस वोट बैंक को अपनी ओर लाने में कामयाब नहीं हुए तो सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं को होने वाला है। बड़ा झटका कांग्रेस का भी ग्रामीण सेक्टर में अच्छा आधार है। गांवों की धड़ेबंदी के चलते उन्हें अच्छा खासा वोट बैंक यहां से मिलता है। पांच एकड़ तक की जमीन वाले किसानों का दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ करके वह इस वोट बैंक को हासिल करने की आस लगाए बैठी है। चिंता की बातआम आदमी पार्टी को भी पिछले चुनाव में अच्छा खासा वोट किसानों का मिला था, लेकिन पार्टी अपने निशाने पर पूरी नहीं उतर सकी और 20 में से 11 विधायक या तो पार्टी को छोड़ गया या राजनीति से ही बाहर हो गए। पार्टी के पास ग्रामीण सेक्टर में वैचारिक काडर वोट भी नहीं है। किसानों का मोर्चा आप को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन एक बात साफ है कि किसानों का मोर्चा बनने से पंजाब में राजनीतिक समीकरण अब एक बार फिर से बदलेंगे।

किसान नेता व संयुक्त किसान मोर्चा की को-आर्डिनेशन कमेटी के सदस्य दर्शन पाल ने 25 किसान संगठनों के चुनाव लड़ने के फैसले पर कहा, मुझसे यह लिखवा कर ले लो जो पालिटिक्स में जाएंगे, वह न किसान नेता रहेंगे, न आंदोलनकारी कहलाएंगे और न ही सियासत में कुछ योगदान दे सकेंगे। मेरे ख्याल से अब किसान आंदोलन बुरी तरह नीचे आएगा और जो आज राजनीति में जा रहे हैं, वह अर्श से फर्श पर गिरेंगे। हमारे सयुंक्त किसान मोर्चे में से कुछ जत्थेबंदियों के मुंह से लार टपकने लगी है। इनका भी मन होने लगा है कि हम भी मंत्री बन जाएं। हमारी जत्थेबंदी का एलान है कि हम आंदोलन का रास्ता ही अपनाएंगे, क्योंकि आंदोलन के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। दर्शन पाल ने कहा, अगर तीन कानून वापस हुए हैं, तो आंदोलन से हुए हैं। अगर कर्जो पर लकीर लगेगी तो आंदोलन से लगेगी। अगर एमएसपी मिलेगी तो आंदोलन से मिलेगी। असेंबली में चाहे कोई भी चला जाए.. वह एमएलए वहां एमएसपी नहीं दिला सकता और न ही कर्जे माफ करवा सकता है।

किसान रेल रोको आंदोलन : पंजाब में 180 ट्रेनों का आवागमन प्रभावित, सात स्थानों पर बैठे 1670 किसान

जालंधर (एजेंसी) बीती 20 दिसंबर से किसान मजदूर संगठन समिति का रेल रोको आंदोलन पंजाब भर में रेलगाड़ियों के आवागमन को बुरी तरह से प्रभावित किए हुए है। रविवार को एक बार फिर से 113 ट्रेनों को रद्द कर देना पड़ा।

रद्द की गई ट्रेनों में 63 मेल अथवा एक्सप्रेस ट्रेनें एवं 50 पैसेंजर ट्रेनें शामिल थीं। इसके अलावा 35 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेटेड (गंतव्य से पहले रोकी) कर देना पड़ा और 32 ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजनेटेड (गंतव्य से पहले रवाना) किया गया। कुल मिलाकर पंजाब भर में 180 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। किसान मजदूर संघर्ष समिति की तरफ से 20 दिसंबर से व्यास अमृतसर रेल खंड पर जंडियाला-मानावाला के मध्य जालंधर-पठानकोट रेल खंड पर टांडा उड़मड़, अमृतसर खेमकरण रेलखंड पर तरनतारन फिरोजपुर बठिंडा रेल खंड पर फिरोजपुर यार्ड में, फिरोजपुर लुधियाना रेल खंड पर मोगा में, फाजिल्का कोटकपूरा रेलखंड पर एवं जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन में ट्रैक के ऊपर धरना दिया हुआ है। रेलवे की तरफ से उपलब्ध करवाई गई जानकारी के मुताबिक जंडियाला मानावाला के मध्य लगभग 800 किसान, टांडा

उड़मड़ में 400, तरनतारन में 50, फिरोजपुर में 50, मोगा में 60, फाजिल्का में 250 एवं जालंधर छावनी में लगभग 60 किसान धरने पर बैठे हैं। मोगा एवं फाजिल्का में 22 दिसंबर को धरना शुरू किया गया, जबकि जालंधर छावनी में 23 दिसंबर से धरना शुरू हुआ था। जालंधर-अमृतसर एवं जालंधर-पठानकोट समेत अमृतसर खेमकरण एवं फिरोजपुर यार्ड 20 दिसंबर से बाधित है। रेल ट्रैक बाधित होने की वजह से देश के अन्य राज्यों से फिरोजपुर मंडल की तरफ आने वाली ट्रेनों को विभिन्न जगहों पर शॉर्ट टर्मिनेटेड किया जा रहा है। जिस वजह से यात्रियों को गंतव्य से पहले स्टेशन पर उतरना पड़ रहा है। ऐसे यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वजह यह है कि बाहरी यात्रियों को पंजाब के भीतर चलने वाली बस सेवा को लेकर कोई ज्यादा जानकारी नहीं है। यात्री सामान उठाकर बस में ढूंढने को मजबूर हैं अथवा कई यात्रियों को टैक्सी भी करनी पड़ रही है। पंजाब से बाहरी राज्यों की तरफ जाने वाली ट्रेनों को फिरोजपुर, जम्मू, पठानकोट, जालंधर, अमृतसर की बजाए लुधियाना, अंबाला, दिल्ली आदि से ही शॉर्ट ओरिजनेटेड (गंतव्य से पहले ही रवाना) किया जा रहा है। पूर्व में इन ट्रेनों में सफर के लिए बुकिंग करवा चुके पंजाब के यात्रियों को अब यह पता नहीं चल पा रहा है कि संबंधित ट्रेन के स्टेशन से रवाना हो रही है।

एक नज़र

दस साल से बदहाल सत्ताधारी नेता के आवास की ओर जाने वाली सड़क

मानपुर (गया)। डाकथान-चपरदह सड़क के दोनों तरफ दस साल पूर्व से कई मोहल्ला बसा है। करीब चार हजार घर बना है। लोग सपरिवार रह रहे हैं। इन लोगों को पेयजल व बिजली तो पर्याप्त मिल रही है। लेकिन आने-जाने की समस्या दस साल से है। इसी मार्ग में सत्ताधारी दल के नेताओं का आवास है। फिर भी यह मार्ग जर्जर है। बारिश में यहां चार चक्के का क्या कहना दो चक्के वाले वाहन से भी पहुंचना मुश्किल हो जाता है। उक्त मार्ग के पक्कीकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को अनेकों वार आवेदन दिया गया। विधान सभा में भी इस मार्ग का मामला उठाया गया। फिर भी अब तक सड़क जर्जर है। मजबूरन लोग रोजाना गड्ढे में

तब्दील सड़क से आना-जाना कर रहे हैं। अशोक कुमार सिंह ने कहा कि डाकथान-चपरदह मार्ग को गिट्टी-मोरम बिछाकर 12 साल पूर्व बनाया गया था। लेकिन आज इसका नामोनिशान नहीं है। सड़क पर जहां-तहां बड़े-बडे गड्ढे हैं। नगर निगम के अधिकारियों से कई बार सड़क बनाने के लिए लिखित आवेदन दिया गया। लेकिन आज तक पहल नहीं हुई। उपेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि बारिश होते ही डाकथान-चपरदह की सड़क पर वाहन को छोडिए, पैदल चलना काफी मुश्किल हो जाता है। इस सड़क को बनाने के लिए मोहल्ला वासियों ने डीएम से लेकर सीएम तक गुहार लगाई। विधान सभा में भी मामला उठा। इसके बावजूद सड़क नहीं बनी। सुदामा पासवान ने कहा कि डाकथान-चपरदह मार्ग पर छोटे-बड़े वाहन प्रतिदिन काफी संख्या में गुजरती है। सड़क में बने गड्ढ़े से हर वक्त दुर्घटना होते रहता है। गड्ढ़े को कई बार चंदा इकट्ठा कर बनाया गया है। पर कुछ दिनों बाद स्थिति पूर्ववत हो जाती है। अभय कुमार सिंह ने कहा कि हमलोगों की सबसे बड़ी समस्या आने-जाने की है। सड़क तो है लेकिन काफी जर्जर है। कच्चा मार्ग होने से काफी धूल उड़ते रहता है। इस कारण मोहल्लावासी सदा परेशान रहते हैं। पक्कीकरण न होने से परेशानी बनी है।

एक कार के 23 खरीदार, सात लाख रुपए की कार के वसूल लिए 70 लाख

पटना/देवरिया (एजेंसी) । एक कार के 23 खरीदार। टाटा कंपनी की टियागो कार की एक्स शोरूम कीमत पटना में पांच से सात लाख के बीच है। पटना में इस कार के टॉप माडल की आन रोड कीमत (सभी टैक्स और इंश्योरेंस का खर्च जोड़कर) करीब आठ लाख रुपए है। ये तो हुई शोरूम से ली गई नई कार की बात, लेकिन पटना में इसी कार का एक पुराना माडल 70 लाख रुपए में बिक गया। पटना की इस कार की अनोखी कहानी का पर्दाफाश यूपी के शहर देवरिया में जाकर हुआ। यह पूरा मामला विश्वाघात और ठगी की नजीर है। उत्तर प्रदेश के बिहार से लगते शहर देवरिया में सदर कोतवाली पुलिस ने शनिवार की रात एक टाटा टियागो कार के ड्राइवर को गिरफ्तार किया। यह कार बिहार की राजधानी पटना के मालसलामी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। कार को चुराने वाला कोई और नहीं, बल्कि इसका ड्राइवर ही था। दरअसल, यह कार मालसलामी थाना क्षेत्र के मारूफगंज निवासी सन्नी पांडेय की थी। उनके घर में पार्किंग के लायक जगह नहीं होने के कारण यह कार ड्राइवर के पास ही रहती थी। कार को इसी मुहल्ले का शशिभूषण उर्फ वीरू चलाता था। वह कार को अपने घर में खड़ा करता था और जरूरत पड़ने पर मालिक के पास लेकर

जाता था। बताया जा रहा है कि 28 नवंबर को कार मालिक ने अपने ड्राइवर को ढूंढा तो उसका कुछ पता नहीं चला। वे उसे ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच गए, लेकिन वह घर पर भी नहीं मिला। कार भी घर पर मौजूद नहीं थी। ड्राइवर का मोबाइल भी बंद बता रहा था। कार मालिक ने अपनी कार और ड्राइवर को काफी खोजा। कुछ पता नहीं चलने पर उन्होंने इसकी सूचना थाने को दी। बताया जा रहा है कि इस पुरानी कार को बेचने के लिए कार के ड्राइवर ने 23 लोगों से सौदा कर लिया। उसने इन लोगों ने अलग-अलग करीब 70 लाख रुपए वसूल कर लिए, लेकिन कार किसी को नहीं दी। इस बीच कार के लिए पैसे देने वाले लोगों ने कार मालिक को ढूंढ निकाला। कार खरीदने के लिए पैसा देने वाले कई लोग कार मालिक के घर पहुंच गए। ये सभी लोग कार और ड्राइवर को ढूंढते हुए देवरिया पहुंचे। यहां कार के साथ ही ड्राइवर भी मिल गया। देवरिया कोतवाली थाने के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि गाड़ी को सीज कर लिया गया है।

दो दिनों बाद लौटा देंगे, वैशाली में यह कहकर जवान बेटी को ले गए गुंडे, फिल्मों के विलेन भी इनके सामने फेल

जंदाहा (वैशाली) (एजेंसी) । वैशाली (हाजीपुर) जिले के जंदाहा प्रखंड में अपराध की ऐसी कहानी सामने आई है, जिसे सुनकर आपको फिल्मों की कहानी भी फेल नजर आएगी। यहां एक जवान लड़की को गांव के ही कुछ दबंग परिवार के सामने ही जबर्दस्ती उठा ले गए। बेटी की चीख-पुकार सुनकर परिवार वाले उसे बचाने पहुंचे तो बदमाशों ने कहा कि चुपचाप घर चले जाओ, लड़की को दो दिनों में लौटा देंगे। हल्ला करोगे तो गोली मार देंगे। दो दिन बाद लड़की की मां

अपनी बेटी को वापस लाने गई तो उसे डांटकर भगा दिया गया। इस दौरान बदमाश लड़की के साथ दुष्कर्म करते रहे। युवती की मां के इस सनसनीखेज बयान ने पुलिस के माथे पर पसीना ला दिया है, वहीं आम लोग भी हैरान हैं। बहरहाल, पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई है। जंदाहा प्रखंड के तिसीऔता थाना क्षेत्र की एक नहर से रविवार को एक युवती का शव बरामद किया गया है। युवती की मां ने उसकी पहचान कर ली है। युवती बीते सोमवार की देर शाम से घर से गायब थी। उसकी मां ने कुछ दबंगों पर बेटी के अपहरण का आरोप लगाया था। उसने कहा, वह उनसे गुहार लगाती रह गई, पर उन लोगों ने मार डाला। मां ने थाने में आवेदन देकर चार नामजद व छह अज्ञात पर अपहरण व हत्या का आरोप लगाया है। नहर में शव की सूचना पर थानाध्यक्ष प्रभुनाथ यादव दलबल सहित पहुंचे तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने जैसे ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की कि स्वजन व स्थानीय लोग मौके पर अधिकारियों को बुलाने की मांग करते हुए शव को उठाने नहीं दिया। फिर घर के समीप ही जंदाहा-कुशहर मुख्य मार्ग पर शव रख कर आवागमन रोक दिया। लोग सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगा रहे हैं और आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। देर रात तक जाम नहीं हटा है। युवती की मां ने पुलिस को बताया कि बीते सोमवार की शाम आरोपित जबरन उनकी पुत्री को ले जा रहे थे। पुत्री के शोर मचाने पर जब स्वजन पहुंचे तो जाति सूचक गाली देते हुए गोली मारने की धमकी दी तथा पिस्टल लहराते हुए उसको ले गए।

टोंक जेल चौथ बसूली मामला

सरकारी दस्ताबेजो मे फेर बदल करने पर मुकदम्मा दर्ज

ओपन सर्च. संवाददाता

माधोपुर। टोंक जिला जेल मे हवालाती बंदियों से चौथ बसूली के मामले मे एक और नया मोड़ आ गया है जहाँ उस मामले कि जाँच अभी जारी है और गिरफ्तारिया भी शुरू कि जा चुकी हैं वहीं मामले का खुलासा करने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्रसिंह तोमर उर्फ़ राजा भईया भी हाथ धो कर इस मामले के पीछे पड़ गए हैं और वह दोषियो कों सजा दिलाने मे कोई कमी या कसर नहीं छोड़ना चाहते इस पूरे प्रकरण मे वो पहले भी कोर्ट के आदेश से जेल के कैदीयो व जेल अधिकारियो के बिरुद्ध थाना कोतवाली टोंक मे मुकदम्मा नंबर 293/2020 दर्ज करा चूके हैं उसके बाद उनकी शिकायत पर एक मुकदम्मा खुद आई जी जेल आलोक बशिष्ट भी मुकदम्मा नंबर 130/2021 थाना कोतवाली टोंक मे अलग से दर्ज करा चूके हैं जिन पर कार्यबाही चल ही रही हैं और हाल ही मे एक गिरफ्तारी भी इस मामले मे हुई हैं इसी बीच इस केस ने अब एक नया मोड़ ले लिया हैं एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर राजा भईया ने CJM कोर्ट टोंक के आदेश से एक और नई एफ आई आर नंबर 416/2021 थाना कोतवाली टोंक के तत्कालीन थानाधिकारी SHO किशन यादव जाँच अधिकारी ASI प्रभु सिंह राजाबात व कमन्फ्यूटर अपरेटर FIR दर्ज कर्ता सिपाही के बिरुद्ध जेल चौथ बसूली की पूर्व मे दर्ज कराई उनकी FIR मे व सरकारी दस्ताबेजो मे

आरोपियों से मिल कर उन्हें लाभ पहुँचाने के लिए फेर बदल करने पर भादस की धारा 166 ,167, 218, 409, 465, 466, 201,120बी, 34 के तहत दर्ज कराई हैं आज पत्रकारों कों इस बाबत जानकारी और दर्ज FIR की प्रतियां देते हुए एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर ने बताया की उनके द्वारा पूर्व मे कोर्ट आदेश से थाना कोतवाली टोंक मे FIR नंबर 293/2020 दर्ज की गई थी जिसमे काफी सारे तथ्यों कों तोड़ मरोड़ कर लिखा गया था और काफ़ी तथ्यों कों उनके लिखें इसतगासे अनुसार लिखा ही नहीं गया था और कुछ तथ्य पुलिस ने अपनी मर्जी से ही FIR मे जोड़ कर लिख दिए थे जो उनके इस्तगासे मे थे ही नहीं इससे FIR के ज्यादातर तथ्य ही बदल गए थे और जिसका सीधा लाभ बाद मे आरोपियों कों मिलने की पुरी पुरी संभावना हैं ये सारा गोरख धंदा जेल मे चौथ बसूली के आरोपियों कों बचाने के लिए उन से मिल कर तत्कालीन कोतवाली टोंक के SHO किशनलाल यादव संबंधित FIR दर्जकर्ता कमन्फ्यूटर आपरेटर और जाँच अधिकारी ASI प्रभुसिंह राजावत ने किया था जिसका पता लगते ही एडवोकेट तोमर ने इनकी शिकायते 21/9/2020 कों आई जी पी अजमेर एस पी टोंक व थाना अधिकारी टोंक से लिखित मे कर दी थी उसके बाद भी उन्होंने दो बार इस बाबत शिकायते मुख्यमंत्री सहित डी जी पी, व अन्य बरिष्ठ पुलिस अधिकारियो व एस पी टोंक से लिखित मे की थी पर कोई कार्यबाही नहीं की गई क्योंकि तीनो आरोपी स्वम पुलिसकर्मी थे मजबूरन उन्होंने इस बाबत पिछले दिनों फिर से CJM कोर्ट टोंक मे धारा 156/3 दप्रस. के तहत इस्तगशा पेश कर मुकदम्मा दर्ज कराने की गुहार लगाई अदालत ने सभी तथ्यों का और दस्ताबेजो का अवलोकन करने के पश्चात और एडवोकेट राजेंद्रसिंह तोमर की दलीले सुनने के बाद बर्तमान थाना अधिकारी टोंक कों आदेशित करते हुए उपरोक्त धाराओं के तहत उपरोक्त असरोपियों के बिरुद्ध मुकदम्मा दर्ज कर जाँच उच्च अधिकारी से कराने के आदेश पारित किये है कोर्ट आदेश के बाद थाना कोतवाली टोंक मे एक नई FIR नंबर 416/2021 भादस की भिन्न भिन्न उपरोक्त धाराओं के तहत दर्ज कर इस प्रकारण की जाँच CO टोंक सलेह मोहम्मद कों सौप दी गई हैं ये बड़ी बात हैं की कोई ब्यक्ति कभी जिस थाने मे SHO रहा हो और थानेदार उसी थाने मे एक आरोपी रूप मे उस पर मुकदम्मा दर्ज हो जाये पर इस बात से ये तो साबित होता हैं की क़ानून सबके लिए बराबर है अब देखना होगा की ये मामला क्या रंग लता है क्या इतना सब होने के बाबजूद भी दोषियों कों सजा मिलेगी या नहीं!

क्रिसमस मनाने में लालू परिवार भूला इतना बड़ा हादसा, तेजस्वी यादव या तेज प्रताप किसी ने नहीं खोला मुंह

पटना (एजेंसी) । लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में सरकार से कम महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विपक्ष की भी नहीं होती। बिहार में प्रमुख राजनीतिक पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के बड़े नेताओं के व्यवहार ने एक बार फिर से विरोधियों को सवाल उठाने का मौका दे दिया है। दरअसल, रविवार को राज्य के मुजफ्फरपुर शहर में एक बड़ा हादसा हुआ। राज्य सरकार के कम से कम दो मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन और रामसूरत राय ने घटनास्थल का जायजा लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घटना पर शोक जताया, जांच और कार्रवाई के साथ ही पीड़ितों को मदद का आश्वासन दिया, लेकिन इस बड़ी घटना पर लालू परिवार के प्रमुख चेहरों ने मुंह तक नहीं खोला। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की हाल में ही शादी हुई है। वे अपनी पत्नी रेचल उर्फ राजश्री के साथ कुछ दिनों पहले दिल्ली चले गए थे। उनके विदेश जाने की तैयारियों की चर्चा थी। बिहार और देश से जुड़े सभी प्रमुख मसलों पर प्रखरता से अपनी बात रखने वाले तेजस्वी ने मुजफ्फरपुर हादसे पर एक शब्द नहीं बोला है। उनके ट्विटर अकाउंट से आखिरी ट्वीट क्रिसमस की बधाई का है। खुद लालू यादव के ट्विटरर हैंडल से आखिरी ट्वीट पांच दिन पहले

जाति जनगणना को लेकर किया गया था। तेज प्रताप यादव भी क्रिसमस की बधाई देने के बाद कोई ट्वीट नहीं किए हैं। इस बीच इंटरनेट मीडिया पर उनका एक वीडियो जरूर सामने आया, जिसमें वे ट्रेन में बैठकर यात्रा करते दिखाई दे रहे हैं। वे ट्रेन में ही भोजन का आनंद ले रहे हैं। इस वीडियो के साथ बताया गया है कि तेज प्रताप नए साल की खुशियां मनाने बिहार से बाहर रवाना हो चुके हैं। मुजफ्फरपुर हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे तमाम नेता मुजफ्फरपुर हादसे पर शोक जता चुके हैं। यह हादसा इतना भयावह हुआ था कि मृतकों की पहचान करना तक मुश्किल हो रहा है।

बंगला, गाड़ी सब है मगर आमदनी का जरिया नहीं, नवादा के इन शातिरों तक नहीं पहुंच पाता इनकम टैक्स

नवादा (एजेंसी) । एक वक्त था, जब लोग बंगला, गाड़ी, हीरे-सोने के जेवरात तो दूर की बात है, चांदी के बर्तन भी चोरी-छिपे खरीदते थे। ऐसे अमीरों को चोरों से ज्यादा डर इनकम टैक्स विभाग से होता था। मगर बिहार में कुछ ऐसे शातिर भी हैं, जो इनकम टैक्स के नजरों से कोसों दूर हैं। यह यूं कहें, वहां तक इनकम टैक्स की नजर ही नहीं जाती। हैरानी इस बात की है कि वे मकान, वाहन सब कैश में खरीदते हैं मगर उनके पास रुपये कहां से आए, इसका पता लगाने वाला कोई नहीं होता। नवादा जिले के वारिसलीगंज, पकरीबरावां, रोह थाना क्षेत्र के कुछ गांवों में कई लोगों के मकान अचानक आलीशान हो गए। बहुमंजिला मकान और उसकी खूबसूरती ऐसी कि शहरों के मकान भी उसके आगे फीके हो जाएंगे।

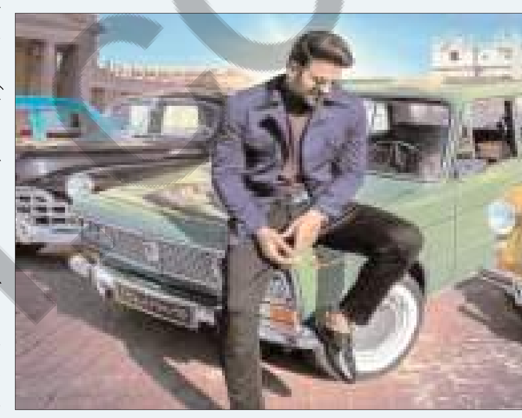

घरों के आगे लग्जरी और कीमती वाहन शोभा बढ़ा रहे। लेकिन ऐसे गृहस्वामियों की आमदनी का जरिया..., यह स्थानीय लोगों के लिए रहस्य है। घरों में न कोई नौकरी-पेश वाला, न ही कोई इंड्रस्टी का मालिक। बावजूद रातोंरात मालामाल हो रहे हैं। उनकी शानो-शौकत देख ग्रामीण हतप्रभ हैं। उन्हें भी पता है कि यह काली कमाई का खेल है। क्षेत्र में पांव जमा चुके साइबर अपराधियों ने यह संपत्ति अर्जित की है। साइबर माफिया के भय से ग्रामीण खुलकर कुछ नहीं बोलते, लेकिन दबी जुबान से स्वीकार करते हैं कि इलाका दूसरा जामताड़ा बन चुका है। पुलिस या फिर आर्थिक अपराध इकाई इस मामले में गंभीरता से काम करे तो गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है।

साइबर अपराध में काली कमाई और गिरोह के सदस्यों की चकाचौंध देख अब युवतियां भी इस ओर रुख करने लगी हैं। कई लोगों को फोन पर अब युवतियों की आवाज सुनने को मिलती है, जो खुद को कस्टमर केयर, बैंक अधिकारी आदि बताते हुए ग्राहकों को फंसाने का काम करती हैं। हालांकि अभी तक किसी भी युवती की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे यह आधिकारिक रूप से कहा जाए कि युवतियां साइबर अपराध की दुनिया में कदम रख रही हैं। लेकिन लोगों को आने वाले फोन काल इस ओर इशारा जरुर करते हैं।

वारिसलीगंज के विभिन्न गांवों में पांव जमाने के बाद साइबर माफिया अब जिले के दूसरे थाना क्षेत्रों के गांवों में युवाओं को जोडने़ लगे हैं। हाल के महीनों में हुई गिरफ्तारी पर गौर करें तो स्थिति साफ हो जाएगा। अकबरपुर, शाहपुर, रोह, नवादा नगर, पकरीबरावां, काशीचक आदि थाना क्षेत्रों से भी साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। हैलो गिरोह से जुड़े सदस्य जिले के विभिन्न गांवों में पैर जमाने के मूड में है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस की लगतार दबिश के बाद हैलो गिरोह से जुड़े लोग काली कमाई को सफेद करने में जुटे हुए हैं। संपन्न पंचायत चुनाव में कई लोगों ने भाग्य की आजमाईश भी की। चुनाव में पानी की तरह पैसे बहाए गए। पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि चकवाय में 17 साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद एक मुखिया का नाम भी सामने आया है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस इसका सत्यापन करने और सबूत इकट्ठा करने में जुटी हुई है।

करोड़ों की लागत से बनी इमारतें तबेले में तब्दील, जिला परिषद की जमीन पर बने हैं भवन

सुपौल (एजेंसी) । नगर स्थित विभिन्न वार्डों में करोड़ों की लागत से बनी इमारतें विभागीय उदासीनता के कारण बेकार हो रही हैं। संबंधित विभाग और अधिकारी बेपरवाह हैं। नतीजा बनकर तैयार इमारत हस्तांतरण से पूर्व ही ध्वस्त होने के कगार पर है । इसे विभागीय लापरवाही कहा जाए या सिस्टम का दोष हालात यह है कि जिस उद्देश्य के लिए भवन का निर्माण किया गया वह तो साकार हो नहीं रहा लेकिन कहीं अवैध कब्जा है तो कहीं मवेशियों का जमावड़ा हो रहा है। नगर के वार्ड संख्या 12 में तकरीबन एक करोड़ की लागत से वर्ष 2012 में जिला परिषद की भूमि पर दो मंजिला पब्लिक रेस्ट हाउस ग्रामीण कार्य प्रमंडल सुपौल के द्वारा बनाया गया । पब्लिक रेस्ट हाउस के निर्माण एजेंसी की मानें तो तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पब्लिक रेस्ट हाउस हैंड ओवर नहीं लिया गया। विडंबना है कि पब्लिक रेस्ट हाउस निर्माण के नौ वर्ष बीत गए ड्क्षकतु किसी भी अधिकारी का ध्यान इस रेस्ट हाउस को हस्तांतरण कराने की ओर नहीं

गया। रेस्ट हाउस के ग्राउंड फ्लोर में एक विद्यालय ने कब्जा जमाया है तो वहीं उपरी मंजिल एक दबंग की देखरेख में है। यही हाल उच्च विद्यालय निर्मली के परिसर में बने गर्ल्स हास्टल का है । लाखों की लागत से बना दो मंजिला गर्ल्स हास्टल संबंधित अधिकारी एवं प्रधानाध्यापक को अब तक हस्तांतरण नहीं हो पाया है। बालिकाओं के लिए बना हास्टल के ग्राउंड फ्लोर में जिमखाना चल रहा है और ऊपरी मंजिल में उच्च विद्यालय निर्मली का बेकार पड़ा कंप्यूटर सामग्री रखा है । प्रखंड क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियां नगर के निजी आवास में किराए पर रहकर पढ़ाई कर रही है। ड्क्षकतु नगर में बना गर्ल्स हास्टल लड़कियों के किसी काम का नहीं है। नगर के वार्ड संख्या 7 के प्रखंड मुख्यालय स्थित बना टाउन हाल नगर पंचायत को हस्तांतरण नहीं किया गया है। टाउन हाल के संवेदक ने तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी को टाउन हाल हैंड ओवर कर अपना पल्लू झाड़ लिया।

फिर नियमानुसार अनुमंडल पदाधिकारी को निर्मित टाउन हाल विधिवत रूप से नगर पंचायत निर्मली को हैंड ओवर करना था जो आज तक नहीं हुआ है। नतीजा खूबसूरत सा बना टाउन हाल जर्जर स्थिति में है। देखरेख के अभाव में हाल की खिड़की दरवाजे टूट गए हैं । परिसर जंगल में तब्दील हो गया है। टाउन हाल में मवेशियों का जमावड़ा होने लगा है।

बिहार में जीतनराम मांझी की पार्टी ने दी सरकार गिराने की धमकी- हमारे चार विधायक हटे तो राम-राम जपने लगेगा एनडीए

पटना (एजेंसी) । ब्राह्मणों व हिंदू धर्म के खिलाफ दिए गए हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के बयान के बाद से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब भारतीय जनता पार्टी कोटे से बिहार सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने मांझी को राजनीति से संन्यास लेकर राम-राम जपने की

सलाह दे दी है। इसपर हम प्रवक्ता दानिश रिजवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि नीरज सिंह बबलू कौन होते हैं मांझी जी को कुछ सलाह देने वाले इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय पर भी निशाना साधा। उन्होंने यह भी कह डाला कि अगर हम अपने चार विधायक हटा ले तो एनडीए के ये नेता सड़क पर आकर राम-राम जपने लगेंगे। दानिश रिजवान ने कहा कि नीरज सिंह बबलू को बोलने से पहले उम्र का ध्यान रखना चाहिए। वे किसके बारे में क्या बोल रहे हैं, इसका ध्यान रखना चाहिए। हिम्मत है तो वे पीएम मोदी पर बोलें, जो कई सभाओं में उल्टा-सीधा बोलते रहे हैं। क्या उन्हें भी घर में बैठने को कहेंगे वे कैलाश विजयवर्गीय को बोलें, जिन्होंने सेकुलर को जानवर से बदतर बता दिया था। पहले उन लोगों से माफी मंगवाएं। मांझी ने तो माफी मांग लिया है। दानिश रिजवान ने यह भी कहा कि अगर वे अपने चार विधायक हटा लें तो मंत्री बने फिर रहे एनडीए के नेता रोड पर चले आएंगे और राम-राम जपने लगेंगे। मंत्री का तमगा एक मिनट में हट जाएगा। बता दें कि जीतनराम मांझी ने बीते दिनों पटना में एक कार्यक्रम के दौरान ब्राह्मणों व हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बातें कही थीं।

बिहार में फिर से जानलेवा हुआ कोरोनावायरस, पटना एम्स में भर्ती महिला की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार में कोरोनावायरस फिर से जानलेवा बन गया है। संक्रमण के नए केस दिसंबर महीने में लगातार बढ़ते गए हैं, वहीं मरीजों की मौत का सिलसिला भी तेज हो गया है। पटना के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में रविवार को कोरोना संक्रमित 53 वर्षीया महिला की इलाज के क्रम में मौत हो गई। वे 17 दिसंबर से एम्स में भर्ती थीं। कोरोना के कारण सांस लेने में परेशानी की समस्या पर उन्हें भर्ती कराया गया था। कोरोना के अलावा उन्हें कोई दूसरा रोग नहीं था। एम्स के कोरोना नोडल पदाधिकारी डा. संजीव कुमार ने यह जानकारी रविवार को दी। इसके पूर्व एम्स में 15 दिसंबर, दो दिसंबर को नेहरू नगर निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग और इसके बाद पटना के बोरिंग रोड निवासी 88 वर्षीय रिटायर्ड आइएएस अधिकारी की मौत हो चुकी है। दिसंबर माह में एम्स में यह कोरोना के कारण चौथी मौत है। वहीं, 12 दिसंबर को आइजीआइएमएस में पटना के मानसपथ पटेल नगर की 45 वर्षीय महिला और 16 दिसंबर को पारस में पटेल नगर निवासी एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है। डा. संजीव कुमार ने बताया कि सराय निवासी महिला की हालत कई दिनों से गंभीर बनी हुई थी। उन्हें आइसीयू में रखा गया था। कोरोना के कारण उन्हें सांस लेने में काफी तकलीफ थी और आक्सीजन स्तर भी कम बना हुआ था। उन्हें हाइपरटेंशन, मधुमेह, किडनी या हृदय जैसे किसी रोग से पीड़ित नहीं थीं। हालांकि, एम्स से यह जानकारी नहीं मिल सकी है।

जीतन राम मांझी के ब्राह्मण भोज में बवाल, फोटो सेशन के चक्कर में थाली पर ही गिरे लोग

पटना (एजेंसी) । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के ब्राह्मण-दलित एकता भोज में हंगामा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे कुछ लोगों ने मांझी के बयान के विरोध में हंगामा किया। इसके बाद मांझी समर्थकों ने उन्हें खदेड़कर बाहर कर दिया। आवास परिसर के बाहर भी मांझी समर्थकों के साथ विरोध कर रहे लोगों की झड़प हुई। इसके बाद कुछ लोगों ने मीडिया के सामने बयान दिया कि मांझी समर्थकों ने भोज में बुलाकर अपमान किया है। उन्हें धक्के देकर आवास से बाहर निकाला गया है। इस बीच मांझी की पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच मांझी ने आमंत्रित लोगों के साथ बैठकर चूड़ा-दही-गुड़ और सब्जी खाई। मांझी के सरकारी आवास पर सोमवार को दोपहर 12:30 बजे ब्राह्मण-दलित एकता भोज का आयोजन किया गया था। पहले केवल पंडितों को ही भोज में

शामिल होने का न्योता दिया गया था। शर्त थी कि जो मांस-मदिरा का सेवन ना करते हों और कभी चोरी डकैती ना की हो वह शामिल हो सकते हैं। बाद में थोड़ा परिवर्तन किया गया है। दलितों को भी इसमें जोड़ा गया। इसके बाद भोज से पहले मीनू सामने आ गया था। चूड़ा-दही और तिलकुट के साथ बिना लहसुन-प्याज की सब्जी भोज में परोसी गई। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी के सरकारी आवास पर आयोजित भोज के लिए बड़ा पंडाल बनाया गया था। भोज में आने वाले लोगों के लिए चनपटिया का चूड़ा, दही, गुड़ और गया के तिलकुट के साथ दिया गया। इसके अलावा आलू-मटर की सब्जी भी थी, जिसे बिना लहसुन-प्याज के बनाया गया था। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) प्रवक्ता दानिश रिजवान ने बताया कि ब्राह्मण समाज के नाम पर संगठन चलाने वाले लोग कल तक प्रदर्शन कर यह कह रहे थे, मांझी के यहां भोजन करेंगे। अब जब उन्हें ब्राह्मण-दलित एकता भोज में बुलाया जा रहा है, तो लोगों से न जाने की अपील कर रहे हैं।

तोक्यो में मीराबाई का रजत सुनहरा पल, लेकिन ओलंपिक में भारोत्तोलन का भविष्य अनिश्चित

नई दिल्ली (एजेंसी) । रियो से तोक्यो तक मीराबाई चानू के हार नहीं मानने के जज्बे ने 2021 में भारतीय भारोत्तोलन को ओलंपिक रजत पदक के रूप में उसका सबसे यादगार तोहफा दिया लेकिन प्रशासन और डोपिंग संबंधी बरसों से चली आ रही समस्याओं के कारण ओलंपिक में इस खेल का भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। रियो ओलंपिक में 2016 में एक भी वैध लिफ्ट में नाकाम रहने के बाद आंसुओं के साथ विदा लेने वाली मीराबाई ने तोक्यो में ऐतिहासिक रजत पदक जीतकर उन जख्मों पर मरहम लगाया। कोरोना महामारी के कारण ओलंपिक एक साल टलने से उनकी तैयारियां बाधित हुई लेकिन इच्छाशक्ति पर असर नहीं पड़ा।

क्लीन और जर्क में नये विश्व रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अप्रैल में एशियाई चैम्पियनशिप में नये राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने क्लीन और जर्क में 119 और स्नैच में 86 किलो वजन उठाया। मीराबाई के पास अब एशियाई खेलों को छोड़कर सारे बड़े टूर्नामेंटों में पदक है। तोक्यो ओलंपिक में पहले ही दिन उन्होंने भारत का खाता खोला तो सारे देश में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। रियो खेलों से पहले ओलंपिक रिंग के छल्लों के आकार के अपनी मां के दिये बूंदे पहनने हुए मीराबाई ने 49 किलोवर्ग में रजत पदक जीता। मणिपुर में इम्फाल से 20 किलोमीटर दूर एक छोटे से गांव में गरीब परिवार में जन्मी मीराबाई का बचपन आसपास की पहाड़ियों से लड़कियां काटकर या तालाब से कैन में पानी भरकर बीता।

उन्होंने ओलंपिक में 202 किलो वजन उठाकर इतिहास रचा। ओलंपिक में भारोत्तोलन में सिडनी ओलंपिक 2000 में कर्णम मल्लेश्वरी के कांस्य पदक के बाद भारत का यह पहला पदक था। भारत के लिये भारोत्तोलन में चुनौती पेश करने वाली मीराबाई अकेली थी। वहीं भविष्य का सितारा माने जा रहे जेरेमी लालरिंनुंगा के लिये यह साल मिला जुला रहा।

वह 67 किलोवर्ग में एशियाई चैम्पियनशिप के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर सके। मिजोरम के इस युवा ने हालांकि साल के आखिर में राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिये भी क्वालीफाई कर लिया। मई में जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले अचिंता शेउली (73 किलो) ने भी क्वालीफाई किया।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन में कोविड-19 मामलों में अचानक बढ़ोतरी

बीजिंग (एजेंसी) । चीन में अगले साल फरवरी में आयोजित होने वाले बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले कोरोना वायरस के मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। देश में कोविड-19 के 206 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 158 स्थानीय स्तर पर संक्रमण के मामले हैं। देश के स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि कोरोना वायरस के नए मामलों में से 157 मामले शानक्सी और एक मामला गुआंगशी प्रांत में सामने आया। `श में 2022 में चार फरवरी से 20 फरवरी तक बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन होना है। इससे पहले मामलों में बढ़ोतरी ने चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी संक्रमण को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। चीनी अधिकारियों ने ओमीक्रोन से संक्रमण के पहले मामले की जानकारी 13 दिसंबर को दी थी। यह मामला तियानजिन शहर में सामने आया था। इसके बाद देश में ओमीक्रोन संक्रमण के कई मामले सामने आए। आयोग ने बताया कि चीन में संक्रमण के 2,011 उपचाराधीन मामले है, जिनमें से नौ की हालत गंभीर है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई और 76 मरीजों को शनिवार को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। चीन में अभी तक संक्रमण के 1,01,077 मामले सामने आए हैं और 4,636 लोगों की इससे मौत हो चुकी है।

एशेज तीसरा टेस्टः पहले दिन का खेल समाप्त, ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट खोकर 61 रन बनाए

मेलबर्न (एजेंसी) । जो रूट के नेतृत्व में पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने मेलबर्न क्रिकेट मैदान में यहां 65.1 ओवर में दस विकेट खोकर 185 रन बनाए। पहले दिन के खेल में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 16 ओवर में एक विकेट खोकर 61 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मार्क्स हैरिस (20) और नॉथन ल्यॉन (0) दूसरे दिन मैच की शुरुआत करेंगे। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज हैरिस और डैविड वार्नर ने पारी की शुरुआत करते हुए 57 रनों की शानदार साझेदारी की। इसके बाद इंग्लैंड तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के ओवर में वार्नर 42 गेंदों में 38 रन की पारी खेलते हुए आउट हो गए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने अपनी आक्रामक गेंदबाजी से इंग्लैंड टीम के शुरुआती तीन बल्लेबाजों को आउट करते हुए 15 ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज हासिब हामिद (0), जैक क्रॉली (12) और डैविड मलान (14) को आउट किया। वहीं, गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने भी इंग्लैंड कप्तान जो रूट (50) और जॉनी बेयरस्टो (35) को आउट कर दो विकेट अपने नाम किए। गेंदबाज नॉथन ल्योन ने जॉस बटलर, ओली रॉबिन्सन और जैक लीच को वापस पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 14.1 ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट झटके। बता दें, तीसरे टेस्ट में यहां आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था। स्कोर संक्षिप्तः इंग्लैंडः 185/10य जो रूट (50 आउट)य पैट कमिंस (3/36), नॉथन ल्योन (3/36)। ऑस्ट्रेलियाः 61/1य डैविड वार्नर (38)य जेम्स एंडरशन (1/14)।

स्टोक्स में वह आक्रामकता नहीं दिख रही जिससे विरोधी टीमें डरती थीः पोंटिंग

मेलबर्न (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बेन स्टोक्स में वह आक्रामकता नजर नहीं आ रही जिससे विरोधी टीमें भयभीत रहती थी और मौजूदा एशेज श्रृंखला में वह जरूरत से ज्यादा रक्षात्मक खेल दिखा रहे हैं। पोंटिंग ने बॉक्सिंग डे टेस्ट की पहली पारी में आसानी से विकेट गंवाने के लिये इंग्लैंड के कप्तान जो रूट , स्टोक्स और जोस बटलर की आलोचना की। इंग्लैंड श्रृंखला में 0.2 से पीछे है। पोंटिंग ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, ''वह अति रक्षात्मक खेल रहा है। वह स्टोक्स दिख ही नहीं रहा जिसकी आक्रामक भाव भंगिमा से विरोधी टीमें डर जाती थी।'' उन्होंने कहा, 'इसका कारण समझ में आता है। एक तो बल्लेबाजी के लिये हालात अनुकूल नहीं है और दूसरा उसका सामना बेहतरीन गेंदबाजों से हो रहा है।'' पोंटिंग ने कहा कि स्टोक्स को इंग्लैंड को संकट से निकालने के लिये पारंपरिक रवैये को छोड़ना होगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि आप चुपचाप हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते। ऐसे में तो ये गेंदबाज दबाव बना ही लेंगे। जब मैं खेलता था तब टीम में हम अक्सर कहते थे कि जितना अच्छा गेंदबाज होगा , उतना ही जोखिम बल्लेबाज को लेना होगा क्योंकि कोई खराब गेंद नहीं मिलने वाली।'' उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से स्टोक्स पर दबाव बढ गया है। उन्होंने कहा, ''पांचवें नंबर पर उतरकर उसे पता है कि उसका रन बनाना कितना जरूरी है। इसीलिये वह अतिरिक्त प्रयास कर रहा है। लेकिन उससे कमजोर तकनीक वाले बल्लेबाजों को उससे ऊपर भेजना समझ से परे है।मुझे लगता है कि जो रूट के बाद तकनीकी रूप से स्टोक्स दूसरा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है।''

ईपीएलः मैनचेस्टर सिटी, चेलसी, आर्सनल जीते

मैनचेस्टर (एजेंसी) । कोरोना वायरस मामलों के कारण कई मैच स्थगित होने के बीच प्रीमियर लीग फुटबॉल में 'बॉक्सिंग डे' पर खेले गए पांच मैचों में 26 गोल किये गए हालांकि खिताब की दौड़ के समीकरण इससे बदले नहीं है। मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर पर 6.3 से जीत दर्ज की। गत चैम्पियन टीम की बढत अब छह अंक की हो गई है। दूसरे स्थान पर काबिज लिवरपूल का लीड्स के खिलाफ मैच कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित कर दिया गया। चेलसी ने एस्टोन विला को 3.1 से हराया जिसमें उसके स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने भी गोल दागा। चेलसी और लिवरपूल के अब समान अंक हैं। उनसे छह अंक पीछे आर्सनल है जिसने नॉर्विच को 5.0 से हराया। टोटेनहम ने क्रिस्टल पैलेस को 3.0 से मात दी और अब वह आर्सनल से छह अंक ही पीछे है। कोरोना पायरस से जुड़े मामलों और बर्फबारी के कारण मैच स्थगित होने से वेस्ट हैम अब पांचवें स्थान से नीचे खिसक गया है। उसे साउथम्पटन ने 3.2 से हराया। कोरोना मामलों के कारण लीड्स और एस्टोन विला का मैच और वोल्वरहैम्पटन और आर्सनल का मैच स्थगित कर दिया गया।

रहाणे को उपकप्तान से हटाए जाने से उनका बोझ कम हुआ रू संजय बांगर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने अजिंक्य रहाणे की प्रशंसा की है। साथ हीए उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज ने सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन उपकप्तानी से मुक्त होने के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। रहाणे ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन शानदार शुरुआत की और वह दिन का खेल खत्म होने तक 40 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरानए उन्होंने आठ चौके लगाए और अंतिम सत्र में सेंचुरियन केएल राहुल के साथ 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। टीम में उनकी जगह सवालों के घेरे में थीए

क्योंकि वह दक्षिण अफ्रीका दौरे की अगुवाई में टेस्ट टीम की उपकप्तानी से हटाए गए थे। हालांकिए टीम प्रबंधन ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए रहाणे पर विश्वास जताया था और प्लेइंग इलेवन में जगह दी थी। बांगर ने स्टार स्पोर्ट्स को बतायाए वास्तव में कभी.कभी कुछ घटनाएं आपको राहत दे जाती है। ऐसा ही रहाणे के साथ हुआ है। उनको उपकप्तान से हटाए जाने के बाद उनका बोझ को थोड़ा कम हुआ है। उन्होंने कहाए उन्हें उपकप्तानी से हटाए जाने के बाद उन्होंने अभी तक अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने सभी खराब गेंदों पर बाउंड्री लगाया है। बांगर के अनुसारए रहाणे अपनी पारी की शुरुआत तेज करना पसंद करते हैं। उनकी पारी राहुल द्रविड़ की पारी की शुरुआत करने के तरीके से काफी मिलता.जुलता है। क्योंकि वह पारी की शुरुआत में जल्द ही 20 रन बनाना पसंद करते थे ताकि उन पर दबाव न पड़े। यही कारण है कि रहाणे भी उनकी तरह एक समान पैटर्न से खेलते हैं। सभी पारियों में जहां वह सफल रहे हैंए उन्होंने कुछ इसी तरह से शुरुआत की है।

कोविड के खौफ में इंग्लैंड की टीम, टेस्ट का दूसरा दिन 30 मिनट की देरी से शुरू

मेलबर्न (एजेंसी) । एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरे दिन देरी से शुरू हुआ। बताया गया कि कुछ सहयोगी स्टाफ और उनके परिवार को दो सदस्य कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साफ किया है कि मेलबर्न टेस्ट के दौरान सामने आए कोविड-19 मामलों के बावजूद एशेज सीरीज में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल की शुरुआत आधे घंटे की देरी से हुई क्योंकि इंग्लैंड टीम के स्टाफ में चार कोविड मामले आने के बाद खिलाड़ियों समेत पूरे स्टाफ का रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाया गया। खिलाड़ियों के टेस्ट निगेटिव आने के बाद बस को जाने की मंजूरी मिली और 11 बजे खेल शुरू हो सका। खेल में केवल 30 मिनट की देरी हुई, और सभी सेशन आधे घंटे आगे कर दिए गए।

ऐसा तब हुआ जब सीए ने इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्यों और उनके परिवार के दो सदस्यों के कोविड पॉजिटिव होने की पुष्टि की। दिन का खेल खत्म होने के बाद इंग्लैंड की पूरी टीम का पीसीआर टेस्ट होगा, लेकिन तीसरा टेस्ट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा। अगर आगे नए मामले सामने आते हैं तो पिछले साल आईसीसी द्वारा बनाए गए सबस्टीट्यूट नियम का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने जल्द ही बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे सत्र के दौरान ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को जल्द ढेर कर दिया। गेंदबाज अब तक टीम के आठ बल्लेबाजों को आउट करने में सफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क क्रीज पर बने हुए हैं।

इंग्लैंड टीम के गेंदबाज जिमी एंडरसन ने चार विकेट हासिल किए, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मार्चस हैरिस (76), स्टीव स्मिथ (16), डेविड वार्नर और कप्तान पैट कमिंस का विकेट शामिल है। ओली रॉबिन्सन भी टीम के लिए सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने नाथन लियोन (10) और ट्रैविस हेड (27) का विकेट हासिल किया। संक्षिप्त स्कोरः ऑस्ट्रेलियाः 85 ओवर में 254/9य मार्क्स हैरिस (76)य जेम्स एंडरशन (4/29)। इंग्लैंडः 65.1 ओवर में 185/10य जो रूट (50 आउट)य पैट कमिंस (3/36), नॉथन ल्योन (3/36)।

एशेजः कोरोना के खतरे के बीच आस्ट्रेलिया को पहली पारी में बढत

मेलबर्न (एजेंसी) । इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्यों के पॉजिटिव पाये जाने के कारण तीसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को खेल देरी से शुरू हुआ लेकिन आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बढत बना ली। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकली ने कहा कि मौजूदा कार्यक्रम में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है जिसके तहत जनवरी में सिडनी और होबार्ट में अगले दो टेस्ट खेले जाने हैं।

उन्होंने कहा, ''हमें शांत रहने की जरूरत है। चिकित्सा सलाह और प्रोटोकॉल का पालन करते रहना जरूरी है।'' मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर आस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 61 रन से आगे खेलते हुए चाय तक छह विकेट पर 200 रन बना लिये। उसे पहली पारी में 15 रन की बढत मिल गई है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 185 रन बनाये थे। पहले दिन बल्लेबाजी में निराश करने वाली इंग्लैंड टीम ने गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से वापसी की।लंच से पहले आस्ट्रेलिया ने नाथन लियोन (10), मार्नस लाबुशेन (1) और स्टीव स्मिथ (16) के विकेट गंवा दिये। सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस (76) ने ट्रेविस हेड (27) के साथ 60 रन की साझेदारी की। हेड स्लिप में जो रूट को कैच देकर आउट हुए। इसके दस रन बाद हैरिस ने जेम्स एंडरसन की गेंद पर विकेट गंवाया। एंडरसन ने 19 ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिये। चाय के समय कैमरन ग्रीन 12 और एलेक्स कारी नौ रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इंग्लैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया था, ''इंग्लैंड टीम और प्रबंधन इस समय टीम होटल में आरएफ्टी कोरोना जांच के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि टीम के परिजनों के समूह में एक पॉजिटिव मामला आया है।'' क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बाद में एक बयान में कहा, ''क्रिकेट आस्ट्रेलिया को बताया गया है कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्य और उनके परिजनों में से दो सदस्य कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं।'' इसमें आगे कहा गया, ''वे पृथकवास में हैं। इसके बाद सारे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया और सब नेगेटिव आये हैं। इंग्लैंड क्रिकेट टीम का भी पीसीआर टेस्ट कराया गया। दोनों टीमें खेलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतेंगी।'

भारतीय टीम में अलग अलग कप्तान बनाए जाने को लेकर शास्त्री ने दिया बयान

मुंबई (एजेंसी) । क्रिकेट के अलग अलग प्रारूपों में अलग अलग कप्तान बनाए जाने को लेकर भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की कप्तानी को परखने का सही तरीका है। उन्होंने कहा कि इस महामारी में एक ही कप्तान को तीनों प्रारूपों को संभालना आसान नहीं है। कोहली के टी20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ने के बादए शर्मा को इस प्रारूप का कप्तान बनाया गया। दक्षिण अफ्रीका के लिए भारतीय टेस्ट टीम के रवाना होने से ठीक पहलेए शर्मा को वनडे का भी कप्तान नियुक्त कर दिया गया था। शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स के शो बोल्ड एंड ब्रेव पर कहाए मुझे लगता है कि यह उनके कौशल को जाने का सही तरीका है। यह विराट और रोहित के लिए एक वरदान साबित हो सकता हैए क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इस महामारी में किसी एक कप्तान द्वारा तीनों प्रारूपों को संभालना आसान है। शास्त्री ने आगे कहाए दोनों ही काफी अच्छे कप्तान हैंए लेकिन हम

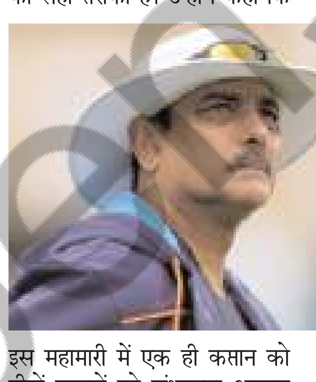

जीतने के लिए खेलना चाहते हैं। हमने बहुत जल्दी महसूस किया कि जीतने के लिए 20 विकेट लेने की जरूरत है।

इसलिए हमने आक्रामक और निडर क्रिकेट खेलने का फैसला किया। शास्त्री को 2019 के बाद से एक सलामी बल्लेबाज के रूप में टेस्ट क्रिकेट में शर्मा को ओपनिंग कराने का श्रेय भी दिया जाता है। इस बारे में पूर्व मुख्य कोच ने बतायाए मेरे दिमाग में यह बहुत स्पष्ट था कि मैं शर्मा से ओपनिंग कराना चाहता हूं। मैंने सोचा कि अगर मैं एक बल्लेबाज के रूप में उनसे सर्वश्रेष्ठ नहीं निकाल सकता तोए मैं एक कोच के रूप में असफल हूंए क्योंकि वह बहुत अधिक प्रतिभावान खिलाड़ी हैं।

सुनील गावस्कर ने बताया भारतीय हेड कोच के तौर पर रवि शास्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या रही

नई दिल्ली (एजेंसी) । रवि शास्त्री के टीम इंडिया के हेड कोच रहते भारतीय टीम ने कई सफलता हासिल की। हालांकि इस दौरान टीम इंडिया ने कोई भी आइसीसी खिताब अपने नाम नहीं किया, लेकिन क्रिकेट की तीनों प्रारूपों में इस टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद उनका कार्यकाल बतौर हेड कोच खत्म हो गया था और अब वो टीम के साथ नहीं हैं। अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बताया कि उनके हेड कोच रहते भारतीय टीम की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या रही।

गावस्कर ने रवि शास्त्री के कोंचिंग काल की सबसे बड़ी हाईलाइट के बारे में बात करते हुए साल 2020-21 के आस्ट्रेलिया दौरे को याद किया। इस दौरे पर भारतीय टीम एडिलेड टेस्ट मैच में (डे-नाइट) पहली पारी में सिर्फ 36 रन पर आलआउट हो गई थी, लेकिन फिर से जिस तरह से इस टीम ने वापसी की और टेस्ट सीरीज भी जीती वो कमाल का था। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि शास्त्री ने जिस तरह के भारतीय खिलाड़ियों को मोटिवेट किया वो कमाल का था।

गावस्कर ने कहा कि जब भारतीय टीम 36 रन पर आलआउट हो गई थी तब शास्त्री ने जिस तरह से खिलाड़ियों को प्रेरित किया वो गजब का था। इतन कम स्कोर के

बाद भी टीम इंडिया ने जिस तरह से वापसी की और फिर सीरीज में जीत दर्ज की उस पर चर्चा जरूर की जानी चाहिए। अमूमन इस तरह की स्थिति में आने के बाद टीम अपना विश्वास खो देती है, निराश हो जाती है और वो हार मान लेती है। मैंने कहीं पढ़ा था कि शास्त्री ने भारतीय टीम से कहा था कि इस 36 रन के स्कोर को एक बैज की तरह से पहनो। गावस्कर ने कहा कि कोहली पहले मैच के बाद चले गए थे और फिर अजिंक्य रहाणे ने कप्तानी की थी। रहाणे की कप्तानी शानदार रही थी और खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन योगदान दिया था। एक वक्त ऐसा भी आया जब कई मुख्य भारतीय खिलाड़ी टीम में नहीं थे, लेकिन उनके नहीं रहते हुए युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन दमदार रहा था और टीम को टेस्ट सीरीज में जीत मिली थी। इस जीत से पता लगता है कि रवि शास्त्री पर टीम के युवा खिलाड़ियों का कितना ज्यादा प्रभाव था।

एशेजः इंग्लैंड टीम में कोविड की आशंका से दूसरे दिन शुरूआत में विलंब

मेलबर्न (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को खेल की शुरूआत में आधा घंटे का विलंब हुआ क्योंकि इंग्लैंड खेमे में कोरोना संबंधित मामले की आशंका थी।

इंग्लैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया, ''हमारे खिलाड़ियों को खेलने की मंजूरी मिल गई है और वे सभी मैदान पर हैं।'' खेल स्थानीय समयानुसार सुबह 10.30 पर शुरू होना था। इंग्लैंड के पहली पारी के 185 रन के जवाब में आस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे। इससे पहले इंग्लैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया था, ''इंग्लैंड टीम और प्रबंधन इस समय टीम होटल में आरएफ्टी कोरोना जांच के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि टीम के परिजनों के समूह में एक पॉजिटिव मामला आया है।'' क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बाद में एक बयान में कहा, ''क्रिकेट आस्ट्रेलिया को बताया गया है कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्य और उनके परिजनों में से दो सदस्य कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं।

इस बल्लेबाज ने 4 शतक के साथ विजय हजारे ट्राफी में सबसे ज्यादा रन बनाए और भारतीय वनडे टीम के लिए ठोकी दावेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्राफी 2021 का खिताब हिमाचल प्रदेश ने पहली बार अपने नाम किया और फाइनल मुकाबले में इस टीम ने तमिलनाडु को हराया।

इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत बेशक हिमाचल प्रदेश को मिला, लेकिन सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महाराष्ट्र के बल्लेबाज रितुराज गायकवाड़ पहले नंबर पर रहे। रितुराज गायकवाड़ के लिए ये साल काफी अच्छा रहा है और

पहले आइपीएल 2021 में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे तो वहीं विजय हजारे टूर्नामेंट में भी उन्होंने ऐसा ही कमाल किया। रितुराज गायकवाड़ को इस साल श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई थी और इस दौरे के दौरान उन्होंने भारत के लिए डेब्यू करते हुए दो टी20 मैच भी खेले। इसके बाद सीएसके के लिए आइपीएल के यूएई लेग में उन्होंने गजब की बल्लेबाजी और इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाते हुए आरेंज कैप भी अपने नाम किया। अब एक बार फिर से विजय हजारे ट्राफी में अपने जानदार प्रदर्शन से उन्होंने भारतीय वनडे टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश कर दी।

विजय हजारे टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी, लेकिन टीम के ओपनर बल्लेबाज रितुराज ने महज पांच मैचों में ही कमाल कर दिखाया। उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में 150.75 की बेहतरीन औसत के साथ 603 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान 4 शतक लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 112.92 का रहा। इस टूर्नामेंट में उनकी बेस्ट पारी 168 रन की रही।

पांच मैचों में उन्होंने 51 चौके और 19 छक्के जड़े। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए वनडे टीम का एलान किया जाना है। ऐसे में रितुराज ने अपने प्रदर्शन के दम पर अपनी दावेदारी पेश कर दी है। अब उनका चयन टीम में होता है या नहीं या फिर अगर वो टीम में चयनित हो जाते हैं तो क्या वो प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाएंगे, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि शिखर धवन की भी वनडे टीम में वापसी हो सकती है।

विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जोकोविच का एटीपी कप में खेलने का संशय बरकरारः रिपोर्ट

मेलबर्न (एजेंसी) । विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का अगले सप्ताह यहां होने वाले एटीपी कप (1-9 जनवरी) में हिस्सा नहीं लेने पर अभी भी संशय बरकरार है। सर्बिया के स्थानीय अखबार ने इसकी रिपोर्ट दी। जोकोविच का नाम एटीपी कप के लिए सर्बिया टीम में था। हालांकि, 34 वर्षीय

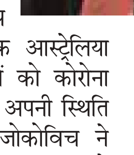

खिलाड़ी ने अब तक आस्ट्रेलिया ओपन के आयोजकों को कोरोना टीकाकरण को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जोकोविच ने निजता का हवाला देकर यह बताने से इंकार किया है कि उन्होंने टीका लगवाया है या नहीं। सर्बिया की टीम एक से नौ जनवरी तक होने वाले एटीपी कप में नार्वे, चिली और स्पेन के साथ ग्रुप-ए में है। टूर्नामेंट के बाद 17 जनवरी से वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियन ओपन होना है। अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि आस्ट्रेलियन ओपन के इस सीजन में जोकोविच खेलेंगे या नहीं। वहीं दूसरी ओर, ओपन-2022 का पहला ग्रैंड स्लैम शुरू होने में 22 दिन बाकी हैं। दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव सिडनी में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं, जिससे वह भी एटीपी कप से बाहर हो गए हैं। बता दें कि, नोवाक जोकोविच लगातार तीन साल से आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतते आ रहे हैं। उन्होंने अब तक 20 ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए हैं और इनमें से 9 खिताब उन्होंने आस्ट्रेलिया में जीते हैं।

सुष्मिता सेन ने ब्रेक-अप के बाद की, खुश रहने के लिए रिस्क लेने की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व ब्यूटी क्वीन सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने प्रेमी रोहमन शॉल के साथ ब्रेक-अप की घोषणा की है। सुष्मिता सेन ने शनिवार को एक क्रिप्टिक मैसेज सोशल मीडिया पर शेयर किया। सुष्मिता ने लिखा कि उनका रिश्ता लंबा था। दोनों अब भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। सेन ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक क्लोज-अप तस्वीर साझा की और लिखा कि खुश रहने के लिए जीवन में जोखिम उठाना पड़ता है और यह आसान बात नहीं है। अभिनेत्री ने तस्वीर के कैप्शन के साथ लिखा कि जीवित रहने के लिए जोखिम उठाने के लिए साहस लगता है, खुश रहने के लिए गट्स लगते हैं, आप लोगों में गट्स हैं, मुझपर विश्वास करिए। हम सब में है, किसी और को कोई और बात बताने मत दीजिए। मैं आपसे प्यार करती हूं। दुग्गादुग्गा। वर्क फ्रंट की बात करें तो सुष्मिता सेन को हाल ही में राम माधवानी द्वारा निर्देशित अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या के दूसरे सीजन में देखा गया था। **(एजेंसी)**

यशा रुघनी कभी कभी इत्तेफाक से में अपने किरदार को लेकर की बात

टीवी अभिनेत्री यशा रूघानी आगामी डेली सोप कभी कभी इत्तेफाक से में दिखाई देंगी। अभिनेत्री गुनगुन भटनागर का एक जटिल किरदार निभाने के बारे में बात करती है। वह कहती है कि गुनगुन एक ऐसा चरित्र है जो बहुत ही अनोखा, बहुत अलग और बहुत दुर्लभ है। यह अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है जिसे मैं निभाने जा रही हूं। गुनगुन जैसे लोगों को अक्सर गलत समझा जाता है। फिर भी, वह एक अच्छे दिल वाली है। उसके पास संघर्षों का अपना एक हिस्सा है और वह अपनी भावनाओं के लिए काफी सुरक्षात्मक है जो उसे चित्रित करने के लिए एक बहुत ही कठिन चरित्र बनाती है। साथ ही साथ हालांकि, वह कोई है जो इस पीढ़ी से संबंधित है। 29 वर्षीय अभिनेत्री ने इस किरदार को पर्दे पर निभाने के लिए की गई विभिन्न तैयारियों के बारे में आगे बताया। जैसा कि मैंने कहा, मैं जो किरदार निभा रही हूं वह नियमित लोगों से काफी अलग है जो हम अक्सर देखते हैं। मैं किरदार में व्यवहारिक समानताएं और तरीके खोजने की कोशिश कर रही है जिससे मैं चरित्र से संबंधित हो सकती हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से एकमात्र बच्ची हूं और वास्तव में लाड़ प्यार के बीच रही हूं और ऐसा ही गुनगुन के साथ भी है, इसलिए मैं उन समानताओं को अपने और उसके बीच खींचने की कोशिश कर रही हूं। यह पूछे जाने पर कि दर्शक शो से कैसे जुड़ेंगे और उनके लिए क्या खास है, उन्होंने जवाब दिया अभी बहुत कुछ है! बहुत प्यार है, जो आप अपने परिवार के प्रति महसूस करते हैं और ढेर सारी हंसी है। शो खुशियों से भरा है और किसी भी नकारात्मकता का कोई अंश नहीं। यह किसी के जीवन में रिश्तों के महत्व के बारे में है। **(एजेंसी)**

सलमान ने शाहरुख के साथ फिल्म करने की संभावना जताई

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने सोमवार को कहा कि ऐसी संभावना है कि वह और उनके करीबी दोस्त सुपरस्टार शाहरुख खान एक साथ एक फिल्म में नजर आएं। ये दोनों कलाकार, उनकी आगामी फिल्मों 'टाइगर 3' और 'पठान' में पहले की भूमिकाओं से आगे के किरदार निभाते नजर आएंगे। यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) की ष्टाइगर 3ष् जासूसी एक्शन-थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला संस्करण है, जिसमें सलमान और कैटरीना कैफ एजेंट टाइगर और जोया के रूप में अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाते दिखेंगे। फिल्म में इमरान हाशमी भी खलनायक के रूप में नजर आएंगे। वाईआरएफ शाहरुख अभिनीत एक्शन फिल्म ष्पठानष् का भी निर्माण कर रही है, जिसमें सलमान एक विस्तारित कैमियो भूमिका में होंगे। ऐसी खबरें हैं कि दोनों फिल्में प्रोडक्शन हाउस के 'जासूसी जगत' का हिस्सा हैं जो आखिर में अपने नायकों को एक फिल्म में साथ लाएगा। अपने पनवेल फार्महाउस के बाहर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान, सलमान ने कहा कि ष्टाइगर 3ष् दिसंबर 2022 तक रिलीज होगी। साथ ही उन्होंने अपने और शाहरुख के किसी अन्य फिल्म के लिए साथ काम करने की संभावना का संकेत भी दिया। अभिनेता ने संवाददाताओं से कहा, 'हम 'टाइगर' और 'पठान' में साथ आ रहे हैं। 'टाइगर 3' दिसंबर 2022 तक रिलीज होगी, 'पठान' उससे पहले रिलीज होगी। तब हो सकता है कि फिर हम दोनों साथ आएं। **(एजेंसी)**

गिरते-गिरते बचीं मलाइका अरोड़ा, कार से उतरते ही हाई हील ने दिया धोखा

मलाइका अरोड़ा बीती रात करिश्मा कपूर के घर पार्टी मे पहुंचीं। इस पार्टी में मलाइका और उनकी पूरी गैंग शामिल हुई। मलाइका अर्जुन कपूर के साथ यहां पहुंची थीं। कार जैसे ही करिश्मा के घर के आगे पहंची, मलाइका के साथ एक हादसा होते-होते बचा। मलाइका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया है, जिसमें वह अपनी कार से उतरती नजर आ रही हैं। मलाइका हाई हील में हैं और जैसे ही कार से नीचे पैर रखती हैं, उनका पैर बुरी तरह से मुड़ जाता है। हालांकि, अगले ही पल मलाइका खुद को संभाल भी लेती हैं। वीडियो में मलाइका अपने पैर मुड़ने की वजह भी बता रही हैं। मलाइका कहती नजर आ रही हैं कि गाड़ी ढलान पर खड़ी है। इसी ढलान की वजह से मलाइका के साथ बड़ा हादसा होते-होते बचा। बता दें कि करिश्मा कपूर के घर हुई इस पार्टी में करीना भी अपनी पूरी फैमिली के साथ पहुंची थीं। इसके अलावा मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा भी इस पार्टी का हिस्सा बनीं। करिश्मा के घर यह यह पार्टी डबल सेलिब्रेशन का मौका था। दरअसल क्रिसमस के साथ ही यह कोविड-19 से फाइट जीतने का सेलिब्रेशन भी था। हाल ही में करीना और अमृता दोनों कोरोना से संक्रमित हई थीं और पिछले

हरनाज कौर संधू ने बताया कैसे लड़के को करना चाहेंगी डेट? होनी चाहिए ये क्वालिटीज

मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू ने बताया है कि उन्हें किस तरह के लड़के पसंद हैं। हाल ही में लंबे वक्त बाद भारत के लिए मिस यूनिवर्स का क्राउन जीतकर लाई हरनाज कौर से पूछा गया कि एक पावरफुल रईस आदमी और एक संघर्षपूर्ण युवा आदमी में से वो किसे चुनेंगी? इसके

जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वह एक युवा और स्ट्रगलिंग आदमी को चुनेंगी। मालूम हो कि हरनाज कौर संधू 21 साल के बाद भारत के लिए मिस यूनिवर्स का ताज जीतकर लाई हैं। हरनाज से जब पूछा गया कि खुद से ज्यादा उम्रदराज लेकिन पैसे वाले, और खुद से कम उम्रदराज लेकिन संघर्षपूर्ण शख्स में से वो किसे चुनेंगी तो उनका जवाब साफ था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं एक युवा और संघर्षपूर्ण शख्स को चुनना चाहूंगी। कारण ये है कि मैंने खुद भी बहुत ज्यादा स्ट्रगल किया है और संघर्ष करती रहूंगी। हरनाज ने कहा, एक इंसान के तौर पर मैं मानती हूं कि संघर्ष करना जरूरी है, क्योंकि उसके बाद ही आप अपनी उपलब्धियों का सम्मान कर पाते हैं। बता दें कि हाल ही में एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में हरनाज ने कहा था कि बात अगर अभिनय की दुनिया में कदम रखने की होगी तो वह कोई सामान्य अभिनेत्री नहीं बनना चाहती हैं। हरनाज ने कहा, उन्होंने कहा कि वह एक प्रभावशाली एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। **(एजेंसी)**

83 के प्रदर्शन पर बोले रणवीर सिंह, अपने देश के प्रति कर्तव्यबद्ध महसूस किया

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह को लगता है कि 1983 विश्व कप भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहनकर उन्होंने दर्शकों को नॉकआउट 83 प्रदर्शन देने के लिए प्रेरित किया है। वह गर्व महसूस करते हैं कि उन्हें भारतीय जर्सी पहनने का सम्मान मिला है और उन्हें खुशी है कि फिल्म दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। रणवीर ने कहा, मैंने अपने देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने, योगदान करने और एंकरिंग करने की जिम्मेदारी की गहरी भावना महसूस की है। यह हमारे इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है, एक उपलब्धि जिसे हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां इसे जानें और महसूस करें। अपने देश पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मैंने अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबद्ध महसूस किया, एक ऐसी फिल्म को रचनात्मक रूप से आगे बढ़ाने और सशक्त बनाने के लिए जो हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। रणवीर ने 1983 क्रिकेट टीम के मूल क्रिकेटरों के प्रति कर्तव्य की भावना भी महसूस की, जिन्होंने कबीर खान के निर्देशन के लिए राष्ट्रीय पोशाक पहनकर वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा, मैंने 1983 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ियों को उनकी महान उपलब्धि को फिर से बनाने, उनका प्रतिनिधित्व करने और चित्रित करने के लिए कर्तव्यबद्ध महसूस किया और संघर्ष के बाद भारतीय सिनेमा के लिए उचित रूप से और भारतीय सिनेमा के लिए कर्तव्यबद्ध तरीके से सिनेमाई प्रस्तुतीकरण को सही ठहराया। मनोरंजन व्यवसाय चल रहा है और एक ऐसी फिल्म देने के लिए जो लोगों को सिनेमाघरों में वापस लाती है, यह हमारी फिल्मों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, एक ऐसी फिल्म जो हमारे देश की विविध संस्कृतियों को क्रिकेट और फिल्मों के बंधन में जोड़ती है। रणवीर एक शेपशिफ्टर हैं, जो बैंड बाजा बारात, गोलियों की रासलीला राम लीला, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, सिम्बा, गली बॉय और 83 जैसी फिल्मों में अलग अलग अंदाज में नजर आए है। रणवीर अगली बार वाईआरएफ की जयेशभाई जोरदार, शंकर की ब्लॉकबस्टर अन्नियां की रीमेक और रोहित शेट्टी की सर्कस में दिखाई देंगे। **(एजेंसी)**

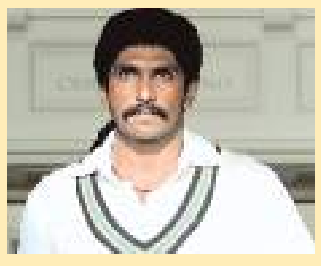

सलमान खान के जन्मदिन पर कटरीना कैफने दी बधाई

सलमान खान का आज जन्मदिन है। 27 दिसंबर को भाईजान ने अपना 56वां बर्थडे सेलिब्रेशन पनवेल फार्महाउस पर बीती रात दोस्तों और अपनों के साथ मनाया। तमाम लोग उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी। ऐसे में नई नवेली दुल्हन कटरीना कैफ भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने भी ऐक्टर को इस खास दिन पर बधाइया दीं। कटरीना कैफ ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने सलमान खान की ब्लैक एंड व्हाइट फोटो लगाई। हैप्पी बर्थडे का एक कलरफुल जिफ अटैच किया। फिर साफसफेद शब्दों में सलमान खान के अकाउंट को टैग करते हुए लिखा, 'जन्मदिन की ढेरों बधाइयां। हमेशा प्यार बरसता रहे और आप ऐसे ही रोशन फैलाते रहें।' कटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी के बाद फैन्स सलमान के एक पोस्ट का इंतजार कर रहे थे कि कभी तो वह कोई ट्वीट या स्टोरी शेयर करें, जिसमें कपल को नए सफर के लिए शुभकामनाएं दें। लेकिन वह इंतजार तो पूरा नहीं हुआ। मगर ऐक्ट्रेस ने बधाई देकर साबित कर दिया कि सब न्यू नॉर्मल है। बता दें कि सलमान और उनकी भांजी आयत (बहन अर्पिता और आयुष शर्मा की बेटी) का बर्थडे 27 दिसंबर को ही आता है। दो साल पहले 2019 में जब अर्पिता की बेटी का जन्म हुआ था तब सलमान ने इसे अब तक का बेस्ट बर्थ डे गिफ्ट बताया था। **(एजेंसी)**

सुहाना खान ने सन किस्ड तस्वीर शेयर कर कहा 'परेशान न करें', शनाया कपूर और खुशी कपूर ने यूं किया रिएक्ट

बॉलीवुड के किंग खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपने फोटो वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं, जो पल भर में इंटरनेट पर वायरल हो जाते हैं। अब उन्होंने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सुहाना सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। फोटोज में देखा जा सकता है धूम की तेज रोशनी सुहाना के चमते हुए चेहरे को और भी चमका रही है। इन तस्वीर शाह रुख खान की बेटी ब्लैक कलर की ड्रेस बेहद खुबसूरत दिख रही हैं। तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, परेशान ना करें। आपको बता दें कि सुहाना ने अभी बॉलीवुड में डेब्यू नहीं किया है। लेकिन उनकी फेन फॉलोइंग किस सुपरस्टार एक्ट्रेस से कम नहीं है। इस बात का अंदाज इससे लगाया जा सकता है कि सुहाना खान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर किए हुए अभी कुछ ही घंटे हुए हैं लेकिन तस्वीरों को अब तक (खबर लिखे जाने तक) लगभग ढाई लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। साथ ही बॉलीवुड कलाकार और उनके किड्स फोटोज में कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। तस्वीरों पर भावना पांडे, महीप कपूर, खुशी कपूर, शनाया कपूर, अनन्या पांडे ने कमेंट कर उनकी तारीफ की है। बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है, जब सुहाना खान ने अपने स्टाइलिश लुक से सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा हो। इससे पहले भी वो कई बार सोशल मीडिया पर अपने लुक और स्टाइल को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया था, जिसमें वो अपने भाई के साथ अपने पिता शाह रुख खान के साथ खेलती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही तस्वीरों में आर्यन भी मस्ती करते दिख रहे हैं। **(एजेंसी)**

प्रपोजल के दूसरे ही दिन हुई करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश में बहस, रश्मि देसाई बनी वजह

बिग बॉस 15 के वीकेंड का वार एपिसोड में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया। लेकिन इस खूबसूरत पल को बीते एक दिन भी नहीं हुए कि दोनों के बीच फिर से लड़ाई हो गई और वजह रश्मि देसाई बनी। जारी प्रोमो में तेजा किसी टास्क के लिए रश्मि का नाम लेती हैं, वहीं करण अभिजीत बिचुकले का नाम लेकर सेफ साइड खेल जाते हैं। ऐसा देखकर तेजस्वी भड़क जाती हैं और करण से काफी कुछ बोल देती हैं।

दरअसल, बिग बॉस 15 के प्रोमो के मुताबिक, दो हफ्ते में फिनाले आना वाला है। ऐसे में घरवालों को हर बार फाइनल्स में अपनी जगह बनाने का मौका मिल रहा है। लिविंग एरिया में बैठे सभी सदस्यों को किसी एक घरवाले का नाम लेना होता है। तो पहले उमर रियाज अपना कारण बताते हुए देवोलीना का नाम लेते हैं। कहते हैं कि देवो का बस ये है कि उनकी मर्जी चले राखी के जरिए। इस पर राखी जवाब देती हैं। बोलती हैं, 'वह स्ट्रांग कंटेस्टेंट है इससे तुम्हारी हालत खराब हो जाती है।'

वहीं, तेजस्वी भी रश्मि का नाम लेती हैं, जिसके बाद वह भड़क जाती हैं। तंज कसते हुए कहती हैं, 'जब कोई अपने ही पार्टनर के साथ ईमानदार नहीं रह सका..' इसी बीच तेजा उन्हें टोक देती हैं और चिल्लाकर कहती हैं, 'करण और मेरे रिश्ते के बारे में कमेंट करना बंद कीजिए।' इस पर रश्मि भी एकदम मूड में आ जाती हैं। वह जवाब देती हैं, 'मेरी जो मर्जी मैं बोलूंगी।' वहीं करण भी रश्मी के सपोर्ट में कुछ कहती हैं।

खैर, जब उनके नाम लेने की बारी आती है, तो वह अभिजीत बिचुकले का नाम ले लेते हैं। इस पर ही बात बिगड़ जाती है। बाथरूम एरिया में करण से तेजस्वी चिल्लाकर कहती हैं कि अगर वह रश्मि को बचाने के लिए खेल रहे हैं तो उन्हें इस बात से दिक्कत है।

अब इन दोनों के बीच यह बिगड़ी बात कितनी जल्दी बनती है, आने वाले एपिसोड में देखने के बाद पता चलेगा। फिलहाल तो घरवाले एक बार फिर राखी के संचालन से परेशान हैं।

गार्डन एरिया में हो रहा टिकट टू फिनाले टास्क के दौरान प्रतीक सहजपाल और संचालक के बीच तू-तू, मैं-मैं हो जाती है। होता यह है कि प्रतीक गेम से उमर का पुतला तोड़कर उन्हें बाहर कर देते हैं। इस पर राखी कहती हैं वह अभी भी गेम खेल सकते हैं।

इस पर दोनों भिड़ जाते हैं। हालांकि बीच में देवोलीना आती हैं, लेकिन प्रोमो में ऐसा दिखाया गया कि राखी उनकी भी नहीं सुनती। अब टास्क क्या है और सदस्यों ने किस वजह से एक-दूसरे का नाम लिया, आने वाले एपिसोड में क्लियर होगा। **(एजेंसी)**

सलमान खान ने सांप के काटने के बाद पिता से कहा, "टाइगर और स्नेक दोनों जिंदा हैं"

सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कहा कि उन्हें बिना विष वाले सांप ने तीन बार काटा था और वह सौभाग्यशाली हैं कि कोई बड़ी परेशानी खड़ी नहीं हुई।

मुंबई से सटे रायगढ़ जिले में पनवेल के समीप एक फार्म हाउस में शनिवार की रात को एक सांप ने सलमान के हाथ में काट लिया था।

अभिनेता को नवी मुंबई के कमोठे स्थित एक अस्पताल ले जाया गया और रविवार की सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

सलमान खान वहां से अपने फार्म हाउस लौटे, जहां उन्होंने अपने परिवार तथा दोस्तों के साथ सोमवार को अपना 56वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि उनके 'अर्पिता फार्म हाउस' के एक कमरे में सांप आ गया था। जब सलमान उसे निकालने की कोशिश कर रहे थे तब सांप ने उन्हें काट लिया। सलमान ने कहा कि

घटना के बाद उन्होंने चिंता कर रहे अपने पिता एवं पटकथा लेखक सलीम खान से बात की और यह कह कर उन्हें आश्वस्त किया कि '' टाइगर और स्नेक (सांप)'' दोनों जिंदा हैं।'' हिट फिल्म 'एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है' में सलमान के किरदार का नाम 'टाइगर' था। अभिनेता ने पत्रकारों से कहा, '' जब मेरे पिता को घटना के बारे में पता चला, तो उन्होंने पूछा कि क्या सांप ठीक है, जिंदा है? मैंने उनसे कहा कि 'टाइगर' और सांप दोनों जिंदा है। उन्होंने पूछा कि सांप को चोट तो नहीं आई, मैंने कहा - नहीं, हमने उसे बेहद सावधानी और प्यार से संभाला और जंगल में छोड़ दिया।''

सलमान ने बताया कि कमरे में मौजूद बच्चे डर गए थे और इसके बाद वह सांप को वहां से निकालने के लिए गए। उन्होंने कहा, '' मैंने एक डंडा मांगा। जो डंडा लाया गया, वह छोटा था। फिर मैंने बड़ा डंडा मांगा और प्यार से उसे बाहर निकाला, लेकिन सांप डंडे पर चिपक गया और मेरे हाथ के करीब आ गया। इसके बाद मैंने उसे हाथ से पकड़ लिया, ताकि वह डंडा छोड़ दे। स्थानीय लोगों को पता था कि वहां कंधारी सांप आता है और वह 'कंधारी, कंधारी, कंधारी' चिल्लाने लगे। उसी शोर-शराबे में सांप ने मुझे एक बार काट लिया। इसके बाद अधिक शोर होने पर उसने मुझे फिर काट लिया। हंगामा मच गया, लोगों ने 'अस्पताल, अस्पताल, यह जहरीला है' कहना शुरू कर दिया और फिर से उसने मुझे काट लिया।'' अभिनेता को तुरंत इसके बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि सांप बिना विष वाला था। अस्पताल में सलमान को एक विष रोधी टीका दिया गया और छह घंटे तक निगरानी में रखने के बाद छुट्टी दे दी गयी। सलमान ने बातया कि अस्पताल से फार्म हाउस पहुंचने पर भी सांप वहीं था और उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया गया। अभिनेता ने कहा, '' मेरी बहन बहुत डर गई थी, लेकिन मैंने सांप से दोस्ती कर ली और उसे जंगल में छोड़ने से पहले उसके साथ तस्वीर भी ली। शायद वह भी डर गया होगा, इसलिए ही उसने मुझे काट लिया।'' सलमान ने कहा, '' अस्पताल काफी व्यवस्थित, सभी उपकरणों से लैस था, उनके पास हर तरह के सांप के विष रोधी टीके थे। पुलिस आयुक्त (नवी मुंबई) बिपिन कुमार, हमारे विधायक संदीप नाइक भी अस्पताल पहुंचे और इससे बहुत मदद मिली। **(एजेंसी)**